● वर्ष-3
● अंक-208
रायपुर, गुरुवार
11 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› बारहवीं के बाद मेडिकल क्षेत्र में ....

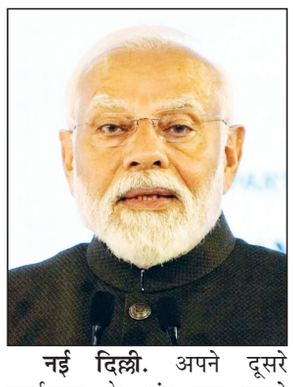

सिर्फ संविधान में ही नहीं, भारत के जीन में भी है लोकतंत्र : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली. अपने दूसरे कार्यकाल के अंत तक सबसे लोकप्रिय सरकारें भी समर्थन खोने लगती हैं. दुनिया में भी पिछले कुछ सालों में सरकारों के प्रति असंतोष बढ़ा है. भारत एक अपवाद के रूप में खड़ा है, जहां हमारी लोकप्रिय सरकार के लिए समर्थन बढ़ रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रसिद्ध पत्रिका को दिए गए एक खास इंटरव्यू में यह बात कही.

पत्रिका की ओर से पीएम मोदी से उनके नेतृत्व में हुई भारत की आर्थिक प्रगति, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, पर्यावरण से जुड़े मामलों, चीन के साथ भारत के रिश्ते और कथित तौर पर प्रेस की स्वतंत्रता में कटौती किए जाने के अलावा मुसलमानों को साथ लेकर नहीं चलने जैसे आरोपों और आने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर लिखित सवाल पूछे गए. इन सवालों के उन्होंने सिलसिलेवार जवाब दिए.

आगामी लोकसभा चुनाव- पीएम मोदी ने कहा कि, हमारे पास अपने वादों को पूरा करने का शानदार ट्रैक रिकॉर्ड है. यह लोगों के लिए बहुत बड़ी बात है, क्योंकि वे ऐसे वादे सुनने के आदी थे जो कभी पूरे नहीं होते थे. हमारी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के आदर्श वाक्य के साथ काम किया है. उन्होंने कहा कि, लोगों को भरोसा है कि अगर हमारे कार्यक्रमों का लाभ किसी और को मिला है तो उन तक भी पहुंचेगा. लोगों ने देखा है कि भारत 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है. अब देश की आकांक्षा है कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने.

लोकतंत्र और प्रेस की स्वतंत्रता- पीएम मोदी ने कहा कि, हम एक लोकतंत्र हैं, केवल इसलिए नहीं कि हमारे संविधान में ऐसा कहा गया है, बल्कि इसलिए भी कि यह हमारे जीन में है. भारत लोकतंत्र की जननी है. तमिलनाडु के उत्तरामेरूर में आप भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में 1100 से 1200 साल पुराने शिलालेख देख सकते हैं. दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र में 2019 के आम चुनावों में 600 मिलियन से अधिक लोगों ने मतदान किया. अब कुछ महीनों में 970 मिलियन से अधिक पात्र मतदाता अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग करेंगे. पूरे भारत में 10 लाख से अधिक पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे. मतदाताओं की लगातार बढ़ती भागीदारी भारतीय लोकतंत्र के प्रति लोगों की आस्था का बहुत बड़ा प्रमाण है.

उन्होंने कहा कि, भारत जैसा लोकतंत्र केवल इसलिए आगे बढ़ने और काम करने में सक्षम है क्योंकि वहां एक फीडबैक का एक जीवंत तंत्र है. हमारा मीडिया इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. हमारे यहां करीब 1.5 लाख रजिस्टर्ड मीडिया प्रकाशन और सैकड़ों समाचार चैनल हैं.

भारत और पश्चिम में कुछ लोग ऐसे हैं जिन्होंने भारत के लोगों के साथ अपनी विचार प्रक्रियाओं, भावनाओं और आकांक्षाओं को खो दिया है. यह लोग वैकल्पिक वास्तविकताओं के अपने इको चैंबर में भी रहते हैं. वे मीडिया की स्वतंत्रता कम होने के असंगत संदिग्ध दावों के साथ लोगों को अपने साथ जोड़ते हैं.

इन्फ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण- पीएम मोदी ने कहा कि, पिछले एक दशक में भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर में बदलाव की गति तेज हो गई है. पिछले 10 सालों में हमारा नेशनल हाई-वे नेटवर्क 60 प्रतिशत बढ़ गया है. यह 2014 में 91,287 किलोमीटर था जो 2023 में बढ़कर 146,145 किलोमीटर हो गया है. हमारे हवाई अड्डे दोगुने हो गए हैं. यह 2014 में 74 थे, जो कि 2024 में बढ़कर 150 से अधिक हो गए हैं. हमने अपने बंदरगाहों की क्षमता बढ़ाई है. हमने अपने नागरिकों की सुविधा के लिए टेक-स्मार्ट वंदे भारत ट्रेनें शुरू की हैं और आम लोगों को फ्लाइट की सुविधा देने के लिए उड़ान योजना शुरू की है.

पीएम मोदी ने कहा कि, हमारे भौतिक बुनियादी ढांचे के निर्माण और जलवायु परिवर्तन से लड़ने की हमारी प्रतिबद्धता के बीच कोई विरोधाभास नहीं है. वास्तव में भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर कैसे विकसित किया जाए और फिर भी क्लाइमेट चेंज को कम करने में सबसे आगे कैसे रहें, इसका एक भरोसेमंद मॉडल पेश करता है. चाहे वह रूफ टॉप सोलर प्रोग्राम के माध्यम से 10 मिलियन घरों को रोशन करना हो या सौर ऊर्जा से चलने वाले पंपों के जरिए किसानों को सशक्त बनाना हो, चाहे 400 मिलियन एनर्जी एफीशिएंट बल्ब का वितरण करना हो या 13 मिलियन एफीशिएंट स्ट्रीटलाइटें लगाना सुनिश्चित करना या फिर ईवी को सबसे तेजी से अपनाना हो... हवाई अड्डे हों या रेलवे स्टेशन या पुल, हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर नवीकरणीय ऊर्जा का फायदा उठा रहा है.

मध्यप्रदेश के मंडला में मुख्यमंत्री साय ने ली ताबड़तोड़ तीन जनसभाएं

मोदी ने दुनिया में बढ़ाया भारतवासियों का सम्मानः साय

मंडला। मध्यप्रदेश के मंडला स्थित सलवाह, बम्हनी एवं गोपालपुर में मुख्यमंत्री ने आमसभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी फग्गन सिंह कुलस्ते के संदर्भ में कहा कि उन्होंने जब केंद्र में राज्यमंत्री के रूप में काम किया तब कुलस्ते मंत्री थे । तब कुलस्ते ने संसद में कहा था कि यह सरकार गांव के लिए समर्पित सरकार रहेगी। आप लोगों ने देखा है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास को मूलमंत्र मानते हुए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काम कर रहे हैं।

श्री साय ने कहा कि पहले 5 साल में मोदी जी ने गरीबों के लिए काम किया द्य गरीबों को पक्का मकान देने का काम, गरीबों के घर में बिजली पहुंचाने का काम, गरीबों का खाता खोलने का काम किया। पहले हर गरीब का खुद का बैंक खाता भी नहीं होता था और इससे सरकारी पैसा सीधे उन तक पहुंचता भी नहीं था। कांग्रेस के जमाने में तो बहुत पैसा लीकेज हो जाता था । कांग्रेस के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने स्वयं स्वीकार करते हुए कहा था कि हम 1 रु दिल्ली से भेजते हैं , तो जनता तक पहुंचते-पहुंचते 15 पैसा हो जाता है, 85 पैसे का लीकेज हो जाता हैद्य इसीलिए हमारे माननीय प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सबका जन-धन खाता खुलवाया गया, ताकि शत-प्रतिशत पैसा जनता तक पहुंचे। श्री साय ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में कहा कि वे 24 में से 18 घंटा जनता के लिए काम करते हैं। आज दुनिया में भारत का डंका मोदी के कारण बज रहा है। 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान पूरे विश्व में बढ़ रहा हैद्य आप लोग देखते होंगे कि विदेशों में जब बैठक होता है तब रूस और अमेरिका के राष्ट्रपति के राष्ट्रपति भी ढूंढते रहते हैं कि मोदी जी कहाँ हैं, उनसे हाथ मिलाने के लिए आतुर रहते हैं। कई देश के प्रधानमंत्री हमारे देश के प्रधानमंत्री जी का चरण छूते हैं। ये भारत का मान और सम्मान बढ़ाने का काम मोदी जी ने किया है।

उन्होंने कहा कि हमारी माताओं को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से गैस सिलेंडर देने का काम किया, आज इसका नाम सभी जानते हैंद्य पहला 5 साल गरीबों का खूब काम हुआ और जब दूसरा लोकसभा चुनाव आया, तब जनता ने उनको खूब आशीर्वाद दिया द्य पहला 5 साल उन्होंने जनता का विश्वास बटोरा और दूसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री ने बड़े - बड़े निर्णय लिए। श्री साय ने कहा कि जनसंघ के समय हम लोग राम मंदिर के लिए नारा लगाते थे, जम्मू -कश्मीर से धारा 370 हटाने कि बात करते थे, मुस्लिम महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ट्रिपल तलाक हटाने की बात करते थे, तो ये सब काम पूरा करने बड़े निर्णय दूसरे कार्यकाल में आदरणीय मोदी जी ने लिया। 500 वर्षों के संघर्ष एवं लाखों हिंदुओं की कुर्बानी के बाद हमारे देश के सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर बनाने का निर्णय दिया, पर इसे लागू कराने का काम हमारे देश के प्रधानमंत्री ने किया द्य आज भगवान राम भव्य मंदिर में विराज रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बढ़ाया आदिवासियों का सम्मान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मध्यप्रदेश में आदिवासियों का जितना विकास और सम्मान भाजपा में हुआ है, उतना सम्मान कांग्रेस में कभी नहीं हुआ। कांग्रेस ने आदिवासियों को केवल वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल किया। आज हमारे देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद पर श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आसीन हैं। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने देश के 12 करोड़ से भी अधिक आदिवासियों के उत्थान के लिए अलग से आदिम जाति कल्याण मंत्रालय का गठन किया, तब कुलसते जी ने उस विभाग के राज्यमंत्री के रूप में काम किया। एक आदिवासी बेटे को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बनाने का काम भारतीय जनता पार्टी ने ही किया। ये भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती हैद्य मध्यप्रदेश सरकार जबलपुर मे 100 करोड़ से अधिक की राशि से रानी दुर्गवाती का बड़ा स्मारक बनवा रही हैद्य हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं महापुरुषों को सामने लाने का काम भाजपा सरकार ही कर रही है, जिन्हें कांग्रेस ने अब तक छुपा कर रखा था.

देश को नक्सल समस्या से मोदी सरकार ने दिलाई मुक्ति

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज बिहार में है। गया में उन्होंने चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने देश को नक्सली समस्या से मुक्ति दिलाई। आज यहां सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य की बात हो रही है। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं कि सालों बाद बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया गया। लालू भी कसीदे पढ़ते थे...कांग्रेस आई और सत्ता खो दी लेकिन कर्पूरी ठाकुर को कभी उचित सम्मान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि मोदी ने कर्पूरी ठाकुर जी को सम्मानित कर समस्त पिछड़ा समाज का सम्मान किया है।

शाह ने कहा कि 2014 में, बिहार के लोगों ने हमें (भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को) 40 में से 31 सीटें दीं। 2019 में उन्होंने हमें 40 में से 39 सीटें दीं। इस बार, मैं आपसे एनडीए को सभी 40 सीटें जीतने में मदद करने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मलतब है- भारत को दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा अर्थतंत्र बनाना। चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य मिशन की सफलता दर्ज करना। कश्मीर, नार्थईस्ट... जैसे वामपंथी उग्रवादी क्षेत्र से उग्रवाद का सफाया करना। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी तुष्टिकरण करने वाली पार्टी है। कांग्रेस की चार पीढ़ियां, जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा तक और राजीव गांधी से लेकर राहुल गांधी तक... सभी ने तुष्टिकरण ही किया है।

एम्स पहुंचकर कुम्हारी बस दुर्घटना के घायलों से मिले मुख्यमंत्री साय

रायपुर। दुर्ग के कुम्हारी के पास एक निजी कंपनी की हुई बस दुर्घटना के घायल कर्मचारियों से आज एम्स पहुंचकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। सीएम साय ने चिकित्सकों को घायल कर्मचारियों के समुचित ईलाज का प्रबंध करने को कहा और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने चिकित्सकों को घायलों के बेहतर ईलाज के निर्देश दिए, साथ ही घायलों के परिजनों को उन्होंने कहा कि उन्हें चिकित्सा संबंधी फ़िक्र करने की आवश्यकता नहीं है।

प्रमुख समाचार

केजरीवाल की सेहत बिल्कुल ठीक, तिहाड़ जेल में बढ़ा वजन!

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तिहाड़ जेल में तबीयत खराब नहीं हुई है। सूत्रों ने कहा कि आम आदमी पार्टी प्रमुख की स्वास्थ्य स्थिति ठीक बनी हुई है, उनकी मधुमेह की स्थिति के कारण प्रतिदिन नियमित चिकित्सा जांच की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि इन मेडिकल जांचों के दौरान केजरीवाल का शुगर लेवल लगातार सामान्य सीमा के भीतर रहा है। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल को जब अरविंद केजरीवाल को जेल भेजा गया तो मेडिकल जांच के दौरान उनका वजन 65 किलो था और 7 अप्रैल को 66 किलो था। साथ ही शुगर लेवल भी काफी मेंटेन है और वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं। हालांकि, आप ने दावा किया कि तिहाड़ जेल में केजरीवाल का शुगर लेवल बिगड़ गया। पार्टी ने दावा किया, उपवास में रक्त शर्करा 160 बताई गई। उपवास में सामान्य रक्त शर्करा 70 होनी चाहिए। पार्टी ने केजरीवाल की एक मेडिकल रिपोर्ट भी साझा की। आधिकारिक चिकित्सा स्वास्थ्य चार्ट का हवाला देते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि जेल में केजरीवाल का वजन 4.5 किलो कम नहीं हुआ और उनके बीपी और शुगर जैसे महत्वपूर्ण आंकड़े भी सामान्य हैं।

भारत के बाहर भी काम करती है मोदी की गारंटी: जयशंकर

नई दिल्ली। दुनिया भर में भारतीयों की सुरक्षा के लिए किए गए निकासी अभियानों पर प्रकाश डालते हुए, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की मोदी की गारंटी का आश्वासन दोहराया, जो भारत की सीमाओं से परे तक फैली हुई है। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने नागरिकों के लिए भारत सरकार के समर्थन की विश्वसनीयता पर जोर दिया, चाहे वे विदेश में संकट का सामना करें या यूक्रेन, इज़राइल या सूडान जैसी चुनौतियों का सामना करें। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री के रूप में, मैं पुष्टि कर सकता हूं कि मोदी की गारंटी हमारी सीमाओं से परे भी काम करती है, जहां भी हमारे नागरिक या यहां तक कि हमारे हमवतन खुद को फंसा हुआ पाते हैं। एस जयशंकर ने कहा कि जो लोग रोजगार के लिए या पर्यटक बनकर विदेश जाते हैं, या छात्र पढ़ाई के लिए जाते हैं, उन्हें भी पूरा भरोसा है कि मोदी का भारत, जैसा कि आज है, हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। अगर कहीं भी कोई समस्या आती है तो हम उनके लिए मौजूद हैं। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने राजस्थान के बिकानेर में एनडीए सरकार की उपलब्धियों के बारे में बात की।

भाजपा से गठबंधन के लिए 50% तैयार हो गए थे शरद

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता प्रफुल्ल पटेल ने बुधवार को दावा किया कि जब उनके भतीजे अजीत ने महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली तो शरद पवार भारतीय जनता पार्टी के साथ जाने के लिए 50 प्रतिशत तैयार थे। पटेल ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि 2 जुलाई 2023 को जब अजीत पवार और हमारे मंत्रियों ने महाराष्ट्र सरकार के साथ शपथ ली, तो हमने 15-16 जुलाई को शरद पवार से मुलाकात की और उनसे हमारे साथ आने का अनुरोध किया। बाद में अजित पवार और शरद पवार की पुणे में मुलाकात हुई। वह भी 50त्न तैयार थे...शरद पवार हमेशा आखिरी समय पर झिझकते हैं। पिछले साल, शरद पवार ने कहा था कि वह कभी भी भाजपा से हाथ नहीं मिलाएंगे। किसी भ्रम में मत रहो। चाहे कुछ भी हो हम समझौता नहीं करेंगे। आने वाले चुनाव में हमें बीजेपी से लड़ना होगा। अजीत पवार ने 2019 में पार्टी को विभाजित करने की असफल कोशिश की थी जब उन्होंने देवेंद्र फड़नवीस को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई थी।

लोस चुनाव के लिए में 200 करोड़ की योजना का हुआ भंडाफोड़

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने बुधवार को लोकसभा चुनाव से पहले एक प्रमुख राजनीतिक दल के लिए तमिलनाडु में 200 करोड़ रुपये की हवाला राशि लाने के प्रयास को विफल कर दिया। कर विभाग के अधिकारियों ने विनोथ कुमार जोसेफ नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसे मलेशिया से निर्वासित किया गया था और 7 अप्रैल को चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रोका गया था। सूत्र ने बताया कि भारतीय नागरिक विनोथ से पूछताछ करने पर आयकर अधिकारियों को पता चला कि वह एक बड़े हवाला कारोबार में शामिल था जो दुबई और मलेशिया से चल रहा था। आईटी टीम ने जोसेफ के पास से एक मोबाइल फोन, आई-पैड और लैपटॉप जब्त किया और पता चला कि वह दुबई से चेन्नई तक 200 करोड़ रुपये की हवाला राशि भेजने का प्रयास कर रहा था। आयकर विभाग के सूत्रों ने कहा कि उसके मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप चैट से पता चला है कि वह तमिलनाडु स्थित एक प्रमुख राजनीतिक दल के लिए हवाला के जरिए दुबई से चेन्नई 200 करोड़ रुपये लाने की योजना बना रहा था। अधिकारियों ने टीम के अन्य सदस्यों के रूप में अप्पू, सेल्वम, मोनिका विरोला और सुरेश की पहचान की है।

लालू यादव भ्रष्ट हैं, केवल अपने परिवार के लिए जीते हैं: चौधरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोलते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू एक भ्रष्ट नेता हैं जो केवल अपने परिवार के लिए जीते हैं। बीजेपी नेता ने कहा कि लालू यादव अब अपनी कथनी और करनी से लोगों पर दबदबा नहीं रखते। वह सांप्रदायिक विवाद फैलाने की कोशिश करते हैं...यह उनकी पुरानी आदत है। वह लंबे समय से ऐसा कर रहे हैं। बिहार की जनता जानती है कि वह भ्रष्ट हैं और सिर्फ अपने परिवार के लिए जीते हैं। वह कभी भी अपने परिवार के बाहर किसी के लिए काम नहीं कर सकता। इस बीच, राजद ने बुधवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। लालू यादव की बेटी बीमा भारती को पूर्णिया सीट से मैदान में उतारा गया है, जबकि रोहिणी आचार्य सारण सीट से चुनाव लड़ेंगी, जहां उनका मुकाबला मौजूदा भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी से होगा। पार्टी ने पाटलिपुत्र सीट से मीसा भारती को भी मैदान में उतारा है। जय प्रकाश यादव बांका से और विजय कुमार शुक्ला वैशाली से चुनाव लड़ेंगे।

लोकसभा चुनाव 2024

बहस और प्रतिस्पर्धी विचारों की स्पर्धा के लायक मुद्दे पीछे रह जाते हैं

शंकर अय्यर

भारत के लोकतंत्र के महोत्सव का बिगुल बज चुका है और वाक्पटु प्रचार अभियान गूंजने लगे हैं। चुनाव अभियान तो एक तरह से पक्षपातपूर्ण व्याख्याएं होती हैं। लेकिन घोषणापत्र पवित्र वादों के साथ होते हैं। वहीं, इन सबसे अलग, जो मुद्दे बहस और प्रतिस्पर्धी विचारों की स्पर्धा के लायक होते हैं, वे अक्सर भावनात्मक मुद्दों से पीछे रह जाते हैं। भारत विकासशील से विकसित अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह पांचवीं सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है, जो इस दशक के अंत तक 100 खरब अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था के राजनीतिक भूगोल में आय और समृद्धि का अंतर साफ दिखता है। याद रखना जरूरी है कि हर चीज को वृहद परिप्रेक्ष्य में देखने पर वे छोटे, पर महत्वपूर्ण मुद्दे धूमिल हो जाते हैं, जो विकसित भारत के आदर्श की दिशा में इस यात्रा की प्रगति को बाधित कर सकते हैं।

प्राथमिक शिक्षा- नई सहस्राब्दी की शुरुआत में जनसांख्यिकीविदों और ब्रिक्स रिपोर्ट के लेखकों ने जनसांख्यिकीय लाभांश की संभावना की भविष्यवाणी की थी। लाभांश का लाभ मानव पूंजी में निवेश पर निर्भर करता है। साथ ही यह इस पर भी निर्भर करेगा कि प्रौद्योगिकी से संचालित वैश्विक अर्थव्यवस्था में अवसरों का लाभ के लेने लिए युवा कितने सक्षम हैं? प्रथम फाउंडेशन ने हाल ही में 14 से 18 वर्ष के बच्चों के कौशल पर एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें पाया गया कि हर चार में से एक बच्चा दूसरी कक्षा के पाठ अपनी क्षेत्रीय भाषा में धाराप्रवाह नहीं पढ़ सका। वहीं, आधे बच्चों को तीन अंकों की संख्या को एक अंक से भाग देने में कठिनाई हो रही थी। सच तो यह है कि भारत की सरकारें छह दशकों से शिक्षा पर जीडीपी का छह फीसदी व्यय करने का वादा करती रही हैं, लेकिन किया नहीं। इसका समाधान तकनीक से, जैसे विभिन्न प्लेटफॉर्म और एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) की मदद से किया जा सकता है। पर क्या राजनीतिक दल इसका समाधान कर पाएंगे?

जॉब, कौशल और एआई फैक्टर- सरकार ने रोजगार सृजन को लेकर कई तरह से और कई स्रोतों से आंकड़े पेश किए हैं। फिर भी जनमत सर्वेक्षणों में बेरोजगारी के आंकड़े बड़ी चिंता का विषय बने हुए हैं। दरअसल जरूरत और उपलब्धता के बीच अंतर है, जिसका प्रमाण पिछले महीने ही मिला, जब 48 लाख से अधिक भारतीय युवा 60 हजार पदों की एक परीक्षा में शामिल हुए। दूसरी ओर, एआई को अपनाने से आईटी सेक्टर की नौकरियों पर भी संकट है। एनवीडिया के हुआंग जेनसन का कहना है कि एआई पूरी तरह कोडिंग पर कब्जा कर लेगा। नैसकॉम के अध्यक्ष ने कहा कि बीपीओ कर्मियों को एआई से सबसे ज्यादा खतरा है। एक्सेंचर की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में काम के 44 फीसदी घंटे स्वचालित हो सकते हैं। क्या पार्टियों के पास जर्मनी और नीदरलैंड की तरह प्रभावी श्रम नीति है? हां, कांग्रेस ने जरूर स्नातक या डिप्लोमा धारकों की अप्रेंटिसशिप का विचार सामने रखा है। लेकिन क्या यह व्यवहारिक होगा? क्या चुनाव अभियान जॉब, कौशल और जेनरेटिव एआई पर बहस के गवाह बनेंगे?

प्राथमिक स्वास्थ्य- भारत का आयुष्मान भारत कार्यक्रम दुनिया के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक है। इसके अंतर्गत 30 करोड़ से अधिक लोग नामांकित हैं। वहीं, 6.20 करोड़ लोग अस्पतालों में भर्ती होकर इस योजना के तहत इलाज करा चुके हैं। फिर भी भारत की प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को लंबा रास्ता तय करना है। निश्चित रूप से इसने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित 834 लोगों पर एक डॉक्टर की उपलब्धि को हासिल कर लिया है, पर अब भी 140 करोड़ लोगों पर 13.08 लाख एलोपैथिक डॉक्टर उपलब्ध हैं। और, इनका झुकाव भी शहरी भारत की ओर है। कर्मियों और बुनियादी ढांचे की कमी लंबे समय से बनी हुई है। भारत के 5.90 लाख गांवों में 1.90 लाख उपकेंद्र, 31,000 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 6,064 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 79.50 फीसदी तक विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है। क्या राजनीतिक दलों के पास इसका समाधान है?

कृषि- किसान अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक निर्वाचन क्षेत्र है। कृषि निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा नियोक्ता भी है। फिलहाल, एमएसपी और ऋण माफी राजनीतिक चर्चा के प्रमुख बिंदु बने हुए हैं। देखने में आता है कि कृषि अब भी लाइसेंस राज के अधीन है, पर्याप्त मूल्य नहीं मिलता। तथ्य यह है कि कृषि में लगा 45 फीसदी कार्यबल राष्ट्रीय आय के छठे हिस्से पर जीवन-यापन करने को मजबूर है। ग्रामीण भारत की प्रति व्यक्ति आय शहर की अपेक्षा आधे से भी कम है। क्या राजनीतिक दलों के पास किसानों की स्थिति सुधारने का कोई खाका है?

दुर्ग बस हादसा : चारों ओर भयावह मंजर, हर तरफ चीखने और चिल्लाने की आवाज

दुर्ग। मंगलवार की रात दुर्ग के कुम्हारी खपरी मार्ग पर खदान में बस गिरने से अब तक 15 लोगों की मौत हो गई और लगभग 15 लोग घायल हुए हैं जिनका उपचार जारी है। हादसे के बाद बुधवार को मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली तस्वीरें देखने को मिलीं। घटनास्थल पर कहीं रोटी, कहीं सब्जी तो कहीं पराठे बिखरे पड़े थे। जगह-जगह खून ही खून दिख रहा था। मृतकों और घायलों का सामान भी बिखरा हुआ पड़ा था। ये दर्दनाक और भयावह मंजर जिसने भी देखा उसकी रूह कांप गई।

दरअसल छत्तीसगढ़ के दुर्ग में केडिया डिस्टलरी के 40 कर्मचारियों को लेकर कुम्हारी से भिलाई लौट रही बस मंगलवार रात नौ बजे खदान में गिर गई। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई है और लगभग 15 लोग घायल हुए हैं जिनको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुम्हारी के केडिया डिस्टलरी कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी आठ बजे छुट्टी होने के बाद बस में सवार होकर अपने घर जाने के लिए निकले थे, तभी कुछ दूर जाकर बस सड़क किनारे लगे पोल से टकरा गई और खाई में जा गिरी। केडिया डिस्टलरी कंपनी ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए, एक सदस्य को नौकरी और घायलों का पूरा खर्च उठाने की बात कही है। सभी घायलों को एम्स, एपेक्स ओम और अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बस में कुल 40 लोग सवार थे। बस हादसे के पीड़ितों से मिलने के बाद छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि जो कुछ भी हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण है। वे सभी केडिया डिस्टिलरी के मजदूर थे और बस से जा रहे थे तभी यह हादसा हुआ। सड़क के दोनों ओर वहां 20 फुट गहरी खाई हैं। वे लगभग 20 वर्षों से इसी समय निकल रहे हैं लेकिन आज बस फिसल गई

और खाई में गिर गई। एक मरीज ने यह भी कहा कि बस की हेडलाइट्स चालू नहीं थीं जिसके कारण ऐसा हुआ।

इस दर्दनाक हादसे पर राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने दुख जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि दुर्ग में बस दुर्घटना अत्यंत दुखद है। जिन लोगों ने इसमें अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में बस दुर्घटना बेहद दुखद है। सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना! मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

बस ही कंडम था केडिया डिस्टलरी का फिर भी चलाया जा रहा था

कुम्हारी में 20 फीट नीचे खाई में गिरी बस को निकालने में घंटो मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद दुर्घटनाग्रस्त बस बाहर निकाली जा सकी। साल 2007 मॉडल की बस पहले ही कंडम थी। फिटनेस को लेकर अब आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस ने जांच करने की बात कही है। मालूम हो कि कल रात 8 बजे कुम्हारी के केडिया डिस्टलरी के मजदूरों के साथ खाई में बस गिर गई थी। जिसमें 13 लोगों की मौत हुई है। मृतकों के के शव को सुपेला हुआ दुर्गा अस्पताल की मरच्युरी में रखवाया गया था। वहीं 14 घायलों का रायपुर के एम्स और अन्य निजी अस्पतालों में भर्ती चल रहा है। हादसे के मजिसर्ट्रियल जांच शुरु हो गई है।

कुम्हारी बस हादसे की मजिस्ट्रियल जांच शुरू दुर्ग तहसीलदार पहुंचे केडिया डिस्टलरी

कुम्हारी में बीती रात हुए बस हादसे की मजिस्ट्रियल जांच शुरू हो गई है। कल रात दुर्ग कलेक्टर के मजिस्ट्रियल जांच के आदेश के बाद आज तहसीलदार जांच करने केडिया डिस्टलरी पहुंचे हैं। वहीं घटना स्थल पर कलेक्टर, एसपी समेत कई अधिकारी मौजूद हैं। बता दे कि कल देर रात कुम्हारी के केडिया डिस्टलरी में काम करने वाले 40 कर्मचारियों को लेकर एक बस डिस्टलरी से खपरी की ओर जा रही थी। इसी बीच अचानक बस अनियंत्रित होकर 30 फीट गहरी मुरुम खदान में गिर गई, जिसमें मौके पर ही 6 लोगों ने जान गंवा दी। वहीं आज एक और घायल की मौत होने से मरने वालों का आंकड़ा 13 तक पहुंच चुका है। वहीं लगभग 15 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे में मृत हुए सभी कर्मचारियों के शवों को सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल एवं 3 मृतकों के शवों को जिला अस्पताल के मर्च्यूरी में रखा गया है। सुबह से ही जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंच चुके हैं, जिसमें मजिस्ट्रेट के सामने सभी शवों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। कुछ मृतक के परिजन शव को लेने से इनकार कर रहे थे।

घायलों से मिलने रायपुर एम्स पहुंचे सीएम साय

रायपुर। रायपुर और दुर्ग के बीच कुम्हारी में बीती रात बस दुर्घटना में घायल लोगों से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुलाकात की। सीएम साय ने एम्स में चल रहे घायलों को हाल-चाल जाना और बेहतर इलाज के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि कल बस दुर्घटना में 12 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई। 10 लोग एम्स में भर्ती हैं। हम उनसे मिलने आए हैं। बेहतर से बेहतर इलाज हो रहा है। उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही शासन-प्रशासन, कलेक्टर, एसपी मौके पर रात में ही पहुंचे। साथ ही डिप्टी सीएम विजय शर्मा भी रात में ही एस्म पहुंचे थे। इस घटना पर पीएम नरेन्द्र मोदी, राज्यपाल समेत कई लोगों ने संवेदना व्यक्त की है। सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि मृतक परिवार के एक सदस्य को नौकरी और 10 लाख रुपए कंपनी दे रही है। इसके आलावा इलाज का खर्च भी कंपनी और सरकार वहन करेगी। इस घटना की न्यायिक जांच की घोषणा कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद जो कोई भी दोषी होगा, उसे बक्शा नहीं जाएगा। इस तरीके की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो इस पर विचार किया जाएगा।

गृहमंत्री विजय शर्मा घटनास्थल का कर रहे निरीक्षण

दुर्ग। गृहमंत्री विजय शर्मा कल रात हुए बस हादसे का निरीक्षण करने बुधवार को कुम्हारी पहुंचे। दुर्ग रेंज आईजी और संभाग कमिश्नर ने बस हादसे की जानकारी गृहमंत्री को दी थी। इसके बाद आज गृहमंत्री शर्मा घटनास्थल पहुंचे और खदान के ऊपर सड़क और नीचे खदान में गिरी बस का निरीक्षण कर रहे हैं। इस दौरान इंटर डिपार्टमेंट लिड एजेंसी रोड सेफ्टी के अधिकारी एआईजी संजय शर्मा भी मौके पर पहुंचे हैं। उल्लेखनीय है कि मंगलवार देर रात कुम्हारी के केडिया डिस्टलरी में काम करने वाले 40 कर्मचारियों को लेकर एक बस डिस्टलरी से खपरी की ओर जा रही थी। इसी बीच अचानक बस अनियंत्रित होकर 30 फीट गहरी मुरुम खदान में गिर गई, जिसमें मौके पर ही 6 लोगों ने जान गंवा दी। वहीं आज एक और घायल की मौत होने से मरने वालों का आंकड़ा 13 तक पहुंच चुका है। वहीं लगभग 15 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे में मृत हुए सभी कर्मचारियों के शवों को सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल और 3 मृतकों के शवों को जिला अस्पताल के मर्च्यूरी में रखा गया है। सुबह से ही जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंच चुके हैं, जिसमें मजिस्ट्रेट के सामने सभी शवों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। कुछ मृतक के परिजन शव को लेने से इनकार कर रहे थे।

हिन्दू नववर्ष पर जगमगाया दल्ली राजहरा

■ **पंडित संदीप अखिल ने समाजों की भागीदारी को बताया सनातन संस्कृति की खूबसूरती**

बालोद। दल्ली राजहरा में भारतीय हिंदू नव वर्ष को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। दो दिवसीय चले इस कार्यक्रम के प्रथम दिवस लौह नगरी दल्ली राजहरा व नगर पंचायत चिखलाकसा में सनातन प्रेमियों द्वारा अपने-अपने घरों के सामने और चौक-चौराहों सहित प्रमुख मंदिर स्थलों पर सवा लाख दीप प्रज्वलित किया गया।

वहीं द्वितीय दिवस को में प्रभु श्री राम, हनुमान जी, काली माता, भोले भंडारी और राधा कृष्ण की जीवंत सांस्कृतिक झांकियों की विशाल शोभा यात्रा निकाल श्रीराम मंदिर पहुँच वाराणसी में होने वाली मां गंगा आरती की तर्ज पर 1001 दीपों के साथ भारत माता की सामूहिक आरती की गई, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं और आमजनों ने हिस्सा लिया।

भारतीय नववर्ष और नवरात्रि के प्रथम दिवस मंगलवार को नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए सांस्कृतिक झांकियों की विशाल शोभा यात्रा निकाल हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में भव्य भारत माता की सामूहिक आरती के साथ ही बहुत ही सुंदर और मनमोहक नृत्य के साथ प्रस्तुति दी गई।

कार्यकम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रखर वक्ता, आध्यात्मिक चिंतक पंडित संदीप अखिल ने आयोजक समिति की तारीफ़ करते हुए

कहा समिति ने कार्यक्रम के माध्यम से बतलाया कि हमें हिंदू नव वर्ष किस तरह मनाना चाहिए। यहाँ सभी समाज की एकता देखने मिला, यही सनातन संस्कृति की खूबसूरती है, जहाँ भारतीय हिंदू नववर्ष की शुरुआत नवरात्रि से होती है।

आज से 9 वर्ष पहले सामाजिक समरसता बनाए रखने के साथ युवा पीढ़ी और बच्चों में सनातन धर्म के प्रति जागरूकता पैदा करते हुए उन्हें अपने सांस्कृतिक से जोड़कर रखने दल्ली राजहरा में लगभग 45 समाज को जोड़ सर्व समाज समरसता समिति दल्ली राजहरा का गठन किया गया था।

विगत नौ वर्षों से लगातार समिति द्वारा भारतीय हिंदू नव वर्ष को बड़े ही धूमधाम से मनाते आ रहे है। साथ ही समिति द्वारा युवा पीढ़ी महिला और बच्चों को भारतीय संस्कृति और परम्परों का प्रशिक्षण देकर विभिन्न हिंदू धार्मिक पर्व को भव्य रूप से मना सनातन सांस्कृतिक को जीवंत रख हिंदुत्व की अलख जगा रहे हैं।

मोदी बायोटेक प्लांट में नियमों की उड़ रही धज्जियां

■ **गांवों में गहराया जल संकट, जनप्रतिनिधियों में भारी आक्रोश**

आरंग। राजधानी रायपुर से लगे आरंग के समीप ग्राम पंचायत भिलाई और ओड़का की सीमा पर मोदी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नामक एथेनॉल प्लांट विवादों में है। प्लांट की ओर से नियमों को ताक में रखकर काम करने का आरोप यहां के स्थानीय जनप्रतिनिधि लगा रहे हैं। प्लांट में अनेकों खामियां है, उसके बाद भी प्लांट का चालू होना समझ से परे हैं।

ताजा मामला ग्राम पंचायत भिलाई, ओड़का सहित आसपास के क्षेत्रों में जलसंकट का है। प्लांट को शुरू हुए लगभग 6 माह हो चुके हैं, उसके बाद भी प्लांट में पानी की उचित व्यवस्था नहीं है। जानकारों की माने तो ऐसे बड़े-बड़े कारखानों में पानी की सप्लाई नदी-नालों के माध्यम से की जाती है, लेकिन मोदी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से बोरवेल के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही है। यहां लगभग 8 से 10 बोरवेल है, जिससे लगातार पानी की आपूर्ति की जा रही है। प्लांट में पानी के लिए बोर मशीन से 800 से 900 फिट तक खुदाई हुई है। इन बोरवेल से 24 घंटे लगातार पानी निकाला जा रहा है, जिससे आसपास के क्षेत्र में जल संकट

गहराता जा रहा है। किसानों की रबी फसल को भी इससे भारी नुकसान हो रहा है। बढ़ते जलसंकट को देखते हुए क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच और ग्रामीणों ने जब प्लांट प्रबंधन को इससे अवगत कराने पहुंचे तो प्लांट में कोई भी जिम्मेदार अधिकारी उनसे मिलने नहीं आए। जनप्रतिनिधियों ने जब इसका विरोध किया तब एक कर्मचारी को उनसे बातचीत के लिए भेजा गया। काफी बहस और गहमागहमी से बाद जनप्रतिनिधियों ने पीएचई विभाग के एसडीओ दीपक कोहली के साथ प्लांट का निरीक्षण किया।

वहीं ग्राम पंचायत भिलाई के सरपंच जयनारायण साहू ने बताया कि प्लांट लगने के पहले किसी भी प्रकार की जनसुनवाई नहीं हुई, जबकि कही भी इस तरह बड़े उद्योग, कारखाना स्थापित की जाती है तो जिला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन की ओर से ग्राम पंचायतों में जनसुनवाई की जाती है।

रायपुर जिला पंचायत सदस्य रानी पटेल ने बताया कि इस संबंध में कई बार शिकायत किया गया, लेकिन मोदी बायोटेक प्रबंधन की मनमानी लगातार जारी है। यहां हुए बोरवेल के कारण आसपास के गावों में जल संकट गहरा गया है। यहां के खराब अपशिष्ट पदार्थ, निस्तारी नाले में बहाया जा रहा है, जिसके कारण पानी दूषित हो गया है और इसको पीने से जानवरों की मौत भी हो चुकी है। साथ ही पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से आरंग से नयापारा मुख्यमार्ग पर भारी वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वहीं जनपद सदस्य प्रतिनिधि रिंकू चंद्राकर ने मोदी बायोटेक प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने बताया कि प्लांट के लिए वैधानिक रूप से हड्डष्ट नहीं लिया गया है। प्लांट प्रबंधन ने गोलमोल तरीके से कोटवार की जमीन को रजिस्ट्री करवा लिया है। साथ ही शासकीय जमीन को भी कब्जा कर लिया गया है। जब भी यहां कोई ग्रामीण, किसान या जनप्रतिनिधि अपनी समस्या लेकर आता है तो उसे सुना नहीं जाता, उल्टा उनके साथ दुर्व्यहार किया जाता है, उनको धमकियां दी जाती है। वहीं इस पूरे मामले में मोदी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी प्रबंधन की ओर से अपना पक्ष रखने कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मीडिया के सामने नहीं आया।

21 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद खुला राम मंदिर

सुकमा। सुकमा के एक गांव में बने प्रभु राम के मंदिर को 21 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद खोला गया है। नक्सलवाद के गढ़ माने जाने वाले सुकमा के लखापाल और केरलापेंदा गांव के बीच जंगल में 1970 में बने मंदिर को नक्सलियों ने 2003 में बंद करा दिया था। दोनों गांव के लोग मांस-मदिरा का सेवन नहीं करते थे, जिसकी वजह से नक्सली नाराज हो गए और उन्होंने मंदिर को बंद करा दिया। राम मंदिर को सोमवार को सीआरपीएफ ने खुलवाया है। मंदिर में प्रभु राम, माता सीता व लक्ष्मण की संगमरमर की मूर्तियां हैं। लखापाल में सीआरपीएफ ने कैंप खोला था। इस दौरान जवानों ने मंदिर के बारे में पूछताछ की, तो पता चला कि यह ऐतिहासिक मंदिर है, यहां मेला भी लगता था। लेकिन, नक्सलियों ने इसे बंद करा दिया। सीआरपीएफ की 74वीं बटालियन के कैंप कमांडर हिमांशु पांडे ने बताया कि गांव में सीआरपीएफ कैंप लगने से ग्रामीण काफी उत्साहित हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट, दो जवान घायल

बीजापुर। पुलिस ने बताया कि बुधवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी बम में विस्फोट होने से स्पेशल टास्क फोर्स के दो जवान घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना गंगालूर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत इतवार गांव के जंगल में सुबह पांच से छह बजे के बीच हुई, जब सुरक्षाकर्मियों की एक टीम तलाशी अभियान पर निकली थी। जानकारी के मुताबिक, बीजापुर के गंगालूर थाना क्षेत्र के पीडिया के जंगल में सर्चिंग के दौरान नक्सलियों द्वारा प्लांट की गई प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से एसटीएफ के दो जवान आरक्षक शिवलाल मंडावी व आरक्षक मिथिलेश मरकाम घायल हो गए हैं। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जो खतरे से बाहर हैं।

महुआ बीनने गई महिला पर भालू ने किया हमला

कोरबा। कोरबा के कटघोरा वन मंडल में भालू के हमले में एक वृद्ध महिला की जान चली गई। घटना गोलबहरा गांव की है। बताया जा रहा है,कि 70 वर्षीय मंगली बाई महुआ बीनने जंगल गई हुई थी, तभी भालू ने उस पर हमला कर दिया। भालू के हमले में मंगली बाई गंभीर रुप से घायल हो गई। मंगली की चीख पुकार सुनकर दूसरी महिलाएं मौके पर पहुंची। जिसके बाद भालू को मौके से खदेड़ा गया और घटना की जानकारी डायल 112 को दी गई मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने मंगली को पसान के उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि तड़के सुबह 6:00 लगभग गांव के लोग जंगल में महुआ बिने गए हुए थे सभी अलग-अलग जगह पर महुआ का संग्रहण कर रहे थे। 70 वर्षीय मंगली भाई भी एक महुआ पेड़ के नीचे बैठकर महुआ बिन रही थी इस दौरान अचानक एक भालू से उसका सामना हो गया। वह कुछ समझ पाती या भागपाती वहां से भालू ने हमला कर दिया। महिला ने चीख पुकार मचाई उसके बाद आसपास महुआ बिन रहे लोग मौके पर पहुंचे।

पोटाश बम से मादा भालू का शिकार, नाखून ले उड़े शिकारी

गरियाबंद। जंगल में मादा भालू का शिकार करने का मामला सामने आया हैं। भालू का शव इंदागांव (धुरवागुडी) बफर परिक्षेत्र पहाड़ी के नीचे मिला है। पोटास बम फटने से भालू का जबड़ा फट गया है। आगे के दोनों पैरों के नाखून भी गायब है। इससे आशंका जताई जा रही है कि भालू के नाखुन और दांतों के लिए शिकारी ने पोटास बम से भालू का शिकार किया। गांव का चरवाया अपने गाय बकरियों को चराने जंगल गया हुआ था। इसी दौरान उसने भालू का क्षत विक्षत शव देखा। गांव जाकर जानकारी दी। जिसके बाद वन विभाग को इस बारे में बताया गया। भालू के शिकार की घटना के बारे में पता चलने पर टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। भालू का शिकार करने वाले शिकारियों को पकड़ने रायपुर जंगल सफारी और कांकेर की डॉग स्क्वॉयड की टीम जांच कर रही है। गरियाबंद सायबर सेल भी शिकारी का पता लगाने की कोशिश कर रही है। उप निदेशक वरुण जैन ने कहा चरवाहों के माध्यम से बंधवापारा बीट में भालू मृत अवस्था में मिला है।

सरगुजा में झूलेलाल जन्मोत्सव की धूम

सरगुजा। सिंधी समाज का सबसे बड़ा पर्व चेटीचंड मनाया जा रहा है। इस दिन को सिंधी समाज के लोग अपने ईष्ट देव झूलेलाल की जन्म जयंती के रूप में मनाते हैं। इस दिन सिंधी गुरूद्वारों में भगवान झूलेलाल की पूजा करते हैं। भोग प्रसाद का लंगर बांटा जाता है। इस दिन सुबह-सुबह अखंड दीप प्रज्वलित की जाती है। शाम को इस दीप के साथ शहर भ्रमण करते हुए नदी में इसका विसर्जन किया जाता है। सिंधी समाज के ईष्ट झूलेलाल हैं। सिंधी समाज के पूर्व युवा उपाध्यक्ष रिंकू मोटवानी ने बताया कि, झूलेलाल जी सिंधी समाज के ईष्ट देव हैं। वो जल के देवता, वरूण देव के अवतार हैं। जल में सम्पूर्ण शक्तियां समाहित है, इसलिए सिंधी समाज झूलेलाल जी की पूजा करता है। संवत 1077 को इनका जन्म चैत्र शुक्ल पक्ष की द्वितिया तिथि को हुआ था। तभी से इस दिन को सिंधी समाज के लोग धूमधाम से मनाते आ रहे हैं। इसी दिन को झूलेलाल जन्मोत्सव के तौर पर मनाया जाता है। चेटीचंड पर्व सिंधी समाज के लिए काफी खास होता है।

नवरात्रि पर मां महामाया मंदिर में जले 21 हजार ज्योति कलश

बिलासपुर। चैत्र नवरात्रि का बुधवार को दूसरा दिन था। बिलासपुर से 30 किलोमीटर दूर रतनपुर में मां महामाया विराजती हैं। चैत्र नवरात्र के अवसर पर मां महामाया के दरबार को सजाया गया है। मंदिर में देवी माता का राजसी श्रृंगार किया गया है। महामाया मंदिर में मंगलवार को 11:34 बजे से मांगलिक स्नान, द्वार पूजन, परिक्रमा, घट स्थापना, मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलन, श्री सप्तचंडी यज्ञ, श्रीमद् भागवत पाठ के साथ पर्व की शुरुआत की गई ।अंचल में सबसे ज्यादा भीड़ रतनपुर स्थित महामाया देवी मंदिर में देखने को मिल रही है। मां महामाया देवी के दर्शन के लिए छत्तीसगढ़ समेत अन्य जगहों से भी भक्त परिवार सहित रतनपुर पहुंच रहे हैं। हर साल नवरात्रि के नौ दिनों में लाखों श्रद्धालु देवी माता के दर्शन कर लेते हैं। महामाया देवी के दरबार में देश विदेश में रहने वाले भक्त मंदिर समिति से संपर्क कर ज्योति कलश की स्थापना करवाते हैं। इस बार महामाया मंदिर में भक्तों ने 21200 मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना की है।

नवनिर्मित 16 लाख मूल्य के स्वर्ग रथ का हुआ लोकार्पण

■ **डोंगरगढ़ वासियों को मिली सौगात, साक्षी बनी रायपुर से आई चार पीढ़ियां**

डोंगरगढ़। सभी धर्म , जाति, एवम पंथ जन के हितार्थ दोनो संस्थाओं के सयुक्त तत्वाधान में 16 लाख रुपये से नवनिर्मित स्वर्ग रथ का लोकापर्ण एवम् पूजन का कार्यक्रम हिन्दू नववर्ष गुड़ीपड़वा एंव नवरात्री के प्रथम दिवस माँ बमलेश्वरी के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। नीचे स्थित माता बमलेश्वरी के दरबार में पुजारी ने इस स्वर्ग रथ का विधि विधान से पूजन किया। इस अवसर पर संस्था के मुख्य संरक्षक और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री सियाराम अग्रवाल, संरक्षक महेंद्र सेक्सरिया एवं श्री जयदेव सिंघल, प्रांतीय अध्यक्ष श्री नेतराम अग्रवाल, प्रांतीय चेयरमैन डॉ अशोक अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल

राजू, श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष सुनील राम अवतार अग्रवाल, माता बमलेश्वरी ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन संस्था के महामंत्री मनोज अग्रवाल दुर्ग, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री राधेश्याम किरतुका, प्रांतीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र अग्रवाल ने केसरिया ध्वज फहराकर नारियल पधारकर स्वर्ग रथ का लोकार्पण किया।

इस शुभ अवसर के डोंगरगढ़ से माता बमलेश्वरी ट्रस्ट के मंत्री महेंद्र परिहार, उपाध्यक्ष अनिल गट्टानी, संजय गुमास्ता, बबलू शांडिल्य , सिद्ध गोपाल नरेड़ी, मनमोहन अग्रवाल, गणेश नरेड़ी, कन्हैया अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार गोपाल खेमका एवं प्रकाश नरेड़ी , लक्ष्मी नारायण अग्रवाल , जग्गू अग्रवाल , योगेश अग्रवाल, केशव नरेड़ी, रायपुर से संगठन के मंत्री अजय खेतान, मनोज अग्रवाल, अंकित अग्रवाल श्लोक अग्रवाल, बिलासपुर से एम्बुलेंस सेवा के प्रदेश संयोजक राजेंद्र अग्रवाल राजू के नेतृत्व में आई टीम के सुरेश सिंघल, सत्यनारायण अग्रवाल , आरके अग्रवाल इंजीनियर , दुर्ग भिलाई से विकास सिंघल, प्रांतीय युवा अध्यक्ष आशीष सेक्सरिया, पूर्व प्रांतीय युवा अध्यक्ष संजय गर्ग सहित अनेक पदाधिकारी गण और सदस्य गण उपस्थित रह, माता रानी के श्री चरणों में अपनी अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए इस अवसर के साक्षी बने।

इस अवसर की साक्षी बनी रायपुर से आई चार पीढ़ियां

माता रानी के दर्शन करने संस्था के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री सियाराम अग्रवाल अपनी चार पीढ़ियों के साथ वहां मौजूद रहे, पुत्र डॉ अशोक व मनोज , पौत्र अंकित व श्लोक अग्रवाल, प्रपौत्र अथर्व और अंजनेया, पुत्री शशि,नाती प्रभात,आदित्य सहित पूरा परिवार इस अवसर के साक्षी बने।

महादेव सट्टा केस में पुलिस को मिली सफलता

दुर्ग भिलाई। भिलाई के युवक को बिहार के पटना में कम्प्यूटर ऑपरेटर की नौकरी का झांसा देकर महादेव सट्टा ऐप में काम कराने की बात सामने आई थी। इससे जुड़ा एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें आरोपी एक युवक को पीटते दिखाई दे रहे थे। पुलिस को मारपीट करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। पुलिस आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई कर रही है। साथ ही अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

जामुल टीआई केशव राम कोशले ने बताया, घटना 3 दिसंबर 2023 की है। हाउसिंग बोर्ड निवासी केवल देवांगन की शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी थी। घटना में कांग्रेसी नेता विक्की शर्मा, उसका बेटा जय शर्मा समेत अन्य आरोपियों शामिल हैं। जिन्होंने कम्प्युटर ऑपरेटर की नौकरी लगाने का झांसा देकर एक युवक को पटना (बिहार) ले गए थे। उन्होंने युवक को 30 हजार रुपए प्रति माह और खाना-पीना, रहना अलग से मिलने की बात कही थी। पीड़ित जब वहां पहुंचा तो पता चला कि ऑनलाइन महादेव सट्टा ऐप

में काम कराया जा रहा है। उसने काम करने से मना कर दिया और मौका पाकर भागकर वापस भिलाई पहुंचा।

शिकायत में बताया गया है कि पटना से भागकर वापस आए भिलाई के युवक को सट्टा गैंग के विक्की शर्मा, जय शर्मा और बलवीर सिंह ने बंधक बना लिया और उसकी जमकर पिटाई की थी। मारपीट करने का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। घटना की शिकायत के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे। इस केस में आखिरकार तीन माह बाद पुलिस ने आरोपी विक्की शर्मा के बेटे आरोपी जय शर्मा को गिरफ्तार किया है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने ईद की मुबारकबाद दी

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने ईद उल फितर के अवसर पर प्रदेश वासियों सहित देश वासियों,विशेष कर मुस्लिम समुदाय को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने कहा कि ईद उल फितर पूरे देश में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह पवित्र अवसर हमें एक-दूसरे के साथ एकता, समरसता, और सहयोग का अनुभव कराता है। इस मुबारक मौके पर उन्होंने कहा कि यह ईद आप सबके जीवन में नई खुशहाली और सफलता लाए। इस अवसर पर हमें समरसता के संदेश को मजबूती से बढ़ाने का संकल्प करना चाहिए, जो राष्ट्र की समृद्धि और एकता के लिए महत्वपूर्ण है।

7 एकड़ में ही अवैध प्लाटिंग की तैयारी, चला बुलडोजर

दुर्ग। अवैध प्लाटिंग को लेकर जिला प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में 7 एकड़ में चल रहे अवैध प्लाटिंग की तैयारी में बुलडोजर से कार्रवाई की गई है। ये पूरी कार्रवाई दुर्ग में की गई है। दुर्ग के ग्राम कुरूद में चंदुलाल चंद्राकर मेमोरियल मेडिकल कॉलेज रोड के पास 7 एकड़ भूमि पर किए जा रहे अवैध प्लाटिंग पर निगम प्रशासन की टीम ने मार्ग संरचना को ध्वस्त कर दिया। जमीन को मूल स्वरूप प्रदान किया। निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर जोन-2 के राजस्व अमला व भवन शाखा की संयुक्त टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक ग्राम कुरूद में मेडिकल कॉलेज के पास 7 एकड़ भूमि पर अवैध प्लाटिंग के लिए बनाए गए मार्ग संरचना को निगम के बुलडोजर ने ध्वस्त कर दिया। वहीं गड़ाए गए पोल को उखाड़ा गया। निगम को शिकायत मिली थी कि मेडिकल कॉलेज के पास ग्राम कुरूद के 1 एकड़ व अन्य खसरा नंबर के 6 एकड़ लगानी भूमि में बिना अनुमति के प्लाटिंग किया जा रहा है। शिकायत पर आयुक्त ने भवन शाखा व जोन-2 को कार्रवाई के निर्देश दिए थे। संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और वहां मुरूम डालकर बनाए गए मार्ग संरचना व लगाए गए पोल को उखाड़ कर ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान जोन आयुक्त येशा लहरे, सहायक राजस्व अधिकारी जेपी तिवारी, भवन शाखा के उपअभियंता शहबाज अहमद, तोड़ फोड़ दस्ता के अधिकारी कर्मचारी शामिल थे। लोकसभा चुनाव के प्रभावशील आदर्श आचार संहिता की आड़ में कुछ लोग अवैध प्लाटिंग व कब्जे की कोशिश में जुटे हैं। इस पर निगरानी रख शक्ति से कार्रवाई के निर्देश आयुक्त ध्रुव ने अधिकारियों को दिए।

स्वदेशी खादी महोत्सव में उमड़ी जन सैलाब

रायपुर। 'स्वदेशी खादी महोत्सव में उमड़ी जन सैलाब, प्रदर्शनी समिति दिनों के लिए' छत्तीसगढ़ हाट पंडरी बाजार में इन दिनों स्वदेशी खादी महोत्सव का आयोजन किया गया है जिसमें देश के तकरीबन सभी राज्यों के बुनकरों की दस्तकारी हुई है। एक से बढ़कर एक नयाब कलेक्शन हथकरघा एवं हस्तशिल्प वस्तुओं का शहर वासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, प्रदर्शनी में मेरठ के खादी कुर्ते, लखनऊ चिकन, कश्मीरी साड़ी बनारसी साड़ी हैदराबाद कॉटन साड़ी जैसे विभिन्न उत्पादों के साथ-साथ भीषण गर्मी को देखते हुए सूती वस्त्रों की विशाल रेंज प्रदर्शनी संचालको द्वारा लाई गई है, जो शहर वासियों को काफी अपनी तरफ आकर्षित कर रहा है और सहरवासी इसका बढ़ चढ़कर लाभ ले रहे हैं ,'समर (गर्मी) की सूती बस्त्रो की जबरदस्त खरीदारी का एक मात्र स्थान स्वदेशी खादी महोत्सव' चुकी घर बैठे सभी राज्यों की वस्तुओं को काफी किफायती दामों पर एक ही छत के नीचे प्राप्त कर लेना वाकई शाहरवासियों के लिए एक का अनोखा अनुभव है प्रदर्शनी में सभी स्थानों पर क्रेडिट और डेबिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध है हथकरघा वस्तुओं पर 10 प्रतिशत तथा हस्तशिल्प वस्तुओं पर 20 प्रतिशत तक की विशेष छूट संस्था द्वारा दी जा रही है। संचालक अनुराग मिश्रा ने सहरवासियों से अपील किया है कि अधिक से अधिक संख्या में आए और इस छूट का लाभ उठाएं प्रदर्शनी का समय सुबह 10:00 बजे से लेकर के रात्रि के 10:00 बजे तक है। यह प्रदर्शनी 15 अप्रैल तक रहेगी।

लखमा के विवादित बयान से राजनीतिक सरगर्मी तेज

बीजापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के विवादास्पद बयान के बाद बस्तर लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा का यह दूसरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कवासी लखमा ग्रामीणों को क्षेत्रीय बोली गोंडी में कहते दिख रहे हैं कि कवासी लखमा जीतोड़, नरेंद्र मोदी ढोलतोर। यानी कवासी लखमा जीतेगा और नरेंद्र मोदी मरेगा, खेल खत्म, राम-राम। लखमा के इन विवादित बयानों से राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई हैं।

इस बयान पर भाजपा के मंत्री केदार कश्यप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कवासी लखमा को छत्तीसगढ़ का राहुल गांधी बताया है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि मोदी जी पर कांग्रेसियों का प्रहार करना और जनता का मोदी पर सत्कार करना बढ़ता रहेगा। कांग्रेसियों को समझ आ गया है कि कांग्रेस पार्टी मरणासन्न अवस्था पर है, 4 जून को कांग्रेस पार्टी का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कवासी लखमा चुनाव प्रचार के लिए बीजापुर जिले के कुटरू गए थे। दिनभर प्रचार के बाद वे शाम को जिला मुख्यालय लौट रहे थे। इसी बीच नैमेड गांव में उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत करने चौपाल लगाई थी। कवासी लखमा ग्रामीणों को बता रहे थे कि, ईव्हीएम मशीन में उन्हें किस तरह से वोट देना है। पहले चुलबुले अंदाज और फिर गोंडी बोली में कहा कि कवासी लखमा जीतोड़, नरेंद्र मोदी ढोलतोर, खेल खत्म राम-राम। वहां मौजूद लोगों ने लखमा के इस बयान का वीडियो बना लिया। जिसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इससे पहले भी वे अपने बयान को लेकर सुर्खियों में रह चुके हैं। कवासी लखमा का एक और वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें वे कुटरू में ही ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहते दिख रहे थे कि, टीन खदान से पुलिस को तीर-धनुष मारकर भगाओ।

भाजपा ने की चुनाव आयोग से शिकायत

भाजपा ने पूर्व मंत्री और वर्तमान बस्तर कांग्रेस के प्रत्याशी कवासी लखमा पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया है। इसको लेकर भाजपा संगठन के लोग आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय पहुंचे और

कवासी लखमा के खिलाफ शिकायत किए हैं। भाजपा के संगठन महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि लगातार कांग्रेस हार के बौखलाहट में विकृत मानसिकता वाले बयान दे रही है, जो हेट स्पीच के अंतर्गत आता है। पहले नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत प्रधानमंत्री को लेकर विवादित बयान दिए, जो उनके गरिमा के अनुरूप नहीं करता है, अब बस्तर के कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने जो बयान दिया है, उसके खिलाफ आज शिकायत की गई है। संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कवासी लखमा ने स्थानीय भाषा में जो कहा उसका अर्थ होता है कवासी जीतेगा नरेंद्र मोदी मरेगा, इस तरह प्रधानमंत्री के लिए अनुचित शब्दों का प्रयोग किया गया है, हिंसा बढ़ाने के लिए कोशिश की जा रही है। कवासी लखमा ने एक स्थानीय कार्यकर्ताओं और जनता से कहा कि पुलिस को तीर धनुष से मारने के लिए हिंसा करने के लिए प्रेरित किया गया है, जिसके खिलाफ आज शिकायत की गई है और एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है।

भाजपा संगठन महामंत्री ने कहा कि हम लोगों ने मांग की है कि ऐसा हिंसा भड़काने की बात करने वाले, बार-बार आचार संहिता के उल्लंघन करने वाले प्रत्याशी को चुनाव लड़ने नहीं दिया जाए। कवासी लखमा की ओर से चुनाव प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, जिस पर रोक लगाया जाए, जिससे निष्पक्ष चुनाव हो सके। उन्होंने बताया कि इन्ही मांगों को लेकर आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया है और तत्काल कार्रवाई करने की मांग की गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से आश्वास्त किया गया है कि कार्रवाई की जाएगी।

भूपेश और कांग्रेस नेता कहते हैं- भ्रष्टाचारी बचाओ; भाजपा कहती है- भ्रष्टाचार मिटाओ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव दौरान कांग्रेस-बीजेपी के नेता एक-दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। वहीं भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल और कांग्रेस पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जब-जब भ्रष्टाचार पर संलिप्त लोगों पर केंद्रीय जांच एजेंसियों ने कार्रवाई की है, तब भूपेश बघेल और कांग्रेस को इससे बेहद दर्द होने लगता है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि क्योंकि भ्रष्टाचार के इन मामलों में उनकी कहीं-न-कहीं संलिप्तता है। भाजपा महामंत्री ने कहा कि अब तक कांग्रेस के सत्ताधीशों और नेताओं ने उन लोगों की गिरफ्तारी पर खूब शोर मचाया, जिन लोगों ने जनता का धन लूटा, जनता का हक मारा, छत्तीसगढ़ की सम्पदा लूटी। ऐसे लोगों की गिरफ्तारी पर चिल्लाहट मचाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तो इन आरोपियों को निर्दोष बताकर क्लीन चिट तक दे दी थी।

उन्होंने कहा कि भूपेश सरकार के खिलाफ जितने भी मामले हैं, उनमें किसी भी आरोपित को जमानत तक सुप्रीम कोर्ट से भी नहीं मिल पा रही है। इन मामलों का 'पॉलिटिकल मास्टर' कौन है, अब यह सबको पता चल गया है। संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भूपेश बघेल के कई साथी ज्योत्स्ना महंत, जयसिंह अग्रवाल और मोहन मरकाम आदि ने तो अनेक मौकों पर यह कहा है कि कांग्रेस की प्रदेश सरकार में भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला ने कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस शासनकाल में हुए भ्रष्टाचार के कई राज खोले हैं और कांग्रेस की सरकार को गोबर चोर तक बताया है। इतना ही नहीं, पूर्व प्रभारी महामंत्री अरुण सिसौदिया ने तो भूपेश बघेल और उनके सलाहकार पर कांग्रेस पार्टी फंड के 5.89 करोड़ रुपए का गबन करने तक का आरोप लगाया।

बीजेपी प्रत्याशी भोजराज नाग की मां नूतन नाग चुनाव प्रचार में जुटीं

कांकेर। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक पार्टियां जोर शोर के साथ प्रचार में जुटी हुई है। कांकेर लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी ने इस बार बैगा के नाम से विख्यात भोजराज नाग को प्रत्याशी बनाया है। भोजराज नाग के साथ साथ उनकी 80 साल की बुजुर्ग माता भी अपने बेटे के लिए प्रचार कर रही हैं।

भोजराज नाग की 80 वर्षीय माता नूतन बाई भी अपने बेटे के लिए चुनाव प्रचार और जनसंपर्क अभियान में हिस्सा ले रही है। बुजुर्ग माता नूतन बाई भी काफी उम्र दराज होने के बावजूद अपने बेटे भोजराज के लिए आशीर्वाद मांगने निकल रही है। अपनी महिला टोली के साथ निकल कर लोगों के बीच नूतन बाई जाती हैं। इस बारे में जानकारी ली गई तो पता चला वे रोज एक नई ऊर्जा के साथ वोट मांगने निकलती है।

हिंदू नव वर्ष के अवसर पर उन्होंने प्रचार के पॉम्पलेट सबसे पहले अपने इष्टदेव को पूजा कर चढ़ाया। अपने रिश्तेदारों को पॉम्प्लेट देकर उनसे आशीर्वाद लिया। वहीं

गांव की शीतला माता मंदिर में भी पुत्र के लिए जीत की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा, हम पूजा अर्चना कर लोगों के बीच जाकर उनका साथ मांग रहे हैं।

भोजराज नाग का पैतृक गांव हिमोड़ा है, जो अंतागढ़ ब्लॉक में आता है। भोजराज नाग 2014 में अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक भी रह चुके हैं। क्षेत्र में उनकी एक अलग ही पहचान है। बीजेपी प्रत्याशी बनाए जाने से पहले जनजातीय सुरक्षा मंच के प्रांतीय संयोजक भी रह चुके हैं। वह बस्तर की संस्कृति और जनजातीय उत्थान के लिए सक्रियता से काम करते रहे हैं।

भाजपा के पूर्व केंद्रीय मंत्री की नातिन कांग्रेस के साथ

■ **कहा- लोगों के आंखों पर लगा चश्मा उतारना है**

सरगुजा। लोकसभा चुनाव से पहले सरगुजा में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। सरगुजा में भाजपा और जनसंघ की नींव माने जाने वाले पूर्व सांसद काका लरंग साय की नातिन हेमा सिंह ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली है। पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव की मौजूदगी में आयोजित संवाद शिविर में हेमा सिंह ने कांग्रेस ज्वाइन किया है। काका लरंग साय भाजपा के टिकट से सरगुजा के सांसद, विधायक व केंद्रीय श्रम मंत्री रह चुके हैं। उनकी नातिन हेमा सिंह पुलिस विभाग व शिक्षा विभाग में सेवा में सेवा दे चुकी है, लेकिन उन्होंने दोनो ही नौकरियां छोड़ दी थी और 8 वर्ष तक दिल्ली में रहीं। कांग्रेस की सदस्यता लेने के बाद हेमा सिंह ने मीडिया से बात की।

हेमा सिंह ने बताया कि इस समय देश की हालत ठीक नहीं हैं। संवैधानिक तौर पर बीजेपी जिस रास्ते में बीजेपी को ले जा रही है वह हमारे देश के लिए काफी खतरनाक

हैं। लोकतंत्र अगर खत्म हो गया तो ना सिर्फ ट्राईबल कम्यूनिटी, एसटी एससी, ओबीसी हर कम्यूनिटी खतरे में हैं। देश में तानाशाही आ जाएगी। जो हम सब के लिए काफी खतरनाक होगा। हम सबके लिए मुश्किल खड़ी हो जाएगी। हमारे बच्चों का फ्यूचर खतरे में पड़ जायेगा। भारत में मध्यम वर्ग की आबादी ज्यादा है। मध्यम वर्ग के लिये नौकरी बहुत बड़ी चीज होती है। इसलिये मुझे लगता है कि आम आदमी के तहत मुझे इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिये, बोलना चाहिये।

मैं हमेशा से स्वतंत्र रहना पसंद करती हूं। मैंने बहुत बड़े बड़े डिसीजन अपनी लाइफ में लिए हैं। किसी की बातों में आने से ज्यादा प्रैक्टिकल रहना पसंद करती हूं। इसलिए मैं दिल्ली में लंबे समय तक रही। दिल्ली में रहकर मैंने बहुत सी चीजों को बारीकी से देखा है। मैं पुलिस विभाग में रही, एजुकेशन डिपार्टमेंट में भी रही दिल्ली में 8 साल तक रही। नौकरी छोड़ना पड़ा। क्योंकि यहां का जो सिस्टम है वो बहुत ही खराब है। स्कूल की हालत देखिये, कहीं पर 3 टीचर हैं कहीं 2 टीचर हैं। नौकरी मेरे लिये भी जरूरी थी, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी है की स्कूल में, पुलिस डिपार्टमेंट में जो लोग प्रॉब्लम को फेस कर रहे हैं उसका सॉल्यूशन न क्या है। ये जानना मेरे लिये ज्यादा जरूरी था, क्योंकि जब मैं स्कूल में थी तो 2-3 टीचर 5 कक्षा को संभालते थे, ये कैसे संभव हैं। इस प्रचार में मेरा यही रोल होगा कि लोगों की नजरों पर चढ़ा चश्मा उतारना पड़ेगा। लोग समझ नहीं रहे हैं कि उनके साथ क्या हो रहा है। इंडियन पीपल्स बहुत इमोशनल होते हैं। हमे सबसे ज्यादा अटैक धर्म के नाम पर किया जाता हैं। इंडिया ही नहीं वर्ल्ड में धर्म को बड़ा हथियार बनाकर हमारे खिलाफ यूज किया जा रहा है।

पंडरिया के लोगों ने दी लोकसभा चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

■ **रोड नहीं तो वोट नहीं, इलेक्शन के बाद भूल जाते हैं नेता**

कवर्धा। रोड नहीं तो वोट नहीं के नारों के साथ पंडरिया विधानसभा के सैकड़ों ग्रामीण कवर्धा कलेक्ट्रेट पहुंचे और लोकसभा चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दी। ग्रामीणों ने कहा कि रोड नहीं होने के कारण बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। किसी के बीमार होने पर मरीज को अस्पताल ले जाने में काफी परेशानी होती है।

कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखण्ड क्षेत्र ग्राम पंचायत पालवे अंतर्गत चार गांव बांधी, पालवी, अमलीडीह, कौडिया आते हैं। इस गांव में लगभग पांच सौ से अधिक परिवार रहते हैं। गांव वालों का आरोप है कि गांवों को आपस में जोड़ने वाली व गांव को मुख्य मार्ग तक जोड़ने वाली सड़क अब तक नहीं बनी है। जो मुरुम वाली सड़क बनी है वह भी अधूरी पड़ी हैं।

गांव के लोगों को एक गांव से दूसरे गांव जाने या शहर जाने के लिए ऊबड़ खाबड़ रोड का ही सहारा लेना पड़ता है। बारिश के दिनों में परेशानी और बढ़ जाती है।

ग्रामीण बलराम चंद्राकर ने कहा 30 साल पहले सड़क बनी थी, उसके बाद से दोबारा कभी सड़क नहीं बनी है। बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। एंबुलेंस गांव नहीं आ पाती। रोड नहीं बनेगी तो वोट नहीं देंगे। आचार संहिता के कारण अगर अभी रोड नहीं बनेगी तो लिखित में दें तभी मानेंगे।

ग्रामीण छोटू राम चंद्राकर ने कहा रोड नहीं आने से बहुत परेशानी है। बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है। स्कूल वाले कहते हैं कि बस गांव तक नहीं पहुंच सकती।

इधर प्रशासन ने एक बार रटा रटाया जवाब देते हुए सरकार तक नाराज गांव वालों की बात पहुंचाने की बात कही और मामले से पल्ला झाड़ लिया।

संयुक्त कलेक्टर आकांक्षा नायक ने कहा ग्राम पालवे के ग्रामीण ड़क निर्माण की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपे हैं। उनकी मांग शासन स्तर पर भेज दी गई है। आदेश के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने ये भी आरोप लगाया कि कई बार प्रशासन, विधायक, सांसद को सड़क निर्माण के लिए मांग कर चुके हैं लेकिन नेता सिर्फ वोट मांगने गांव आते हैं। उसके बाद कोई नजर नहीं आता। इस वजह से गांव वाले इस बार आर पार के मूड़ में हैं। रोड नहीं बनाने पर गांव के लोग वोट नहीं देंगे।

रिटायर्ड शिक्षक दंपती ने देहदान करने का लिया फैसला

सूरजपुर। शिक्षा का महत्व जीवन में अमूल्य है, जीवित रहते हुए शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सुभाष पांडे का शिक्षा के प्रति ऐसा अदभुत प्रेम है कि मृत्यु के बाद अपने शरीर को शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित कर देने का फैसला लिया है। सूरजपुर के सेवानिवृत शिक्षक ने अपने 40 वर्ष शिक्षा क्षेत्र को दिए और अब वह और उनकी धर्म पत्नी ने मेडिकल कॉलेज के छात्रों के लिए देह दान करने का निर्णय लिया है।

सूरजपुर के पचिरा गांव में रहने वाले रिटायर शिक्षक सुभाष चंद्र पांडे और उनकी धर्म पत्नी ज्ञानवंती पांडे ने मृत्य के बाद देहदान करने का फैसला कर समाज को प्रेरणा देने का काम किया है। शिक्षक सुभाष चंद्र पाण्डेय को बचपन से ही शिक्षा प्राप्त करने को लेकर काफी लगन रहा और शिक्षा प्राप्त करके सन् 1984 से 40 वर्ष तक शिक्षक के तौर पर शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देते हुए जनवरी 2024 में वह रिटायर हुए। वहीं 40 वर्ष में विभिन्न स्कूलों में कई पदों पर रहते हुए एक दिन का भी छुट्टी नही लिया और पूरी ईमानदारी के साथ छात्रों को शिक्षा देते रहे। वहीं 40 वर्ष शिक्षा के क्षेत्र को देने के बाद भी शिक्षा प्रति उनका ऐसा समर्पण की रिटायर होने के बाद कई रातों तक सो नहीं सके और उनके मन

में बस बच्चों के भविष्य की चिंता रहती थी। शिक्षा के साथ समाज के प्रति भी उनका एक अलग ही सोच है, जिसके लिए उन्होंने अपने मरने के बाद भी उनका शरीर शिक्षा के क्षेत्र में काम आए इसलिए उन्होंने मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर को देहदान करने का फैसला लिया।

वहीं शिक्षक सुभाष चंद्र पांडे ने तो बहुत पहले से ही देहदान का मन बना लिया था पर उनकी पत्नि पहले सहमत नहीं थीए लेकिन पति के शिक्षा के प्रति अदभुत प्रेम को देख कर और शिक्षा के प्रति उनके विचारों को समझा और पत्नि ज्ञानवंती पाण्डेय के भी सोच में अचानक परिवर्तन आया और रिटायर होने के बाद पति को उनके देह दान के फैसले को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही खुद भी पति के साथ देहदान करने का फैसला कर लिया।

संवेदनशील पोलिंग बूथ में थ्री लेयर सुरक्षा, एयरलिफ्ट किए जाएंगे मतदान कर्मी

जगदलपुर। बस्तर लोकसभा सीट के लिए 19 अप्रैल को मतदान होंगे। मतदान से पहले राज्य निर्वाचन आयोग शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराने की तैयारियों में जुटा है। निर्वाचन आयोग के अधिकारी ईवीएम की चेकिंग में जुटे हैं।सुरक्षा के लिहाज से नक्सल प्रभावित अतिसंवेदनशील इलाकों में पुलिस और मतदान दल को हेलीकॉप्टर से भेजने की तैयारी की जा रही है।

आपको बता दें कि बस्तर संभाग के कई ऐसे मतदान केंद्र हैं, जहां नदी नालों को पार करके मतदान कर्मियों को पहुंचाया जाता है। ऐसी स्थिति में सुरक्षाबल के जवानों और निर्वाचन शाखा ने मिलकर मतदान कर्मियों को सुरक्षित पोलिंग बूथ तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। इसके लिए दुर्गम जगहों में हेलीकॉप्टर का सहारा लिया जाएगा ताकि किसी प्रकार की कोई अनहोनी मतदान कर्मियों के साथ ना हो। नक्सली हमेशा से ही चुनाव का बहिष्कार करते आए हैं।मतदान के बाद नक्सली ईवीएम,वीवीपैट समेत दूसरे सामानों को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए इस बार एक लाख से ज्यादा सुरक्षा जवानों को बस्तर में तैनात किया गया है।अति संवेदनशील जगहों के मतदान केंद्रों की सुरक्षा थ्री लेयर में बनाई गई है। यही वजह है कि मतदान कर्मियों को हेलीकॉप्टर के

माध्यम से मतदान केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। इसके बाद वापस हेलीकॉप्टर के माध्यम से मुख्यालय लाया जाएगा।

आईजी सुंदरराज पी ने कहा पहले भी लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में भी मतदान कर्मियों को संवेदनशील इलाकों में एयरलिफ्ट किया गया था। इसी प्रकार लोकसभा चुनाव में भी सुरक्षा के लिहाज से मतदानकर्मियों को बेस कैम्प तक हेलीकॉप्टर की मदद से पहुंचाया जाएगा। इसकी तैयारी पूरे संसदीय क्षेत्र में की जा रही है। मतदान केंद्रों को संगवारी मतदान केंद्र, संवेदनशील मतदान केंद्र और अति संवेदनशील मतदान केंद्र के रूप में चिन्हित किया गया है। जहां-जहां आवश्यकता होगी, उन मतदान केंद्रों की सुरक्षा 3 लेयर्स में की जाएगी। सुरक्षा के लिए बस्तर में पहले से स्पेशल पर्याप्त सुरक्षाबल के जवान तैनात हैं। इसके अलावा सामान्य मतदान केंद्रों में भी जवानों की तैनाती होगी ताकि सुरक्षित तरीके से मतदान की प्रकिया को सम्पन्न कराया जा सके।

बस्तर संभाग के अतिसंवेदनशील इलाकों में किसी भी तरह की नक्सली वारदात को रोकने लिए थ्री लेयर सुरक्षा प्लान बना है। अतिसंवेदनशील इलाकों में ड्रोन के जरिए निगरानी रखी जा रही है।अंदरुनी इलाकों में फोर्स की तैनाती के साथ नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र और पुलिस थानों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। मतदान से पहले पुलिस और सुरक्षा जवानों ने गश्ती बढ़ाई है। जिले में लगभग 8000 से ज्यादा पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की ड्यूटी लगी है। दंतेवाड़ा में भी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जा रही है। जिले के सरहदी इलाकों में चुनाव संबंधी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। 25 सीआरपीएफ की कंपनियां बस्तर में तैनात की गई है। इसके अलावा जिले में पहले से तैनात सीआरपीएफ की 20 कंपनियों को चुनाव कार्य के लिए दंतेवाड़ा पुलिस को सौंपा गया है। सीएएफ की 23 कंपनियों को भी जिले के मतदान केन्द्रों और आरओपी ड्यूटी के लिए तैनात किया जा रहा है।इसके अलावा बस्तर फाइटर्स और डीआरजी के भी जवान सुरक्षा में लगे रहेंगे।

आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग नक्सल प्रभावित अति संवेदनशील क्षेत्र है। यहां नक्सली अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हैं। बस्तर संभाग में लोकसभा की 2 सीटें आती है। जिसमें बस्तर लोकसभा सीट के लिए पर पहले चरण के मतदान 19 अप्रैल को होगा। वहीं दूसरे चरण के तहत 26 अप्रैल को कांकेर लोकसभा क्षेत्र में मतदान संपन्न होंगे। लिहाजा नक्सली हमेशा की तरह चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर सकते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए ही केंद्रीय चुनाव आयोग ने अतिरिक्त पुलिस फोर्स को बस्तर में तैनात किया है।

बस्तर लोकसभा सीट से 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। इसमें कांग्रेस से कवासी लखमा, बीजेपी से महेश राम कश्यप, हमर राज पार्टी से नरेंद्र बुरका, राष्ट्रीय जनसभा पार्टी से कवलसिंह बघेल, बहुजन समाज पार्टी से आयतुराम मंडावी चुनावी ताल ठोकेंगे। वहीं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से फूलसिंह कचलाम, सर्व आदि दल से शिवराम नाग के अलावा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से टीकम नागवंशी, आजाद जनता पार्टी से जगदीश प्रसाद नाग और स्वतंत्र दल से प्रकाश कुमार गोटा, निर्दलीय प्रत्याशी सुंदर बघेल ने बस्तर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

ऑनलाइन मंगाया कटर दुकान का तोड़ा ताला

रायपुर। राजधानी रायपुर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ते जा रही है। चोर सुने मकानों पर धावा बोल रहे हैं। ऐसे एक घटना गंज थाना क्षेत्र में देखने को मिला है। आरोपी चोरी करने के लिए कटर समेत अन्य सामान को ऑनलाइन खरीदा था। इसके बाद उसने मोबाइल दुकान को निशाना बनाया। शातिर चोर कटर मशीन के मदद से मोबाइल दुकान का ताला काटकर लाखों रुपये के मोबाइल चोरी कर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 29 नग मोबाइल जब्त किया है।

दुकान मालिक हरीश श्रीवास ने थाना गंज में रिपोर्ट दर्ज कराया। उसने बताया कि उसका देवेन्द्र नगर चौक में श्रीवास ब्रदर्स के नाम से मोबाईल दुकान है। बीते तीन अप्रैल को रात में दुकान बंद कर ताला लगाकर अपने घर चला गया था। चार अप्रैल को दुकान खोलने पहुंचा तो दुकान का ताला टुटा हुआ था। साथ ही दुकान में रखें विभिन्न कंपनियों के मोबाइल गायब था। उसने अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। इस पर गंज थाना पुलिस ने घटना के संबंध में प्रार्थी समेत आस-पास के लोगों से पूछताछ की। इस दौरान पुलिस ने आरोपी युवक की पतासाजी के लिए मुखबिर भी लगाए साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले। इस दौरान मुखबिर से सुचना मिली कि एक व्यक्ति नया मोबाइल फोन सस्ते दाम में बेच रहा है। साथ ही ग्राहक की तलाश कर रहा है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मुखबिर के बताए हुलिए की पहचान कर आरोपी युवक को धरदबोचा।

सुपरपॉवर एजेंसी बनकर ईडी आई

अभिनय आकाश

एक जमाना था जब लोग सीबीआई का नाम सुनते ही डर जाते थे। वक्त बदला और इन दिनों लोगों को दंबग फिल्म के चर्चित डॉयलाग थप्पड़ से डर नहीं लगता की माफिक प्यार से नहीं लेकिन ईडी से जरूर डर लगने लगा है। वादों के भरोसे मतदान करने वाले भारतीय मतदाताओं के लिए लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस घोषणापत्र लेकर आई। न्याय पत्र के नाम से जारी किए गए अपने घोषणापत्र में देश की सबसे पुरानी पार्टी ने कहा कि तो वह कानूनों को हथियार की तरह प्रयोग करने, मनमाने ढंग से तलाशी, जब्ती और कुर्की, मनमानी गिरफ्तारियों को समाप्त करेगी और वादा किया कि जमानत पर एक कानून बनाया जाएगा जो इस सिद्धांत को शामिल करेगा कि जमानत नियम है, जेल अपवाद है। संविधान की रक्षा खंड में लोकतंत्र को बचाना, डर को दूर करना, स्वतंत्रता बहाल करना अध्याय में शामिल इस वादे को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाइयों और मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम के परोक्ष संदर्भ के रूप में देखा जा सकता है। अधिनियम (पीएमएलए), 2002, वह कानून जो ईडी को भ्रष्टाचार के आरोपी राजनेताओं के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का अधिकार देता है। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी सीपीआई (एम) ने जारी अपने घोषणापत्र में कहा था कि वह यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम) और पीएमएलए जैसे सभी कठोर कानूनों को खत्म करने के पक्ष में है। दरअसल, पीएमएलए के कुछ सबसे कड़े प्रावधान अब विपक्षी नेताओं को नाराज कर रहे हैं क्योंकि उनका उपयोग बिना मुकदमे के राजनेताओं की लंबी कैद सुनिश्चित करने के लिए किए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। लेकिन ये कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए शासन के दौरान क़ानून में शामिल किए गए थे। 2014 के बाद से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने भी पीएमएलए में वृद्धिशील लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। पीएमएलए में जमानत, कानून का पूर्वव्यापी आवेदन, ईडी को दी जाने वाली व्यापक पुलिस शक्तियां शामिल हैं और जिस तरह से इसके प्रावधानों को लागू किया जाता है, उसे 2021 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूरी तरह से बरकरार रखा गया था। 27 जुलाई, 2022 को न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर (अब सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने पीएमएलए की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था। इसे 200 से अधिक व्यक्तिगत याचिकाओं के एक बैच में चुनौती दी गई थी। पहली चुनौती वैकल्पिक आपराधिक कानून प्रणाली के खिलाफ थी जिसे पीएमएलए बनाता है क्योंकि ईडी को आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के दायरे से बाहर रखा गया है। ईडी को %पुलिस% नहीं माना जाता है और इसलिए वह तलाशी, जब्ती, गिरफ्तारी और संपत्तियों की कुर्की के लिए सीआरपीसी के प्रावधानों का पालन नहीं करता है। ईडी एक पुलिस एजेंसी नहीं है, इसलिए किसी आरोपी द्वारा ईडी को दिए गए बयान अदालत में स्वीकार्य हैं। विजय मदनलाल चौधरी एवं अन्य बनाम भारत संघ मामले में फैसले ने ईडी की इन व्यापक शक्तियों को बरकरार रखा। हालाँकि, संसद ने वित्त अधिनियम, 2018 के माध्यम से पीएमएलए में संशोधन करके उन्हें वापस डाल दिया। इसे 2021 के फैसले द्वारा बरकरार रखा गया था। 2021 के फैसले के कुछ हिस्से ईडी आरोपी को ईसीआईआर (एक आपराधिक मामले में एफआईआर के समान) का खुलासा करने के लिए बाध्य नहीं है। समीक्षाधीन है, यह फैसला अब देश का कानून है, क्योंकि वहाँ है फैसले पर अमल पर कोई रोक नहीं।

राजनीतिक आत्मा का प्रत्यारोपण

अजय बोकिल

इस देश में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के चलते नेताओं का दल बदलना और युद्ध के दौरान ही घोड़ा बदलना कोई नई बात नहीं है, लेकिन चलते चुनाव में एक पार्टी प्रवक्ता का अचानक घोर विरोधी पार्टी का दामन थाम कर उसका स्तुतिगान शुरू कर देना, जरा नया ट्रेंड है। ट्रेंड क्या बल्कि यूं कहें कि नैतिक पतन की पराकाष्ठा है। कुछ घंटों पहले तक आप जिस पार्टी को दुनिया की सबसे घटिया और अनैतिक पार्टी बताते रहे, दिल बदलते ही उसे विश्व की सर्वश्रेष्ठ और नीतिवान पार्टी बताने सकने के लिए जिगर के साथ-साथ आत्मा को भी ट्रांसप्लांट करने की हिम्मत चाहिए। हाल में कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता और अर्थशास्त्री गौरव वल्लभ ने जिस तरह अपनी पार्टी को बीच मझधार धता बताकर विपक्षी भाजपा के डेरे में प्रभु गुण गान शुरू किया, उससे कांग्रेस की लाचारी तो उजागर हुई ही, साथ में यह भी साबित हुआ कि दुनिया में हर पेशे की अपनी नैतिकता और लक्ष्मण रेखाएं होती है, सिवाय पार्टी के अधिकृत प्रवक्ता के।

दरअसल, पार्टी प्रवक्ता ऐसा पद है, जो किसी राजनीतिक दल द्वारा अपने कार्यकर्ता को उसकी तर्क-वितर्क शक्ति, खंडन- मंडन करने की काबिलियत, भाषा पर अधिकार और बेशरमी की हद तक कुतर्क करने की क्षमता के आधार पर दिया जाता है। प्रवक्ता के निजी विचार जो भी हों, लेकिन उसे अपनी ही पार्टी और उसके नेताओं की हर मूर्खता को भी महिमा मंडित करने और विरोधी पार्टी की जायज बात को भी 'राजनीति से प्रेरित' बताकर खारिज करने की प्रतिभा किसी को पार्टी प्रवक्ता बना सकती हैं। हकीकत में वो एक कठपुतली होता है, जिसके 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' होने का मुगालता खुद उसे और जनता को होने लगता है। वो सुबह जो बात कह रहे होते हैं, शाम तक उस पर यू टर्न लेने में संकोच नहीं करते। आम तौर पर पार्टी प्रवक्ता आदर्श चुनाव आचार संहिता से बंधे होते हैं, लेकिन उनकी स्वयं की कोई आचार संहिता अथवा नीति निष्ठा नहीं होती। अमूमन माना जाता है कि पार्टी प्रवक्ता सम्बन्धित पार्टी की विचारधारा, रणनीति, कार्यशैली और अनुशासन के मीडिया पैरोकार होते हैं। माना जाता है कि प्रवक्ता जो कहता है, वो किसी भी मुद्दे पर पार्टी की अधिकृत लाइन होती है, जो दल के शीर्ष नेतृत्व की सोच और रणनीतिक समझ से तय होती है। इस अर्थ में पार्टी प्रवक्ता राजनीतिक ध्वज वाहक होता है, लेकिन तभी तक जब तक कि वह फलां दल में है। पार्टी बदलते ही जबान फेरने में वह वक्त जाया नहीं करता।

इसका एक रोचक उदाहरण प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी का है। वो जब तक कांग्रेस की प्रवक्ता थीं, तब तक शिवसेना पर हमलावर थी। लेकिन जैसे उनके गृह राज्य महाराष्ट्र में शिवसेना गठबंधन के साथ सत्ता में आई, वो रातो रात शिवसेना (उद्धव) की खैरख्वाह बन गईं। मध्यप्रदेश में भी पूर्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक प्रवक्ता महाराज के पाला बदलते ही कांग्रेसियों के जानी दुश्मन बन गए। वैसे भी इन दिनों भाजपा में आने वालो की संख्या, भाजपा छोड़कर जाने वालों की संख्या की तुलना में बहुत कम है, क्योंकि सत्ता का फेविकोल यहां ज्यादा मजबूत है। इस मायने में प्रवक्ताओं का शब्दकोश सामान्य शब्द कोशों से अलग अर्थ रखता है। प्रवक्ताओं के शब्दकोश में राजनीतिक मौका परस्ती को आस्था परिवर्तन कहा जाता है। मुखौटे बदलने में ये किसी भी राजनीतिक कार्यकर्ता के लिए आइकन हो सकते हैं। दरअसल सत्ताकांक्षा से उपजी बेचैनी उन्हें दलबदल और नए घर की पहरेदारी पर विवश करती है। राजनीतिक निर्गुणिया से सियासी सगुणिया होने का यह अद्भुत चमत्कार है। यानी जिस पार्टी में वो बरसो भजन करते रहे, वह अचानक उन्हें नास्तिक लगने लगती है।

तो क्या पार्टी प्रवक्ता होने की कोई मर्यादा या मापदंड नहीं हैं? देश के जाने माने प्रबंधन विशेषज्ञ हेमंत गवले ने किसी राजनीतिक पार्टी प्रवक्ता के कुछ मापदंड तय किए हैं। पहला है, पार्टी का मानवीकरण करने की योग्यता खासकर अति संवेदनशील मानवीय मुद्दों पर, दूसरा विरोधी को जिम्मेदार ठहराना, तीसरा, पार्टी के रुख को सही ठहराना, चौथा, हर मुद्दे पर पार्टी का संदेश प्रत्येक मीडिया प्लेटफार्म से लोगों तक पहुंचाना (यह तकनीकी काम ज्यादा है)। इसी तरह अगर पाटी प्रवक्ता की योग्यता का पैमाने देखे जाए तो उसे स्ट्रीट स्मार्ट' यानी अपनी पार्टी और सरकार का बचाव करने में सक्षम होना चाहिए, दूसरा हवा को अपने पक्ष में पलटना, मोटी चमड़ी का होना, ज्ञानी और विश्वसनीय होना तथा हाजिर जवाब और मोहक होना। कई पाटी प्रवक्ता इन तमाम मानकों पर खरा भी उतरते हैं। लेकिन ज्यादातर का आचरण इन मानकों से परे होता है। अलबत्ता पार्टी प्रवक्ता होना या बनना भी एक 'प्रोफेशन' बन चुका है। किसी भी पार्टी का श्रेष्ठ प्रार्टी प्रवक्ता कौन, इसको लेकर एक मीडिया प्लेटफार्म द्24द्व ने पिछले दिनो विभिन्न राजनीतिक दलों के 50 श्रेष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ताओं की सूची जारी की थी।

वक्तृत्व क्षमता और राजनीतिक निरूपण की योग्यता इस चयन के पैमाने थे। इस सूची में भाजपा के सर्वाधिक 24 प्रवक्ता शामिल थे। इसमें भी सर्वश्रेष्ठ प्रवक्ता भाजपा के डॉ.सुधांशु त्रिवेदी को बताया गया था। हालांकि, भाजपा के प्रवक्ताओं में कई तो आयोजित प्रवक्ता थे। ये वो प्रवक्ता हैं, जो कभी भाजपा के घोर आलोचक रहे हैं। लेकिन दलबदल का कमाल देखिए कि अब यही प्रवक्ता भाजपा के राजपुरोहित अथवा राज अप्सराएं हैं और भाजपा उनके लिए 'राजमाता' के समान है। इस सूची में भाजपा के बाद कांग्रेस 10, 3- 3 आप और टीएमसी के, 2- 2 सपा, उद्धव सेना व बीजेडी के तथा 1-1 प्रवक्ता बीआरएस, एनसीपी, वायएसआर कांग्रेस, एआईएडीएमके, एआईएमआईएम, टीडीपी, डीएमके और एलजेपी के हैं।

कांग्रेस का सर्वश्रेष्ठ प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी को बताया गया था। इसका अर्थ यह है कि भाजपा के अलावा अन्य पार्टियों के पास अब अच्छे राष्ट्रीय प्रवक्ताओं का भी टोटा है। जो हैं, वो भी अपनी पार्टी का बचाव कितने दिनों तक करेंगे, यह कोई नहीं जानता। इसमें दो राय नहीं कि अच्छा पार्टी प्रवक्ता वही हो सकता है, जो पार्टी लाइन को ठीक से समझता हो और मुश्किल प्रसंगो में भी उसे डिफेंड करने की काबिलियत रखता हो। मीडिया प्लेटफार्मों पर वह पार्टी का चेहरा होता है और जिसे खुद के बजाए पार्टी रूपी आईने का चेहरा सतत साफ रखना होता है। उसे यह जताना होता है कि वह पार्टी की आत्मा से एकात्म है और जो कह रहा है, वही उसका समुचित पक्ष है। जनता उसे सही माने न माने, यह अलग बात है।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि जो पार्टी प्रवक्ता दल की रीति नीति का प्रचारक और संरक्षक होता है, वह रातों रात पाला बदल कर अपनी वैचारिक निष्ठा का प्रत्यारोपण कैसे कर सकता है अथवा कर लेता है? गौरव वल्लभ तो इस अपसंस्कृति के प्रतीक भर हैं। गौरव कल तक कांग्रेस के दमदार प्रवक्ताओं में गिने जाते थे। खासकर आर्थिक नीतियों पर उन्होंने कई बार भाजपा को आड़े हाथों लिया। इसी तरह गौरव भाटिया, शाजिया इल्मी, शहजाद पूनावाला, अजय आलोक जैसे कई प्रवक्ता हैं जो पहले धर्मनिरपेक्षता की तख्तियां हाथ में लेकर घूम रहे थे और देश का भविष्य इसी में सुरक्षित मान रहे थे, वो अचानक राम भक्त, मोदी सिक्त, राष्ट्रवादी कैसे और क्यों हो गए?

जो वो पहले कर रहे थे, वह महज एक राजनीतिक स्वांग था या फिर अब वो जो कर रहे हैं, वह तमाशा है या फिर सोलह आने सच है? साथ में यह भी कि ऐसे 'विभीषण प्रवक्ताओं' पर भाजपा या अन्य पार्टियां भी कितना भरोसा करती हैं? प्रवक्ताओं का 360 डिग्री से राजनीतिक हृदय परिवर्तन आखिर किन कारणों से होता है और ये प्रवक्ता भी क्या उन्हीं राज रोगों से मुक्त नहीं है, जो सत्ता का सीधा नियंत्रण चाहते हैं? हकीकत में वाक् चातुर्य भरे अधिकांश प्रवक्ता मैदानी राजनीति के 'अग्निवीर' ही होते हैं।

बहुत बिरले ऐसे प्रवक्ता हैं, जो चुनावी रण में भी विजेता रहे हैं और न सिर्फ सत्ता सिंहासन तक पहुंचे हैं और पहुंचकर लंबे समय तक टिके हैं। जबकि अधिकांश प्रवक्ताओं के राजनीतिक कल्याण का रास्ता राज्यसभा और विधान परिषदों के जरिए ही तय होता है। कभी कभार कोई मंत्री पद भी पा लेता है, लेकिन वैसा होने के बाद भी वह आचरण की मर्यादा में रहे, यह जरूरी नहीं है। बल्कि उसके बौरा जाने का खतरा ज्यादा होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो पार्टी प्रवक्ता वाक् वीर ही होते हैं और वो युद्धवीर बनने का भ्रम पाले रहते हैं। राजनीतिक दलों को पता रहता है कि जबानी लड़ाई लड़ने और मैदानी लड़ाई लड़ने के पैमाने और तकाजे बिल्कुल अलग अलग होते हैं।

तुरही बजाने वाला त्रिशूल भी चला ले, जरूरी नहीं है। लेकिन प्रवक्ताओं को मिलने वाले भरपूर मीडिया कवरेज के बावजूद यह कसक उनमें हमेशा रहती है कि वो सत्ता साकेत के दरबान ही हैं। राजा के कसीदे काढ़ते और दुश्मन की खाल उधेड़ते वह यह भ्रम पाल बैठते हैं कि प्रखर प्रवक्ताई की ऐवज में उन्हें सीधी सत्ता अथवा अवाम की नुमाइंदगी का वैसा नेग मिलना चाहिए, जितना कि खुद राजा को मिलती है। इसीलिए ज्यादातर प्रवक्ता हर चुनाव में इस जोड़ तोड़ में रहते हैं कि पार्टी की रखवाली का मुआवजा उन्हें चुनाव टिकट के रूप में मिले। जबकि ज्यादातर पार्टियों को पता होता है कि (मीडियाकर्मियों की तरह) लकड़ी की तलवार भांजने वाले तोप नहीं चला सकते। गौरव भाटिया के बारे में भी यही कहा जाता है कि वो राजस्थान से लोकसभा का टिकट चाहते थे। पार्टी ने नहीं दिया तो उन्होंने अब तक की तपस्या को निरर्थक मान उस भाजपा की पैरवी की राह पकड़ ली, जिसे वो कल तक देश के लिए सबसे बड़ा खतरा मान रहे थे।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-53)

गतांक से आगे...

भावना का अभाव होते ही संकल्प स्वयमेव समाप्त हो जाता है। हे मुनिश्रेष्ठ! संकल्प द्वारा संकल्प को और मन द्वारा मन को नष्ट कर डाले। आकाश की तरह ही यह जगत् भी शून्य है।

हे विप्र ! जिस तरह ताँबे की कालिमा और धान का छिलका प्रयत्नपूर्वक क्रिया विशेष से नष्ट हो जाता है, उसी प्रकार पुरुष का विकार रूपी दोष प्रयत्न से दूर हो जाता है, धान के छिलके के समान जीव पर मल-विकाररूपी दोष प्रकृतिगत हैं, तो भी उनका नष्ट होना निश्चित है-इसमें रत्तीभर सन्देह नहीं। अतएव आत्मस्वरूप में स्थित होकर उद्योगी पुरुष बनने का प्रयत्न करो, इसमें असम्भव जैसी स्थिति है ही नहीं।

[चेतन के ऊपर चढ़े विकार की तुलना धान के छिलके से की गई है। विकार हटाये बिना चावल सेवन करने योग्य नहीं होता और पुन: फलित होने के लिए छिलका-विकार आवश्यक है। छिलका-विकार हटते ही वह ज्ञानी के लिए सेव्य है तथा पुनर्जन्म के चक्र की संभावना भी समाप्त हो जाती है।]

हे निष्पाप! अन्तरंग की आस्था एवं भावनायुक्त भावों की सम्पदा का परित्याग करके आप अपने वास्तविक रूप में संसार में सुखपूर्वक विचरण करें। सभी जगह स्वयं को अकर्तृता मानें, इस सुदृढ़ भावना से परम अमृत नाम की समता (एकरसता) ही अवशिष्ट रहती है।

दु:ख और उल्लास-विलास ये मनुष्य द्वारा स्वत: उत्पादित हैं। अपने संकल्प के क्षय होने पर समता भाव ही अवशेष रहता है। सभी पदार्थों में समता की वास्तविक स्थिति को चित्त में निष्ठापूर्वक धारण कर लेने पर आवागमन का चक्र समाप्त हो जाता है। हे मुने! सभी कर्तव्य तथा अकर्तव्य का त्यागकर, मन का पान कर स्थिर हों।

क्रमश: ...

दलितों और शोषितों के लिए जीवनभर कार्य करते रहे महात्मा ज्योतिबा फुले

सुधांशु

भारतीय सामाजिक क्रांति के जनक कहे जाने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के सातारा जिले में माली जाति के एक परिवार में हुआ था। वे एक महान विचारक, कार्यकर्ता, समाज सुधारक, लेखक, दार्शनिक, संपादक और क्रांतिकारी थे। उन्होंने जीवन भर निम्न जाति, महिलाओं और दलितों के उद्धार के लिए कार्य किया। इस कार्य में उनकी धर्मपत्नी सावित्रीबाई फुले ने भी पूरा योगदान दिया।

ज्योतिबा के जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ वर्ष 1848 में आया जब वे अपने एक ब्राह्मण मित्र की शादी में हिस्सा लेने के लिए गए। शादी में दूल्हे के रिश्तेदारों ने निम्न जाति का होने के कारण उनका अपमान किया। इसके बाद उन्होंने तय कर

लिया कि वे सामाजिक असमानता को उखाड़ फेंकने की दिशा में कार्य करेंगे क्योंकि जब तक समाज में स्त्रियों और निम्न जाति वालों का उत्थान नहीं होगा जब तक समाज का विकास असंभव है। 1791 में थॉमस पैन की किताब राइट्स ऑफ मैन ने उन्हें बहुत प्रभावित किया।

समाजोत्थान के अपने मिशन पर कार्य करते हुए ज्योतिबा ने 24 सितंबर 1873 को अपने अनुयायियों के साथ सत्यशोधक समाज नामक संस्था का निर्माण किया। वे स्वयं इसके अध्यक्ष थे और सावित्रीबाई फुले महिला विभाग की प्रमुख। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य शूद्रों और अति शूद्रों को उच्च जातियों के शोषण से मुक्त कराना था। इस संस्था के माध्यम से उन्होंने वेदों को ईश्वर रचित और पवित्र मानने से इंकार कर दिया। उनका तर्क था कि यदि ईश्वर एक है और उसी ने सब मनुष्यों को बनाया है तो उसने केवल संस्कृत भाषा में ही वेदों की रचना क्यों की? उन्होंने इन्हें ब्राह्मणों द्वारा अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए लिखी गई पुस्तकें कहा।

उस समय ऐसा करने की हिम्मत करने वाले वे पहले समाजशास्त्री और मानवतावादी थे। लेकिन इसके बावजूद वे आस्तिक बने रहे। उन्होंने मूर्ति पूजा का भी विरोध किया और चतुर्वर्णीय जाति व्यवस्था को ठुकरा दिया। इस संस्था ने समाज में तर्कसंगत विचारों को फैलाया और शैक्षणिक और धार्मिक नेताओं के रूप में ब्राह्मण वर्ग को स्वीकार करने से इंकार कर दिया। सत्यशोधक समाज के आंदोलन में इसके मुखपत्र दीनबंधु प्रकाशन ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोल्हापुर के शासक शाहू महाराज ने इस संस्था को भरपूर वित्तीय और नैतिक समर्थन प्रदान किया।

महात्मा फुले ने दलितों पर लगे अछूत के लांछन को धोने और उन्हें बराबरी का दर्जा दिलाने के भी प्रयत्न किए। इसी दिशा में उन्होंने दलितों को अपने घर के कुंए को प्रयोग करने की अनुमति दे दी। शूद्रों और महिलाओं में अंधविश्वास के कारण उत्पन्न हुई आर्थिक और सामाजिक विकलांगता को दूर करने के लिए भी उन्होंने आंदोलन चलाया। उनका मानना था कि यदि आजादी, समानता, मानवता, आर्थिक न्याय, शोषणरहित मूल्यों और भाईचारे पर आधारित सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करना है तो असमान और शोषक समाज को उखाड़ फेंकना होगा।

प्रभु श्रीराम मंदिर ने भारतीय समाज को एक किया

प्रह्लाद सबनानी

22 जनवरी 2024 का दिन भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा क्योंकि इस दिन श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला के विग्रहों की एक भव्य मंदिर में समारोह पूर्वक प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई थी। इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पूरे देश से धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र के शीर्ष नेतृत्व तथा समस्त मत, पंथ, सम्प्रदाय के पूजनीय संत महात्माओं की गरिमामय उपस्थिति रही थी। इससे निश्चित ही यह आभास हुआ है कि प्रभु श्रीराम मंदिर ने भारत में समस्त समाज को एक कर दिया है। यह भारत के पुनरुत्थान के गौरवशाली अध्याय के प्रारम्भ का संकेत माना जा सकता है।

सामान्यत: किसी भी भवन का ढांचा नीचे से ऊपर की ओर जाता दिखाई देता है परंतु प्रभु श्रीराम मंदिर के बारे में यह कहा जा रहा है कि प्रभु श्रीराम का यह मंदिर जैसे ऊपर से बनकर आया है और पृथ्वी पर स्थापित कर दिया गया है। इस भव्य मंदिर को त्रिभुवन का मंदिर भी कहा जा रहा है। तमिलनाडु के एक बड़े अधिकारी, जो कला के जानकार हैं, का तो यह भी कहना है कि इस प्रकार की नक्काशी से सज्जित मंदिर शायद पिछले 1000 वर्षों में तो बनता हुआ नहीं दिखाई दिया है। इस मंदिर में प्रभु श्रीराम के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के समय लगभग समस्त समाज के लोग पूजा सम्पन्न कराने के उद्देश्य से बिठाए गए थे। पूजा सम्पन्न कराने के लिए माननीय पंडितों को देश के लगभग समस्त राज्यों से लाया गया था। देश में लगभग 150 संत महात्माओं की परम्पराएं हैं जैसे गुरु परम्परा, दार्शनिक परम्परा आदि। ऐसी समस्त परम्पराओं के संत महात्माओं की भागीदारी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में रही। साथ ही, सामाजिक जीवन के कई क्षेत्रों के प्रमुख नागरिकों की भी इस समारोह में भागीदारी रही, जैसे खेल, साहित्य, लेख, कला, मीडिया, प्रशासन, आदि। कुल 18 श्रेणियों के नागरिकों को इस समारोह में भाग लेने

हेतु आमंत्रित किया गया था। जिन लगभग 4000 श्रमिकों ने इस मंदिर के निर्माण में अपना योगदान दिया था उनमें से 600 श्रमिकों, इंजीनीयरों एवं सुपर्वायजर आदि की भी इस कार्यक्रम में भागीदारी करवाई गई। 22 जनवरी 2024 के पवित्र दिन श्रीअयोध्या धाम के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 60 चार्टर हवाई जहाज आए थे। कुल मिलाकर व्यवस्थाएं इतनी अच्छी थीं कि किसी भी नागरिक को श्री अयोध्या धाम में प्रवेश करने में किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हुई थी। मंदिर परिसर में भी समस्त नागरिकों को अपनत्व लगा था। ऐसा लगा कि स्वर्ग में पहुंच गए हैं एवं मंदिर परिसर में दैवीय अनुभूति हुई। आज भारत एवं अन्य देशों से लगभग 2 लाख श्रद्धालु प्रभु श्रीरामलला के दर्शन हेतु श्री अयोध्या धाम प्रतिदिन पहुंच रहे हैं।

दिनांक 15 से 17 मार्च 2024 को नागपुर में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में प्रभु श्रीराम मंदिर के निर्माण पर एक प्रस्ताव पास किया गया है। इस प्रस्ताव में यह कहा गया है कि भारत में सम्पूर्ण समाज हिंदुत्व के भाव से ओतप्रोत होकर अपने स्व को जानने तथा उसके आधार पर जीने के लिए तत्पर हो रहा है। अब जब प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो चुका है अत: अब भारत के समस्त नागरिकों के संदर्भ में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का यह सुविचरित मत है कि सम्पूर्ण समाज अपने जीवन में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को प्रतिष्ठित करने का संकल्प ले, इससे राम मंदिर के पुनर्निर्माण का उद्देश्य सार्थक होगा। प्रभु श्रीराम के जीवन में परिलक्षित त्याग, प्रेम, न्याय, शौर्य, सद्भाव एवं निष्पक्षता आदि धर्म के शाश्वत मूल्यों को आज समाज में पुन: प्रतिष्ठित करना आवश्यक है। सभी प्रकार के परस्पर वैमनस्य और भेदों को समाप्त कर समरसता से युक्त पुरुषार्थी समाज का निर्माण करना ही प्रभु श्रीराम की वास्तविक आराधना होगी। इसी दृष्टि से, अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा समस्त भारतीयों का आह्वान करती है कि बंधुत्व भाव से युक्त, कर्तव्य निष्ठ, मूल्य आधारित और सामाजिक न्याय की सुनिश्चितता करने वाले समर्थ भारत का निर्माण करें, जिसके आधार पर वह एक सर्व कल्याणकारी वैश्विक व्यवस्था का निर्माण करने में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर सकेगा। यदि भारतीय समाज एक होगा तो भारत को पुन: एक बार विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने में आसानी होगी।

श्री अयोध्या धाम में नव निर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर ने न केवल भारतीय समाज को एक किया है बल्कि इससे भारत की आर्थिक प्रगति में चार चांद लग रहे हैं। देश में धार्मिक पर्यटन की जैसे बाढ़ ही आ गई है। न केवल भारतीय नागरिक बल्कि अन्य देशों में रह रहे भारतीय मूल के लोग भी प्रभु श्री राम के दर्शन करने हेतु श्री अयोध्या धाम पहुंच रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के लाखों नए अवसर विकसित हो रहे हैं। भारतीय समाज में एकरसता आने से भारत में मनाए जाने वाले विभिन्न त्यौहारों को भी बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जा रहा है जिससे आपस में भाईचारा बढ़ता दिखाई दे रहा है। यदि मां भारती को विश्व गुरु बनाना है तो भारत में निवास कर रहे समस्त नागरिकों में एकजुटता स्थापित करनी ही होगी। भारत में मजबूत राजनैतिक स्थिति, मजबूत लोकतंत्र, मजबूत सामाजिक स्थिति, मजबूत सांस्कृतिक धरोहर होने के चलते विश्व के अन्य देशों का भारतीय सनातन संस्कृति पर विश्वास बढ़ रहा है जिसे भारत के वैश्विक स्तर पर पुनरुत्थान के रूप में देखा जा सकता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सर संघचालक मोहन भागवत जी भी अपने एक उदबोधन में कहते हैं कि राम राज्य के सामान्य नागरिकों का जो वर्णन शास्त्रों में मिलता है, उसी का आचरण आज हमें करना चाहिए क्योंकि हम भी इस गौरवमय भारतवर्ष की संताने हैं। आज हमें राम राज्य के समय नागरिकों द्वारा किए जाने वाले आचरण को अपनाने हेतु तप करना पड़ेगा, हमको समस्त प्रकार के कलह को विदाई देनी पड़ेगी। समाज में आपस में अलग अलग मत हो सकते हैं, छोटे छोटे विवाद हो सकते हैं, इन्हें लेकर आपस में लड़ाई करने की आदत छोड़ देनी पड़ेगी। राम राज्य के समय नागरिकों में अहंकार नहीं हुआ करता था वे बगैर अहंकार के आपस में मिलजुलकर काम करते थे। श्रीमद् भागवत में बताया गया है कि जिन चार मूल्यों की चौखट पर धर्म का निवास रहता है, वे चार मूल्य हैं - सत्य, करुणा, सुचिता और तपस। राम राज्य में इन मूल्यों का अनुपालन नागरिकों द्वारा किया जाता था।

भागवत जी आगे कहते हैं कि आज की परिस्थितियों के बीच नागरिकों द्वारा आपस में समन्वय रखकर व्यवहार करना यह धर्म का ही प्रथम पायदान है। दूसरा कदम माना जाता है धर्म का आचरण अर्थात सेवा और परोपकार करना। केंद्र सरकार एवं अन्य कई राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही कई योजनाएं गरीबों को राहत दे रही है। आज इस संदर्भ में सब कुछ हो रहा है लेकिन भारत के नागरिक होने के नाते हमारा भी तो कुछ कर्तव्य है। इस समाज में जहां दु:ख दिखाई दे, पीड़ा दिखाई दे, वहां हम दौड़ कर सेवा करने पहुंचे, यह सभी हमारे अपने बंधू ही तो हैं। हमारे शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि दोनों हाथों से कमाएं जरूर, परंतु अपने लिए न्यूनतम आवश्यक राशि रखकर शेष सारा पैसा सेवा और परोपकार के माध्यम से समाज को वापिस कर दें। सुचेता पर चलना यानी पवित्रता होनी चाहिए और पवित्रता के लिए संयम होना चाहिए।

आज का इतिहास

1970 अमेरिका ने चंद्रमा अभियान के लिए अपोलो 13 कार्यक्रम शुरू किया।
1977 साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु का निधन।
1979 युगांडा-तंजानिया युद्ध-युगांडा नेशनल लिबरेशन आर्मी और तंजानियाई सेनाओं ने युगांडा के राष्ट्रपति ईदी अमीन टोफली को मजबूर करते हुए कंपाला पर कब्जा कर लिया।
1992 बीपीएए अमेरिकी रॉबर्ट लॉरेंस द्वारा 1992 में खुला था।
1996 संयुक्त राज्य अमेरिका में एक हवाई जहाज को पायलट करने के लिए सबसे कम उम्र के व्यक्ति के रूप में एक रिकॉर्ड स्थापित करने का प्रयास करते हुए, विमान सात वर्षीय जेसिका डबरोफ द्वारा उड़ाया गया, जो चेयेन, व्योमिंग में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे वह और दो अन्य मारे गए।
1999 अग्नि 2 मिसाइल का परीक्षण किया गया।
2002 ग़रीबा आराधनालय बम विस्फोट से अल कायदा द्वारा ट्यूनीशिया में 21 को मर दिया गया।
2003 पाकिस्तान ने 12वीं बार शारजाह कप जीता।
2007 अल्जीरियाई राजधानी में दो बम विस्फोट से 33 लोग मारे गए और 222 लोग घायल हुए।
2008 स्वीडन में वैज्ञानिकों ने आठ हज़ार वर्ष पुराने वृक्ष की खोज की।
2010 राष्ट्रपति पोलज़िन्स्की के जुलूस का गवाह बनने के लिए दस हजार डंडे सड़कों पर जाते हैं, जो राष्ट्रपति भवन, वारसॉ, जहां वह राज्य में झूठ बोलेंगे।
2011 फ्रांस में, बुर्का और हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने वाला एक कानून लागू होता है।
2011 टोहोकू भूकंप के एक महीने बाद जापान में 6.6 तीव्रता का आफ्टरशॉक जापान में गिरा, लगभग एक घंटे तक चला।
2011 बेलारूस में मिन्स्क मेट्रो के केंद्रीय ओक्त्रैबस्काया स्टेशन पर एक बम विस्फोट हुआ, जिसमें 15 लोग मारे गए और 200 से अधिक घायल हो गए।
2011 बेलारूस के मिन्स्क मेट्रो बम विस्फोट में कम से कम 15 मारे गए और 200 लोग घायल हुए।
2012 उत्तर कोरियाई वर्कर्स पार्टी ने अपने पिता के साथ किम जोंग आईल को पार्टी के %शाश्वत% महासचिव के रूप में घोषित किया, किम जोंग उन पहले सचिव का नाम देते हैं।
2012 ग्रीस के प्रधानमंत्री लुकास पापाडिमोस ने इस्तीफा दे दिया, एक महीने के भीतर नए चुनाव का आह्वान किया।

नक्सल नहीं, अब धर्मांतरण है बस्तर का सबसे बड़ा मुद्दा

सिद्धार्थ शंकर गौतम

सोमवार 8 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी नक्सलियों के गढ़ माने जाने वाले बस्तर में थे लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उन्होंने नक्सल समस्या पर कुछ नहीं बोला। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जनसभा करने पहुंचे मोदी ने कांग्रेस और इंडिया एलायंस पर तो हमला बोला लेकिन बस्तर जिस समस्या से दो चार होता रहा है, उस पर मौन रहे।

असल में नक्सली अभी भी बस्तर में प्रभावी तो हैं लेकिन अब यहां ईसाई मिशनरियों द्वारा आदिवासियों का धर्मांतरण ज्यादा बड़ा मुद्दा बन गया है। इसलिए 19 अप्रैल को प्रथम चरण में जब बस्तर में वोटिंग होगी तब धर्मांतरण का मुद्दा हावी रहेगा।

इसका मतलब यह नहीं कि बस्तर में नक्सली कोई मुद्दा ही नहीं रहे। बस्तर में नक्सली हथियारों से कमजोर भले पड़ गये हों लेकिन वैचारिक रूप से वो आज भी चुनावों को प्रभावित करते हैं। इसीलिए कम्युनिस्ट पार्टी के कैंडिडेट का वोट प्रतिशत चुनाव दर चुनाव बढ़ता जा रहा है।

रेड कोरिडोर का हिस्सा बस्तर सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है और 1952 से 1996 तक यह सीट कांग्रेस की परंपरागत सीट रही है। 1998 से 2014 तक यहां भाजपा के सांसद चुने गये। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के दीपक बैज ने भाजपा के बैदूराम कश्यप को 38,982 वोटों से हराकर भाजपा का तिलिस्म तोड़ दिया था। लेकिन इस बार कांग्रेस ने अपने सिटिंग एमपी दीपक बैज का टिकट काटकर सुकमा जिले की कोंटा सीट से विधायक कवासी लखमा को टिकट दिया है।

वहीं भाजपा ने विश्व हिंदू परिषद से जुड़े महेश कश्यप को चुनावी मैदान में उतार दिया है। बस्तर लोकसभा सीट से सीपीआई ने फूलसिंह कचलाम को टिकट दिया है। बसपा से आयतुराम मंडावी चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं किंतु मुख्य मुकाबला भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों के बीच ही है।

बस्तर लोकसभा सीट के अंतर्गत आठ विधानसभा सीटें आती हैं जिनमें से जगदलपुर एकमात्र अनारक्षित सीट है जबकि शेष सातों विधानसभाएं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव परिणामों के अनुसार बस्तर लोकसभा की आठ में से 5 विधानसभाओं कोंडागांव, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, चित्रकोट तथा जगदलपुर में भाजपा जबकि शेष 3 विधानसभा सीटों बीजापुर, कोंटा और बस्तर में कांग्रेस प्रत्याशी को जीत मिली थी।

इस हिसाब से देखा जाए तो बस्तर में भाजपा का पलड़ा भारी दिखता है किंतु क्या विधानसभा चुनाव की जीत लोकसभा में भी कायम रह पाएगी? दो दशक से भाजपा के कश्यप परिवार की सीट रही बस्तर लोकसभा में इस बार भाजपा प्रत्याशी %कश्यप% अवश्य है किंतु चार बार सांसद रहे बलिराम कश्यप और दो बार सांसद रहे दिनेश कश्यप परिवार से इनका कोई संबंध नहीं है। यहां कश्यप परिवार के %साथ% पर भी भाजपा संगठन की नजर है।

यह सच है कि 1969 में अस्तित्व में आए नक्सल मूवमेंट की नाभि बस्तर रहा है जिसके गर्भ में आज भी नक्सली फल-फूल रहे हैं किंतु अब इनका प्रभाव और दायरा सिमट गया है, क्योंकि सरकार ने बड़े पैमाने पर बस्तर में विकास कार्य प्रारंभ किए हैं। एक समय बस्तर के हजारों %सरकार विहीन% गांवों तक जैसे-तैसे

कच्ची-पक्की सड़कें बनती जा रही हैं। जिन गांवों में आपसी विवादों का निपटारा नक्सली करते थे, अब सरकारी नुमाइंदे करते हैं। फ़ोर्स भी बस्तर के हर गांव तक पहुंच बनाने में सफल हो रही है।

दरअसल, %छत्तीसगढ़ का कश्मीर% कहे जाने वाले बस्तर में भौगोलिक विषमता सरकार के कदम रोक देती है। स्वतंत्रता के 75 वर्षों बाद भी बस्तर में रेल सपना ही है। राष्ट्रीय-राजकीय राजमार्गों को छोड़ दें तो गांवों तक पहुंच पाना कमर तोड़ देता है। सन 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद से अधिकांश समय राज्य में भाजपा का शासन रहा है जिसमें बड़े पैमाने पर नक्सल हिंसा से जुड़े नेता या तो पकड़े गए हैं अथवा सुरक्षाबलों द्वारा मारे गए हैं। यही कारण है कि भाजपा शासन को नक्सली अपने दुश्मन के रूप में देखते हैं।

हाल ही में एक समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार के अनुसार नक्सलियों ने बस्तर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को जिताने की अपील करते हुए पोस्टर्स गांवों में लगवाये थे। नक्सलियों की यह अपील चुनाव में बड़ा मुद्दा बन गई है।

इसके अलावा चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशी वनवासी समाज की मान्यताओं, परंपराओं एवं जल, जंगल, जमीन को लेकर उनकी भावनाओं को लेकर बड़े दावे कर रहे हैं। हालांकि अब तक बस्तर से चुने गए 12 में से 7 सांसदों ने नक्सल समस्या एवं वनवासी संस्कृति को लेकर ही चुनाव लड़ा और जीते। इस बार भी परिदृश्य बदला नहीं है गोयाकि नक्सलवाद और वनवासी संस्कृति इस क्षेत्र में सदाबहार मुद्दा है।

दिसंबर, 2022 से लेकर जनवरी, 2023 के एक महीने में बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले में ईसाई धर्मांतरण को लेकर हिंसा की दर्जनों बड़ी घटनाएं हुईं। चेरांग, भाटपाल, गोहड़ा, गौर्रा, एड़का, बोरपाल, खड़का गांव, चिपरेल, तेरदूल, करमरी, बोरवंड, मोदेंगा जैसे दर्जनों गांवों में हिंदू और धर्मांतरित ईसाईयों के बीच खूनी संघर्ष हुए। चूंकि उस समय राज्य में कांग्रेसनीत भूपेश बघेल की सरकार थी अत: हिंदू पक्ष के 75 से अधिक लोगों पर दर्जन भर से अधिक केस दर्ज किए गए जबकि धर्मांतरित ईसाई आरोपियों को छोड़ किया गया।

इरको गांव के सिंगलूराम दुग्गा व मंगाऊराम कावडे, खड़का गांव के बुधराम बड्डे, एड़का गांव के राजाराम कांवरे व राजूराम दुग्गा आज भी न्यायालय के चक्कर काट रहे हैं। इन सभी पर 12 से अधिक केस दर्ज हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में भी इस मुद्दे ने बड़ा असर डाला था जिसके कारण नारायणपुर की सीट कांग्रेस के हाथों से निकल गई थी।

कांग्रेस के पूर्व विधायक चंदन कश्यप भी धर्मांतरित ईसाई पक्ष के साथ खड़े हो गए थे। यहां तक कि नारायणपुर में कांग्रेस सरकार ने कब्रिस्तान के लिए धर्मांतरित ईसाई समूह को जमीन भी दे दी थी। सीपीआई का कैडर भी नारायणपुर में हिंदू विरोधी गतिविधियों में रत रहता है।

हिंदू पक्ष का कहना है कि यहां केरल तथा पूर्वोत्तर के ईसाई पादरी आकर वनवासी हिंदू ग्रामीणों को इलाज के नाम पर बरगलाते हैं और उन्हें ईसाईयत में धर्मांतरित करते हैं। नक्सल समर्थकों का भी उन्हें इसमें साथ मिलता है। फिर जो वनवासी हिंदू ईसाई बन जाते हैं वे अपना सरनेम नहीं बदलते, मंदिर से बैर रखते हैं और हिंदू परंपरा नहीं मानते किंतु वनवासी होने के लाभ भी लेते रहते हैं।

इसलिए इस बार %डीलिस्टिंग% बड़ा मुद्दा है और इस मांग को लेकर हिंदू पक्ष एकजुट हुआ है। नारायणपुर से निकलकर यह मुद्दा अब बस्तर की चुनावी रंगत को और गहरा कर रहा है। इसके अलावा बस्तर में रोजगार, पलायन, विकास, कृषि जैसे मुद्दे भी हैं किंतु उनका जोर मात्र शहरी सीमा तक चल रहा है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में वहीं मुद्दे हैं जो दशकों से बस्तर में छाए हुए हैं जिनके समाधान का आज तक ईमानदार प्रयास नहीं हुआ है।

बस्तर के मतदाता इस बार भी मतदान द्वारा अपनी किस्मत बदलने की मंशा पाले बैठे हैं किंतु राजनीतिक दलों की राजनीति को देखते हुए यह कहना मुश्किल है कि उनकी मंशा कितनी और कैसे पूरी होगी? फिलहाल तो देश के लिए अबूझ पहेली सा बस्तर अपनी ही समस्याओं से जूझ रहा है।

चुनावों में क्यों हावी हो रहे हैं बाहुबली और धनबली

विश्वनाथ सचदेव

शायद आपने भी देखा हो फेसबुक पर चक्कर लगाते उस संदेश को, जिसमें आगाह किया गया है कि 4 जून तक यानी आम-चुनाव के परिणाम आने तक, पचास हजार की नकदी लेकर घूमने से बचें अन्यथा सरकारी एजेसियों द्वारा परेशान किए जाने की आशंका बनी रहेगी। हर चुनाव के मौके पर इस आशय के समाचार मिलते रहे हैं कि फलां जगह इतना बेहिसाबी पैसा पकड़ा गया, फलां जगह उम्मीदवार मतदाता को पैसा बांटते देखा गया। इस बीच शायद यह समाचार भी आपने देखा-पढ़ा होगा

जिसमें देश की वित्त मंत्री को यह कहते बताया गया है कि वे लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ सकतीं, क्योंकि उनके पास चुनाव लड़ने लायक पैसा नहीं है। मतदाता तक पहुंचने के लिए, उस तक अपनी बात पहुंचाने के लिए जरूरी साधन बिना पैसे के नहीं जुट सकते। चुनाव आयोग द्वारा लगाए गए अनुमान के आधार पर यह सीमा की तय की गई है कि लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार क्रमश: 75 लाख और 40 लाख रुपए खर्च कर सकता है. पर हकीकत यह है कि चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार करोड़ों रुपए खर्च करते हैं। यह दुर्भाग्य ही है कि हमारी चुनावी-व्यवस्था पर बाहुबली और धनबली हावी हैं। आज हमारी राज्यसभा में नब्बे प्रतिशत सांसद करोड़पति हैं, 543 सांसदों वाली हमारी लोकसभा में 475 सांसदों का करोड़पति होना भी क्या यह नहीं बताता कि सांसद या विधायक बनने के लिए उम्मीदवार की जेब भारी होना भी एक जरूरी शर्त है। था कोई जमाना जब आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति भी संसद या विधानसभा में पहुंचने का सपना देख सकता था। मुझे याद है दूसरे आम चुनाव में राजस्थान के सिरोही विधानसभा क्षेत्र के लिए सड़क पर बैठकर जूते ठीक करने वाला एक उम्मीदवार चुनाव जीता था। तब उसे चंदा करके इतना पैसा दिया गया था कि वह ढंग से ठीक-ठाक तरीके से राज्य की राजधानी जयपुर पहुंचकर विधायक पद की शपथ ले सके। दो बार देश के प्रधानमंत्री बनने वाले डॉक्टर मनमोहन सिंह भी चुनाव लड़कर कभी संसद में नहीं पहुंच पाए। पता नहीं कितनी सच है यह बात, पर कहते हैं एक बार उन्होंने राजधानी दिल्ली से चुनाव लड़ा था। हार गए थे वे यह चुनाव। उनके कार्यकर्ता बताते हैं कि इस हार का एक कारण यह भी था कि वह अपने कार्यकर्ताओं को सबेरे नाश्ते में दो-चार केले और एक कप चाय ही दिया करते थे। वह इससे ज्यादा खर्च ही नहीं कर पाए। हमारी वर्तमान वित्त मंत्री भी जब यह कहती हैं कि उनके पास चुनाव लड़ने लायक पैसा नहीं है तो इसे हमारे जनतंत्र पर एक शर्मनाक टिप्पणी के रूप में ही स्वीकारा जाना चाहिए। बननी चाहिए कोई व्यवस्था ऐसी कि जनतंत्र का हर नागरिक चुनाव लड़ने लायक बन सके। पर कब होगा ऐसा।

एमवीए के सीट बंटवारे से शिंदे, अजीत पर बना दबाव

अजय सेतिया

पिछले लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में दो गठबंधन थे, एनडीए और यूपीए। एनडीए में भाजपा ने 25 और शिवसेना ने 23 सीटों पर चुनाव लड़ा था। दूसरी तरफ यूपीए में कांग्रेस ने 26 और एनसीपी ने 22 सीटों पर चुनाव लड़ा था। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद शिवसेना एनडीए छोड़कर यूपीए में शामिल हो गई थी, और इस नए गठबंधन को महाविकास आघाडी (एमवीए) नाम दिया गया। इसके बाद शिवसेना और एनसीपी के दो टुकड़े हो चुके हैं। शरद पवार तो कांग्रेस के ही साथ आघाडी में हैं, लेकिन उनके भतीजे अजीत पवार दो तिहाई सांसद लेकर एनडीए में चले गए हैं। उद्धव ठाकरे भी आघाडी में ही हैं, लेकिन एकनाथ शिंदे शिवसेना के दो तिहाई से ज्यादा विधायक और सांसद अपने साथ लेकर एनडीए में चले गए।

महाराष्ट्र में भाजपा-एनसीपी-शिवसेना गठबंधन को महायुति कहा जाता है। महाविकास आघाडी में हुए सीट बंटवारे में उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने सबसे ज्यादा 21 सीटें हासिल कर ली है, कांग्रेस को 17 सीटें मिली है, जबकि एनसीपी को मात्र दस सीटें मिली हैं। इस लिहाज से देखा जाए तो उद्धव ठाकरे ने महाविकास आघाडी में 21 सीटें हासिल करके अपनी स्थिति को लगभग बरकरार रखा है। माँगी गई पांच सीटें नहीं मिलने पर प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन आघाडी गठबंधन से बाहर हो गई है। उनके इंडी एलायंस से बाहर निकलने के बाद बाकी बचे तीनों दलों के लिए सीट शेयरिंग करना आसान हो गया। महाविकास आघाडी या यह कहिए कि इंडी एलायंस में सीटों का बंटवारा तो हो गया है। कांग्रेस ने जिस तरह दिल्ली में त्याग किया है, उसी तरह महाराष्ट्र में भी सांगली और भिवंडी सीटों का त्याग कर दिया। कांग्रेस ने सांगली सीट उद्धव ठाकरे की शिवसेना और भिवंडी सीट एनसीपी के लिए छोड़ दी। शरद पवार और उद्धव ठाकरे दोनों ने ही इन सीटों पर सीट शेयरिंग से पहले अपने उम्मीदवारों का एलान करके कांग्रेस को दबाव में ला दिया था।

शरद पवार ने सीट शेयरिंग होने से पहले ही कांग्रेस के मजबूत दावे वाली भिवंडी सीट से सुरेश महात्रे को उम्मीदवार

घोषित कर दिया था। कांग्रेस से टिकट मांग रहे दयानन्द चौरघे बागी उम्मीदवार खड़े होकर एनसीपी के लिए मुसीबत खडी कर सकते हैं। इसी तरह उद्धव ठाकरे ने सीट शेयरिंग होने से पहले ही सांगली से पहलवान चन्द्रहार पाटिल को उम्मीदवार घोषित कर दिया था। जबकि कांग्रेस पूर्व मुख्यमंत्री वसंत दादा पाटिल के पोते विशाल पाटिल को चुनाव लड़वाना चाहती थी। लेकिन बैकफुट पर आई कांग्रेस को दोनों दलों के सामने घुटने टेकने पड़े।

इतना ही नही, बल्कि यह भी कहा जा रहा है कि पवार और उद्धव ने अपनी बेहतर रणनीति के चलते कांग्रेस को हारने वाली सीटें थमा दी हैं। जैसे उत्तर मुम्बई, जहां से भाजपा ने पीयूष गोयल को टिकट दिया है, यह सीट भाजपा की मजबूत सीट है, लेकिन मुम्बई पर अपना पहला दावा करने वाली उद्धव शिव सेना के पास कोई मजबूत उम्मीदवार नहीं था, तो यह सीट कांग्रेस को थमा दी गई। उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने कांग्रेस से 31 सीटें हासिल करके एनडीए में गए एकनाथ शिंदे और अजीत पवार पर भी भाजपा से अपनी पार्टियों के लिए ज्यादा सीटें हासिल करने का मानसिक दबाव बना दिया है। भाजपा ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना को दस से चौदह और अजीत पवार की एनसीपी को 4 सीटें देने की पेशकश की थी। अमित शाह ने एकनाथ शिंदे और अजीत पवार के साथ बातचीत में कहा था कि भाजपा 30-34 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। लेकिन एकनाथ शिंदे ने अमित शाह से सोलह सीटों की मांग रखी है। महाविकास आघाडी में हुए सीट बंटवारे के बाद एकनाथ शिंदे और अजीत पवार पर अपनी अपनी पार्टियों के भीतर ज्यादा सीटें मांगने का दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। महाराष्ट्र में भाजपा के पुराने सहयोगी रामदास अठावले ने आरपीआई के लिए दो सीटें माँगी है, लेकिन साथ ही यह भी कहा है कि भाजपा उनकी मांग नहीं मानती है, तो भी वह एनडीए नहीं छोड़ेंगे। इससे स्पष्ट है कि भाजपा ने उन्हें राज्यसभा में बनाए रखने का आश्वासन दे दिया है। अलबत्ता भाजपा उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण को दो सीटें देने पर विचार कर रही है। एनडीए ने भले ही सीट शेयरिंग का सार्वजनिक एलान नहीं किया है, लेकिन 36 सीटों पर तीनों दलों में सहमति बन चुकी है। अभी तक भाजपा 24, एकनाथ शिंदे 8 और अजीत पवार तीन उम्मीदवारों की घोषणा कर चुके हैं। अजीत पवार ने परभणी सीट के लिए राष्ट्रीय समाज पक्ष (आरएसपी) के संस्थापक महादेव जानकर का समर्थन किया है। इसका मतलब साफ़ है कि इन 36 सीटों पर आपसी सहमति के बाद ही उम्मीदवारों का एलान हुआ है। बाकी 12 सीटों पर सहमति बनना बाकी है। भाजपा ने अपनी सूची में महाराष्ट्र के किसी उम्मीदवार का एलान नहीं किया था, लेकिन दूसरी सूची में महाराष्ट्र के जिन 20 नामों की घोषणा की, उनमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को उनके गृह क्षेत्र नागपुर से, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को मुंबई उत्तर से, पंकजा मुंडे को उनकी बहन प्रीतम की जगह बीड से, सुधीर मुनगंटीवार, मिहिर कोटेचा और रावसाहेब दानवे जैसे दिग्गजों को भी उनकी सीटों पर बरकरार रखा है। पिछली बार एनसीपी के समर्थन से निर्दलीय जीती, लेकिन उद्धव ठाकरे के घर के सामने हनुमान चालीसा पढ़ने की घोषणा कर चर्चा में आई नवनीत राणा को भाजपा ने उनकी पुरानी अमरावती सीट से टिकट देकर मैदान में उतारा है। एकनाथ शिंदे ने मुंबई दक्षिण मध्य, कोल्हापुर, शिरडी (एससी), बुलढाणा, मावल, हटकनंगले से आठ मौजूदा सांसदों में से पांच को बरकरार रखा है। रामटेक (एससी) के लिए उसने मौजूदा सांसद कृपाल तुमाने को हटा दिया है और उनकी जगह कांग्रेस से शिवसेना विधायक बने राजू परवे को मैदान में उतारा है। एकनाथ शिंदे भाजपा से मिले फीडबैक के आधार पर उम्मीदवार बदल भी रहे हैं। भाजपा के सुझाव पर उन्होंने हिंगोली के सांसद हेमंत पाटिल की जगह बाबूराव कदम कोहलीकर को और पांच बार की यवतमाल-वाशिम की सांसद भावना गवली की जगह हिंगोली के सांसद की पत्नी राजश्री पाटिल को टिकट दिया है।

संजय सिंह के बाहर आने से बदलेगी आप की राजनीति

उमेश चतुर्वेदी

शराब घोटाले के आरोप में छह महीने तिहाड़ जेल में गुजारने के बाद जमानत पर बाहर निकलते ही आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि जेल के ताले टूटेंगे। कार्यकर्ताओं को ऐसे नारे बेहद पसंद आते हैं। उन्हें जोश से भर देते हैं। चूंकि आम आदमी पार्टी की तकरीबन पूरा शीर्ष नेतृत्व ही जेल में है, और ऐसे में संजय सिंह का बाहर आना और ऐसे बयान देना स्वाभाविक है। लेकिन क्या ऐसा लगता है कि सचमुच जेल के ताले टूट जाएंगे और धनशोधन या शराब घोटाले में तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में बंद आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन निकल आएगे।

जेल का ताला टूटेगा, नारा पहली बार 1977 के आम चुनाव में मुजफ्फरपुर में लगा था, तब बड़ौदा डायनामाइट कांड में बंद समाजवादी नेता जार्ज फर्नांडिस वहां से चुनाव लड़ रहे थे। इंदिरा सरकार की तानाशाही के खिलाफ तकरीबन समूचा उत्तर भारत एकजुट हो गया था और सत्तहत्तर के चुनाव में कांग्रेस की हार हुई थी। मुजफ्फरपुर से जार्ज भी जीते और जेल का ताला टूटा नहीं, खोला गया। क्योंकि तत्कालीन मोरारजी भाई सरकार में उन्हें मंत्री बनना था। संजय सिंह की राजनीतिक दीक्षा उसी समाजवादी धारा से मिली है, जिसके दुर्धष प्रतिनिधि जार्ज फर्नांडिस रहे। इसलिए संजय ने भी समाजवादी ढंग से नारा दिया है कि जेल के ताले टूटेंगे..ताकि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में उत्साह बना रहे। चूंकि आम चुनाव चल रहा है, इस दौरान अगर कार्यकर्ताओं में उत्साह नहीं रहेगा तो पार्टी के लिए चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर पाना आसान नहीं होगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या संजय सिंह के जेल से बाहर आने से सिर्फ आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं का ही उत्साह बढ़ेगा? अगर गहराई से सोचेंगे तो इस सवाल का जवाब और भी हो सकता है।

जब से अरविंद केजरीवाल जेल गए हैं, तब से उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल सामने आने लगी हैं।

इसके पहले वे अक्सर नेपथ्य में यानी पर्दे के पीछे रहती थीं। अक्सर वे सार्वजनिक तौर पर सामने आने से बचती रहीं। लेकिन जैसे ही अरविंद केजरीवाल जेल के अंदर गए, तब से वे लगातार सामने आ रही हैं। अब तक अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी ने तय किया है कि वे दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे, इसके बाद सुनीता की भूमिका बढ़ गई थी। पार्टी कार्यकर्ताओं और अरविंद केजरीवाल के बीच वे सेतु का काम करने लगी थीं। अरविंद केजरीवाल से मिलने के बाद उनका जो संदेश होता है, उसे वह आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और आम लोगों तक पहुंचाती रही हैं। इसी बीच दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली हुई, उसमें सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, फारूख अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती आदि दिग्गज विपक्षी नेताओं के साथ मंच साझा किया। मंच पर भी उन्होंने आम आदमी पार्टी के तुरूप के पत्ते केजरीवाल का ही संदेश पढ़ा।

चूंकि आम चुनाव है, इसलिए दिल्ली और पंजाब तक सिमटी पार्टी के नेता की बजाय सुनीता ने देश को संदेश दिया। अरविंद का संदेश ही देश को था, दिल्ली या पंजाब के लिए ही नहीं। सुनीता की बढ़ती सक्रियता के बाद माना जाने लगा था कि वे देर-सवेर दिल्ली की मुख्यमंत्री हो सकती हैं। अगर अरविंद केजरीवाल का मामला लंबा चला, वे जेल से जल्द बाहर नहीं निकल पाए, तो सुनीता आम आदमी पार्टी की स्वाभाविक नेता के रूप में भी सुनीता के उभरने की उम्मीद लगाई जा रही थी। वैसे अरविंद के जेल जाने के बाद जिस तरह आतिशी मर्लेना और सौरभ भारद्वाज ने मोर्चा संभाला, उसकी वजह से वे भविष्य के नेता के तौर पर भी उभर रहे थे। लेकिन सुनीता के सामने आने के बाद एक तरह से माना जाने लगा था कि आम आदमी पार्टी की वे ताकत बन सकती हैं। चूंकि चुनाव चल रहा है, इसलिए यह भी माना जाने लगा था कि महिला होने के चलते सुनीता के प्रति कम से कम पंजाब और दिल्ली में विशेषकर महिला वोटरों में सहानुभूति बढ़ सकती है।

लेकिन संजय सिंह के जेल से बाहर आने के बाद स्थितियां बदल सकती हैं। कुछ राजनीतिक जानकार मानते हैं कि संजय सिंह के बाहर आने के बाद आम आदमी पार्टी में सत्ता की एक मात्र केंद्र अब सुनीता नहीं रह जाएंगी। इसकी वजह यह है कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के बाद आम आदमी पार्टी में अगर कोई नेता ताकतवर है, तो वह संजय सिंह ही हैं। वे पार्टी की संसद में मुखर आवाज भी हैं। संजय का कार्यकर्ताओं से जुड़ाव भी है। इसलिए यह माना जाने लगा है कि संजय के जमानत पर होने के बाद सुनीता को लेकर जारी फोकस में कमी आएगी। यह भी हो सकता है कि अगर मुख्यमंत्री बदलना पड़े तो सुनीता एक मात्र उम्मीदवार नहीं होंगी, बल्कि कार्यकर्ताओं का फोकस और उनकी राय बंट सकती है। इसके बाद आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में खींचतान बढ़ सकती है। कुछ राजनीतिक जानकारों का मानना है कि संजय की जमानत का ईडी द्वारा विरोध ना किया जाना, केंद्र सरकार की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। संजय के बाहर आने के बाद आम आदमी पार्टी में सत्ता के दो केंद्र उभर सकते हैं। अरविंद की मौजूदगी में ऐसा संभव नहीं होता। चूंकि संजय सक्रिय रहे हैं, इसलिए उनका पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद है। इसलिए उनके सत्ता के दूसरे केंद्र के रूप में स्थापित होने की पूरी संभावना है। इसकी वजह से सुनीता को लेकर फोकस बदलेगा। जिसका फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिल सकता है। संजय की रिहाई के बाद जेल के ताले टूटेंगे या नहीं, यह तो वक्त बताएगा। लेकिन इतना जरूर है कि आम आदमी पार्टी की राजनीति जरूर बदलेगी। जिसका असर आम आदमी पार्टी की सेहत पर पड़े बिना नहीं रहेगा।

लाठी के जोर पर लोकतंत्र कायम रखना चाहती हैं ममता

बिमल राय

लोकसभा की 42 सीटों वाले पश्चिम बंगाल में चुनावी कोलाहल कुछ ज्यादा ही सुनाई पड़ रहा है। छोटा संदेशखाली कहे जा रहे पूर्व मिदनापुर के भूपतिनगर में छह अप्रैल को एनआईए की टीम पर हमले ने साफ कर दिया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की मशीनरी किस तरह ध्वस्त हो गई है। वर्ष 2022 में पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर में एक तृणमूल नेता के घर बम विस्फोट हुआ और तीन लोगों के चीथड़े उड़ गए। दो घायल फरार हो गए थे। एनआईए को तभी से उन दोनों की तलाश थी। एनआईए को जांच का जिम्मा कलकत्ता हाईकोर्ट ने दिया था। कई बार समन भेजने के बावजूद ये आरोपी हाजिर नहीं हो रहे थे। सफाई देते हुए पांच अप्रैल की सभा में ममता ने उस विस्फोट को पटाखे का विस्फोट बताया। सवाल है कि क्या पटाखा फटने से शरीर के अंग डेढ़ किलोमीटर दूर जा सकते हैं। हद तो तब हो गई, जब मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि लोगों ने वही किया, जो करना चाहिए था। बंगाल पुलिस ने तो एनआईए की टीम पर ही महिलाओं से छेड़खानी का केस दर्ज कर लिया। संदेशखाली में ईडी के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप लगाकर स्थानीय थाने में केस दर्ज किया गया था, पर संभावित कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। आरोप है कि एक भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी ने एनआईए के एसपी धनराजराम सिंह से उनके घर पर मुलाकात की। तृणमूल इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाने की बात कह रही है। वह इस चुनावी मौसम में केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही हैं। अगर न्याय के लिए तृणमूल सरकार अदालतों की शरण में जाए, तो यह बात समझ में आती है, पर कई मामलों में वह डंडे के जोर पर लोकतंत्र चलाती हैं और अदालती आदेशों को भी ठेंगा दिखाती रही हैं। पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा पर हाल ही में पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया गया है। ममता सरकार ने संदेशखाली में कैंप लगाकर जिन लोगों की हड़पी गई जमीनें वापस लौटाईं, उन पर शाहजहां की गिरोह के दूसरे लेयर के उपद्रवी कब्जा नहीं करने दे रहे। आज भी पुलिस के असहयोग का आलम यह है कि बलात्कार पीड़ित महिलाएं घूंघट में आकर कलकत्ता हाईकोर्ट में बयान दर्ज करा रही हैं। कई कारणों से सिर्फ बशीरहाट सीट का जनादेश पूरे बंगाल का भविष्य इंगित करेगा। इसी निर्वाचन क्षेत्र में संदेशखाली है, जहां की डरावनी कहानियां झकझोर देती हैं। हिंदी में ठीक-ठाक बात करने में सक्षम रेखा पात्रा को तृणमूल ने बाहरी मान लिया है। वैसे, तृणमूल हिंदी बोलने वालों को बाहरी ही कहती रही है। कुछ साल पहले आसनसोल में एक चुनावी सभा में ममता ने हिंदी भाषियों को अतिथि कहा था। ऐसे माहौल में, भाजपा ने सही दांव चलते हुए संदेशखाली की पीड़िताओं को एकजुट करने वाली रेखा पात्रा को उम्मीदवार बनाया, ताकि पूरे चुनाव में महिला सम्मान का विमर्श जिंदा रहे। ममता की बड़ी ताकत राज्य की 49 प्रतिशत महिला वोटर हैं। इस सीट पर तृणमूल ने मुस्लिम आबादी को देखते हुए एक बार सांसद रह चुके हाजी नुरुल इस्लाम को टिकट दिया है, जिन पर वर्ष 2010 में इसी इलाके में दंगे भड़काने का आरोप लगा था। अभी चार अप्रैल को उत्तर बंगाल की चुनावी सभा में ममता ने लोगों से कहा कि वे दंगा न करें, और दंगा न होने दें। रामनवमी से ठीक पहले यह संदेश जारी करने की क्या जरूरत थी? बशीरहाट का बड़ा हिस्सा सुंदरबन के जंगलों व टापुओं पर बनी बस्तियों से घिरा है। यहां साढ़े 17 लाख मतदाता हैं, जिनमें करीब 87 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। इस क्षेत्र में लगभग 46.3 फीसदी मुस्लिम आबादी है। अनुसूचित जाति के करीब 25.4 प्रतिशत लोग हैं और रेखा पात्रा इसी समुदाय से हैं। पिछले दो महीनों से इलाके की महिलाओं के लक्ष्मी भंडार के रुपये खातों में नहीं आ रहे हैं। इन महिलाओं ने प्रदर्शन करते हुए पूछा कि क्या यह राशि तृणमूल दे रही है? इन मेहनतकश महिलाओं के प्रति किसी की ममता अगर नहीं छलकती है, तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है? सात अप्रैल को उत्तरबंगाल के धूपगुड़ी में चुनाव प्रचार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा कि अपराधियों को बचाने के लिए तृणमूल सरकार केंद्रीय एजेंसियों पर हमले करवा रही है। मुख्यमंत्री होकर राष्ट्र से लड़ने का दुस्साहस दीदी को भारी पड़ सकता है।

क्यों चुनें डिजिटल मार्केटिंग और ग्राफिक डिजाइन के ये कोर्स

आजकल डिजिटल सेक्टर बूम पर है। इससे पहले युवा नौकरियां न होने की शिकायत करते थे। लेकिन आज लिंक्डइन, मांन्स्टर.कॉम, नौकरी.कॉम, शाइन जॉब्स कहीं भी सर्च करके देख लें डिजिटल मार्केटिंग और ग्राफिक डिजाइन क्षेत्र में लाखों नौकरियां मिल रही हैं। दूसरी ओर मैंकिंजी ग्लोबल के एक सर्वे के अनुसार यूरोप, अमेरिका, चीन, भारत व अफ्रीका के इंडस्ट्री लीडर्स का मानना है कि उन्हें कंपनी की जरूरत के अनुसार स्किल्ड युवा नहीं मिल रहे। इसका मतलब साफ है कि नौकरियों की कमी नहीं है, कमी है स्किल की। जिसे आप सफलता के जरिये सिर्फ 12 हफ्ते में ऑनलाइन हासिल कर सकते हैं। कम समय और कम पैसे में युवाओं को उन्हें बेहतर जॉब के योग्य बनाने के लिए इस चैत्र नवरात्रि SAFALTA Advanced Certification In Digital Marketing Programme और Advanced Certification In Graphic Design Programme जैसे इंड्स्ट्री व जॉब रेडी स्किल प्रोग्राम्स लेकर आया है। जो कुछ ही हफ्तों में एक शानदार पैकेज वाली नौकरी दिलाने में सक्षम हैं। तो फिर देर किस बात की अभी दिए गए Links पर क्लिक करके रजिस्टर करें डिजिटल सेक्टर के एक शानदार कॅरिअर की ओर कदम बढ़ाएं।

ये भी सीखें

प्रोफेशनल डिजिटल मार्केटिंग
मास्टर डिजिटल मार्केटिंग

वे 7 कारण जिनकी वजह से ये कोर्स सीखना है जरूरी

1- **सबसे ज्यादा नौकरियों वाली लाइन-** डिजिटल मार्केटिंग आज विश्व में सबसे ज्यादा नौकरियां देने वाले सेक्टर के रूप में शुमार हो चुका है। मैकिंजी ग्लोबल के एक सर्वे के अनुसार इस सेक्टर में 2025 तक 6.5 करोड़ जॉब्स युवाओं को दी जाएंगी।

2- **किसी भी स्ट्रीम का स्टूडेंट कर सकता है ये कोर्स-** इन कोर्सेज के लिए आपको कोई इंजीनियरिंग, कोडिंग या टेक्निकल बैकग्राउंड से होने की जरूरत नहीं है। किसी भी विषय में ग्रेजुएट युवा इन दोनों कोर्सेज को सीख सकते हैं।

3- **सीखने में पैसा और समय लगता है कम-** डिजिटल मार्केटिंग या ग्राफिक डिजाइन दोनों ही कोर्स आप सिर्फ 12 हफ्ते में सीख सकते हैं। इंडस्ट्री की अन्य संस्थानों की अपेक्षा इन कोर्सेज में सिखाए जा रहे टूल्स और मॉड्यूल्स के लिए सफलता बेहद वाजिब फीस चार्ज करता है। कोर्सेज के साथ - साथ स्पोकन इंग्लिश, इंटरव्यू प्रिपरेशन, पर्सनॉलिटी डेवलपमेंट और पोर्टफोलियो बिल्डिंग जैसे शॉर्ट टर्म कोर्सेज युवाओं को फ्री दिए जाते हैं।

4- **अनेक कॅरिअर विकल्प-** डिजिटल स्किल सीखने के बाद आप एनालिटिक्स, पीपीसी, एसईओ, ईमेल मार्केटिंग, फेसबुक एड, गूगल एड, सोशल मीडिया मार्केटिंग, इंफ्लुएंसर मार्केटिंग व एफिलिएट मार्केटिंग जैसी दर्जनों तरह की नौकरियों में से किसी एक को चुनकर आप जॉब हासिल कर सकते हैं।

5- **काम में लचीलापन-** आज से 15-20 साल पहले जब कम्प्यूटर का चलन कम था तब लोगों को 8 से 10 घंटों एक ही जगह पर बैठकर नौकरियों में काम करना पड़ता था। लेकिन डिजिटली स्किल्ड युवा अपने अनुसार रिमोट वर्क, फ्रीलांसिंग या 5 से 7 घंटे के अपने तय किए शेड्यूल में काम कर सकते हैं।

6- **सीखने के साथ ही कमाई होगी शुरू-** एलएलबी, एमबीबीएस, बीटेक जैसी डिग्री के बाद जब तक नौकरी नहीं मिलती तब तक कमाई शुरू नहीं हो पाती। लेकिन डिजिटल स्किल सीखने के साथ - साथ आप रुपये भी कमा भी सकते हैं।

7- **आकर्षक सैलरी-** किसी भी अन्य सरकारी या प्राइवेट नौकरी में हर वर्ष प्रमोशन और वेतन बढ़ने की गुंजाइश नहीं होती है। लेकिन डिजिटल सेक्टर में आप हर वर्ष एक नए पैकेज पर जॉब कर सकते हैं। साथ ही हर वर्ष आप प्रमोशन भी ले सकते हैं।

8- **जॉब सुरक्षा-** आए दिन ये सुनने में आता है कि कंपनी ने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया।
लेकिन डिजिटल सेक्टर की नौकरियों में ऐसा नहीं है। डिजिटल सेक्टर अभी ग्रोइंग सेक्टर में से एक है। जिसके आगामी 100 साल तक लगातार ग्रो होने की संभावना है। इसलिए जॉब असुरक्षा जैसी कोई बात नहीं है।

कौन कर सकता है आवेदन

कॉलेज स्टूडेंट्स, ग्रेजुएट्स, पोस्ट ग्रेजुएट्स, छात्राएं, गृहिणी, वर्किंग प्रोफेशनल्स, रिटायर्ड पर्सन्स इन कोर्सेज के लिए आवेदन कर सकते हैं।

एडवांस डिजिटल मार्केटिंग प्रोग्राम की खूबी

100% जॉब असिस्टेंस
इंटर्नशिप का अवसर
20 टूल्स
10 इंडस्ट्री बेस्ड मॉड्यूल्स
8 लाइव प्रोजेक्ट्स व केस स्टडीज
इंटरव्यू प्रिपरेशन
पर्सनॉलिटी ग्रूमिंग सेशन
मॉक इंटरव्यू प्रिपरेशन
स्पोकन इंग्लिश प्रोग्राम
इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा मास्टर क्लास
गूगल सर्टिफाइड फैकल्टी
साप्ताहिक डाउट क्लीयरिंग सेशन

डिजिटल जॉब्स व उनका वेतन

- सर्च इंजन ऑप्टमाइजेशन एक्सपर्ट - 25 से 40 हजार
- कंटेंट मार्केटिंग एक्सपर्ट - 20 से 55 हजार
- पे पर क्लिक एक्सपर्ट - 40 से 60 हजार
- ई मेल मार्केटर - 20 से 40 हजार
- सोशल मीडिया मार्केटिंग - 25 से 50 हजार
- मेसेजिंग मार्केटर - 15 से 30 हजार
- एफिलिएट मार्केटिंग - 15 से 40 हजार
- पब्लिकेशन डिजाइनर - 20 से 45 हजार
- ग्राफिक डिजाइनर - 20 से 70 हजार
- सोशल मीडिया क्रिएटिव मैनेजर - 20 से 45 हजार

ग्राफिक डिजाइन में बनाएं कॅरिअर

ग्राफिक डिजाइन के स्किल्ड युवा डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी, स्टार्टअप्स, एडवरटाइजिंग एजेंसी, पब्लिकेशन हाउसेज, प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आदि में आसानी से काम मिल जाता है। इसके अलावा आप फ्रीलांस भी काम कर सकते हैं।

ग्राफिक डिजाइन कोर्स की खूबी

100% जॉब असिस्टेंस
इंटर्नशिप अपॉरचुनिटी
34 मॉड्यूल्स
30 एसाइनमेंट्स
एडोब फोटोशॉप
एडोब प्रीमियर प्रो
एडोब इलस्ट्रेटर
कोरल ड्रॉ
Runway
DID
LeiaPi&
फ्रीटा.कॉम

एडवांस सर्टिफिकेशन इन डिजिटल मार्केटिंग प्रोग्राम की फीस 24,999 रुपये है आज दाखिला लेने जा रहे युवाओं को कोर्स फीस में 16 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

एडवांस सर्टिफिकेशन इन ग्राफिक डिजाइन प्रोग्राम की फीस 19,999 रुपये है आज दाखिले लेने जा रहे युवाओं को कोर्स फीस में 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

इन दोनों प्रोग्राम्स के नए बैच 15 अप्रैल 2024 से शुरू हो रहे हैं।

सफलता के साथ ऐसे बनाएं अपना कॅरिअर

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी या डिजिटल मार्केटिंग, ग्रॉफिक्स डिजाइनिंग जैसे फील्ड में कॅरिअर बनाने की चाह रखने वाले युवा इनकी बेहतर तैयारी के लिए सफलता डॉट कॉम की मदद ले सकते हैं। अगर आप भी प्राइवेट या सरकारी नौकरी की तलाश में हैं तो आप एक बार सफलता डॉट कॉम पर विजिट जरूर करें और अपनी पसंद के मुताबिक कोर्स में एडमिशन लीजिए जिसके बाद सफलता की फैकल्टी ना केवल आपको प्रोफेशनल बनने के लिए तैयार करेगी बल्कि वो आपका सही कॅरिअर चुनने में मार्गदर्शन भी करेगी। आप अपने फोन में safalta app डाउनलोड कर भी इन कोर्सेज से जुड़ सकते हैं।

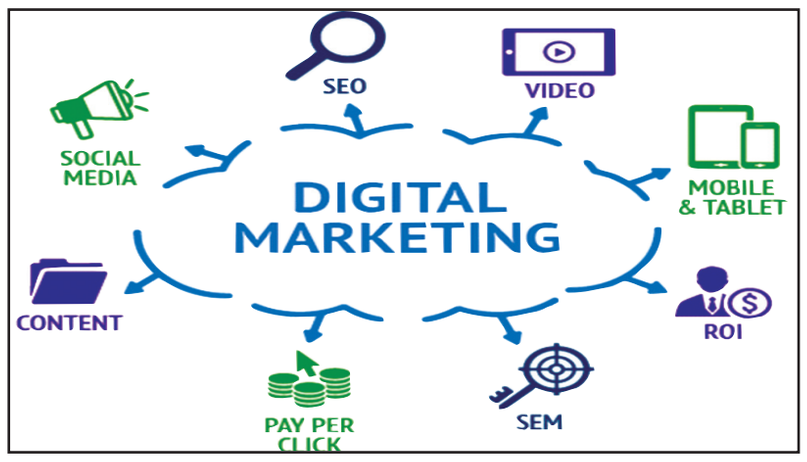

बारहवीं के बाद मेडिकल क्षेत्र में भविष्य बनाने के लिए इन कोर्सेज में ले सकते हैं दाखिला

हमारे देश में ज्यादातर स्टूडेंट्स का और अविभावकों का सपना रहता है कि उनका बच्चा आगे चलकर मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाये। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि हमारे देश में डॉक्टर्स को भगवान से ऊपर का दर्जा प्राप्त होता है। इसमें आप देश की सेवा करने के साथ ही अच्छा खासा पैसा भी कमाते हैं और नाम के साथ समाज में आपको प्रसिद्धि भी प्राप्त होती है।

अगर आप भी 12वीं उत्तीर्ण कर चुके हैं और मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने की सोच रहे हैं तो यह पेज आपके लिए उपयोगी है। आप यहां से मेडिकल क्षेत्र के कुछ बेहतरीन कोर्सेज की जानकारी हासिल कर सकते हैं जिसमें आप 12वीं के बाद ही दाखिला ले सकते हैं।

एमबीबीएस

हमारे देश में मेडिकल के क्षेत्र में एमबीबीएस को सबसे ऊंचा दर्जा प्राप्त होता है। 12वीं करने के बाद ही आप एमबीबीएस यानी की बैचलर ऑफ मेडिसिन एन्ड बैचलर ऑफ सर्जरी में दाखिला ले सकते हैं। यह पांच वर्षीय कोर्स होता है। इसमें चार वर्ष की पढ़ाई और एक वर्ष की इंटर्नशिप होती है। एमबीबीएस में प्रवेश लेने के लिए आपको नीट की परीक्षा पास करनी होती है।

बीडीएस

एमबीबीएस के बाद बीडीएस को भी भी अच्छा विकल्प माना जाता है। इसमें दांतो के डॉक्टर बनने की पढ़ाई होती है। बीडीएस को बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी के नाम से जाना जाता है। बीडीएस में प्रवेश के लिए भी नीट की परीक्षा पास करनी होती है।

बीएससी नर्सिंग

अगर आप नीट की परीक्षा पास नहीं कर पाते हैं तो बीएससी नर्सिंग आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। इसमें आप नर्सिंग से संबंधित पढ़ाई कर सकते हैं।

इन सबके अलावा भी मेडिकल क्षेत्र में बहुत से कोर्स मौजूद हैं जिनमें आप 12वीं करने के बाद ही प्रवेश ले सकते हैं। इसमें बीफार्मा और उसके बाद डीफॉर्मा, बीएएमएस, बीयूएमएस बीटीपी जैसे कोर्सेज में भी दाखिला लेकर मेडिकल क्षेत्र में नाम कमा सकते हैं।

देश के इन टॉप संस्थानों से करें एमबीए, लाखों-करोड़ों में मिलेगा सैलरी पैकेज

अगर आप भी ग्रेजुएशन के बाद एमबीए करने का सपना देख रहे हैं तो उसके लिए अच्छी तैयारी करके देश के टॉप संस्थान में दाखिला लेने का प्रयास करें क्योंकि अगर आपको देश के टॉप संस्थानों में से किसी एक में प्रवेश मिला तो आपको पढ़ाई खत्म करते ही लाखों-करोड़ों में सैलरी पैकेज मिल सकता है। भर्ती के टॉप-10 एमबीए संस्थानों की लिस्ट आप यहां से प्राप्त कर सकते हैं।

देश के टॉप एमबीए संस्थानों की लिस्ट यहां से करें प्राप्त

करियर डेस्क, नई दिल्ली। हर किसी का सपना किसी ऐसे संस्थान से पढ़ाई पूरी करने का होता है जहां से डिग्री/ डिप्लोमा प्राप्त होते ही अच्छी नौकरी के साथ ही बेहतर सैलरी पैकेज मिल सके। अगर आप भी ग्रेजुएशन पूरा कर चुके हैं और उच्च शिक्षा के लिए एमबीए करने की सोच रहे हैं तो उससे पहले किसी बेहतर संस्थान की तलाश अवश्य कर लें। हमारे देश में कुछ ऐसे संस्थान हैं जहां से एमबीए करने के बाद स्टूडेंट्स को पढ़ाई खत्म करते ही लाखों-करोड़ों में सैलरी पैकेज मिलता है। देश के कुछ टॉप एमबीए संस्थानों की लिस्ट आप यहां से चेक कर सकते हैं।

देश के टॉप एमबीए संस्थान

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (हृक्रत्र) के अनुसार देश भर में टॉप कॉलेजेस की लिस्ट जारी की जाती है। अगर आप इन टॉप संस्थानों से एमबीए करते हैं तो आपको अवश्य ही पढ़ाई समाप्त करते ही बेहतर पैकेज मिल सकता है। कभी-कभी ये पैकेज 50 लाख से लेकर 1 करोड़ तक पहुंच जाता है। टॉप-10 संस्थानों की लिस्ट निम्नलिखित है-

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंगलुरु
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोझिकोड
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मुंबई
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर
एक्सएलआरआई-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर व इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुंबई

कैसे मिलेगा एमबीए में प्रवेश

एमबीए में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों को ग्रेजुएट उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके बाद वे देशभर में एमबीए पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली छ्र्ञ्ज, रूञ्ज, तरूञ्ज, ढ्ढञ्ज, छ्ररूञ्ज एग्जाम में भाग ले सकते हैं। इन संस्थानों में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों को एग्जाम में बेहतर प्रदर्शन कर अच्छी रैंक हासिल करना आवश्यक है तभी आपको यहां प्रवेश मिल सकता है।

प्रवर्तन निदेशालय में कैसे बन सकते हैं ऑफिसर

प्रवर्तन निदेशालय में ऑफिसर बनने का सपना देख रहे युवाओं को इसके लिए योग्यता का पूरी करना आवश्यक है। ईडी में ऑफिसर बनने के लिए आपको ग्रेजुएट होना आवश्यक है। चयन के लिए उम्मीदवारों को सीबीटी एग्जाम लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्न) एवं पदानुसार कंप्यूटर प्रवीणता परीक्षा/ डाटा एंट्री कौशल परीक्षा में शामिल होना होगा। अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।

आज के समय में अपने श्वष्ठ शब्द तो सुना ही होगा जिसमें हमारे देश में कई बड़े नेताओं को गिरफ्तार किया है। अगर आप भी ऐसे ही किसी विभाग में शामिल होकर देश सेवा करना चाहते हैं तो ईडी यानी एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट जिसे हिंदी में प्रवर्तन निदेशालय कहा जाता है में ऑफिसर बन सकते हैं। लेकिन प्रवर्तन निदेशालय में नौकरी पाने के आपको योग्यता की जानकारी अवश्य होनी चाहिए।

अगर आपको ईडी में नौकरी करनी है तो यह आर्टिकल आपके लिए उपयोगी है। आप यहां से ईडी में ऑफिसर बनने की योग्यता से लेकर चयन की पूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं।

प्रवर्तन निदेशालय में ऑफिसर बनने के लिए क्या होनी चाहिए योग्यता

इस पद की भर्ती में भाग लेने के लिए अभ्यर्थी ने किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी/ संस्थान से किसी भी विषय में ग्रेजुएशन किया हो। इसके साथ ही उम्मीदवारों की आयु न्यूनतम 18 वर्ष से कम और पदानुसार अधिकतम आयु 27/ 30 वर्ष से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है।

कैसे होगा चयन

ईडी में ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवारों को एसएससी द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाले कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल एग्जामिनेशन यानी कि स्स्ष्ट छ्त्ररु में भाग लेना होगा। चयन के लिए उम्मीदवारों को टियर-1 एवं टियर-2 में कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट एग्जाम में भाग लेना होगा। इन दोनों ही चरणों में सफल उम्मीदवारों को टियर-3 में लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्न) में शामिल होना होगा। अंत में उम्मीदवारों को टियर-4 में पदानुसार कंप्यूटर प्रवीणता परीक्षा/ डाटा एंट्री कौशल परीक्षा में शामिल होना होगा। सभी चरणों में किये गए प्रदर्शन के आधार पर फाइनल लिस्ट तैयार की जाएगी। जिन उम्मीदवारों का नाम फाइनल लिस्ट में होगा उनको ईडी में ऑफिसर के पद पर तैनात किया जाएगा।

12वीं कम्पलीट होने के बाद सीधे पाएं एमटेक की डिग्री

12वीं के सभी छात्रों के एग्जाम हो चुके है। अब स्टूडेट्स सोच रहे होंगे कि कौन-से कॉर्स के लिए एडमिशन लें। अगर आप इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन के लिए अब दो तरह के कोर्स हैं। सामान्य बीटेक और इंटीग्रेटेड एमटेक। बता दें कि, इंटीग्रेटेड एमटेक में बीटेक और एमटेक की डिग्री साथ मिलेगी।

इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन एडमिशन के लिए होने वाली जेईई मेन परीक्षा के लिए इस साल आपको पता है कि 23 लाख से अधिक आवेदन हुए। इसके साथ ही चार साल के बीई/बीटेक प्रोग्राम में दाखिला मिलेगा।

क्या आप जानते हैं कि 12वीं के बाद सीधे एमटेक प्रोग्राम में एडमिशन हो सकता है! इसे इंटीग्रेटेड एमटेक या डुअल डिग्री बीटेक-एमटेक भी कहते हैं। यदि कोई 12वीं के बाद इंटीग्रेटेड एमटेक में एडमिशन लेता है तो उसका बीटेक और एमटेक न सिर्फ एक साथ हो जाएगा। बल्कि एक साल और काफी फीस भी बचेगी। वहीं सामान्य बीटेक करने में चार साल और फिर एमटेक करने में दो साल लग जाते हैं। जबकि यदि इंटीग्रेटेड एमटेक किया जाए तो यह 5 साल में पूरा होता है।

इंटीग्रेटेड एमटेक में इस तरह से लें

एडमिशन

इंटीग्रेटेड एमटेक में भी एडमिशन जेईई मेन/ जेईई एडवांस या इंजीनियरिंग की अन्य प्रवेश परीक्षाओं के स्कोर के आधार पर ही होता है। आइए आपको बताते हा इन इंजीनियरिंग कॉलेजों के बारे में, जहां से इटीग्रेटेड एमटेक कोर्स किया जा सकता है।

इटीग्रेटेड एमटेक कोर्स के कॉलेज

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, मद्रास
- आईआईटी, रुड़की
- आईआईटी, खड़गपुर
- IIIT,बैंगलोर
- IIIT, कोयट्टम

इंटीग्रेटेड एमटेक की फीस

आईआईटी में इंटीग्रेटेड एमटेक की फीस की बात करें, तो इसकी ट्यूशन फीस दो लाख रुपये सालाना या 1 लाख रुपये प्रति सेमेस्टर है। जबकि IIIT बैंगलोर में इसकी ट्यूशन फीस पहले और दूसरे साल 2,30,000/- प्रति सेमेस्टर और तीसरे और चौथे साल 2,76,000/- रुपये प्रति सेमेस्टर है। जबकि IIIT कोयट्टम में इंटीग्रेटेड एमटेक की पांच साल की फीस 9.20 लाख रुपये है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

समाजवादी पार्टी का घोषणा पत्र जारी, जाति जनगणना पर जोर

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। समाजवादी पार्टी का घोषणापत्र लॉन्च करते हुए पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि हमने अपने विजन डॉक्यूमेंट को जनता का मांग पत्र- हमारा अधिकार नाम दिया है। इस विज़न डॉक्यूमेंट में मुख्य मांगें हैं- संविधान की रक्षा का अधिकार, लोकतंत्र की रक्षा का अधिकार, मीडिया की स्वतंत्रता का अधिकार और देश के विकास के लिए सामाजिक न्याय का अधिकार आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना के बिना समावेशी विकास संभव नहीं है। जातीय जनगणना देश के विकास की धुरी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि विजन डॉक्यूमेंट में कहा गया है- जाति जनगणना में देरी नहीं होनी चाहिए। हम 2025 तक जाति जनगणना कराएंगे और उसके आधार पर 2029 तक सभी के लिए न्याय और भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

राऊज एवेन्यू कोर्ट से केजरीवाल को झटका

नईदिल्ली। बीते 24 घंटों में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को अदालत से दूसरी बार राहत नहीं मिली है। पहले हाईकोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका को रद्द किया अब दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार अरविंद केजरीवाल की तिहाड़ जेल में उनकी कानूनी बैठकों को सप्ताह में दो से बढ़ाकर पांच बार करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। राउज़ एवेन्यू कोर्ट में केजरीवाल ने 4 अप्रैल को ये याचिका दाखिल की थी जिसमें मांग की गई थी उन्हें इनके वकीलों से मिलने का समय बढ़ाया जाए। अपनी याचिका में, उन्होंने कहा था कि वह विभिन्न राज्यों में कई एफआईआर का सामना कर रहे हैं, जिसके लिए काफी कानूनी काम की आवश्यकता है। केजरीवाल ने तर्क दिया था कि कामकाम सही तरीके से देखने के लिए भी उनके वकीलों और पार्टी के लोगों के साथ उनकी मीटिंग्स की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए।

केजरीवाल ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ बुधवार को उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। केजरीवाल के वकील विवेक जैन ने बताया कि उन्होंने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में याचिका दायर की है। लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल को झटका देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने उनकी उस याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। अदालत ने कहा कि बार-बार समन भेजने के बावजूद केजरीवाल के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं होने और जांच में शामिल होने से इनकार करने के बाद जांच एजेंसी पास कोई खास विकल्प नहीं बचा था।

राजीव चन्द्रशेखर ने शशि थरूर को भेजा कानूनी नोटिस

नई दिल्ली। केरल के तिरुवनंतपुरम से भाजपा उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर ने अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी शशि थरूर को मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। अपने कानूनी नोटिस में राजीव चंद्रशेखर ने मौजूदा सांसद थरूर पर तिरुवनंतपुरम की जनता के बीच उनको लेकर गलत अफवाह उड़ाने का आरोप लगाया है। बकौल चंद्रशेखरन थरूर ने उनपर आरोप लगाया है कि उन्होंने मतदाताओं और पैरिश पुजारियों जैसे प्रभावशाली लोगों को कथिततौर पर रिश्वत दी है। चंद्रशेखर ने एक टीवी साक्षात्कार में शशि थरूर द्वारा लगाए गए आरोपों पर आश्चर्य व्यक्त किया है। भाजपा नेता ने शशि थरूर द्वारा दिए गए बयानों को पुरजोर खंडन करते हुए उनसे बयान वापस लेने की भी मांग की है और कहा है कि थरूर उनसे सार्वजनिक माफी मांगें अन्यथा इसके लिए कानूनी परिणाम भुगतने को तैयार रहें। राजीव चंद्रशेखर की नोटिस में लिखा है, नोटिस प्राप्तकर्ता द्वारा 06.04.2024 को उपरोक्त समाचार चैनल पर हमारे मुअक्किल यानी राजीव चन्द्रशेखर के खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों और आक्षेपों को तुरंत वापस लें।

राज ठाकरे पर संजय राउत ने किया हमला

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने बुधवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोगों के मन में तब संदेह पैदा होता है, जब महाराष्ट्र के गौरव की रक्षा के लिए गठित दल अपने दुश्मनों का साथ देता है। राउत ने यह टिप्पणी ऐसे समय में दी है, जब एक दिन पहले मनसे प्रमुख ठाकरे ने एलान किया था कि वह सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का साथ देंगे। हालांकि अभी तक मनसे नेता ने इस बात पर कोई बयान नहीं दिया है कि उनकी पार्टी से किसी उम्मीदवार को उतारा जाएगा या नहीं। बता दें, महायुति में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी शामिल है। राउत ने पत्रकारों से कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र के गौरव के लिए लड़ रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा ने सभी भ्रष्ट लोगों को अपने पाले में ले लिया है। उन्होंने कहा, कारोबार महाराष्ट्र से दूर जा रहे हैं, मुंबई को तोड़ने और अपंग बनाने की कोशिश की जा रही है।

स्टालिन के गढ़ में गरजे प्रधानमंत्री, कहा- तमिल विरोधी संस्कृति को बढ़ावा दिया

डीएमके के पास भ्रष्टाचार का कॉपीराइट : मोदी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) पर जमकर निशाना साधा और उस पर एक परिवार की कंपनी बनने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु के वेल्लोर में एक रैली में कहा कि भ्रष्टाचार पर पहला कॉपीराइट डीएमके का है, पूरा परिवार तमिलनाडु को लूट रहा है। डीएमके ने तमिलनाडु की जनता को बुरी तरह से लूटा है। पिछले दिनों इस बात का खुलासा हुआ है कि रेत तस्करों ने प्रदेश को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचाया है। केवल दो वर्ष में तमिलानाडु को 4,600 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह कितनी बड़ी लूट की घटना है।

डीएमके तमिलनाडु को पुरानी सोच, पुरानी राजनीति में फंसाए रखना चाहती है, पूरी डीएमके एक परिवार की कंपनी बन गई है। डीएमके की पारिवारिक राजनीति के कारण तमिलनाडु के युवाओं को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिल रहा है। डीएमके से चुनाव लड़ने और डीएमके में आगे बढ़ने के तीन मुख्य मापदंड पारिवारिक राजनीति, भ्रष्टाचार और तमिल विरोधी संस्कृति हैं।

प्रधानमंत्री तमिलनाडु में आक्रामक तरीके से प्रचार कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने राज्य की राजधानी चेन्नई में एक विशाल रोड शो का नेतृत्व किया था। मोदी ने कहा कि चेन्नई ने मुझे जीत लिया है! इस गतिशील शहर में आज का रोड शो हमेशा मेरी स्मृति का हिस्सा रहेगा। जनता का आशीर्वाद मुझे आपकी सेवा में कड़ी मेहनत करते रहने और अपने देश को और भी अधिक विकसित बनाने की शक्ति देता है। चेन्नई में उत्साह यह भी दर्शाता है कि तमिलनाडु बड़े पैमाने पर एनडीए का समर्थन करने के लिए तैयार है। 2019 के लोकसभा चुनावों में, डीएमके के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन ने राज्य की 39 में से 38 सीटें जीती थीं।

बीजेपी राज्य में 23 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। यह नौ अन्य सहयोगियों के साथ गठबंधन में लड़ रही है, जिसमें 10 सीटों पर पट्टाली मक्कल काची, तीन सीटों पर तमिल मनीला कांग्रेस (मूपनार), तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और एआईएडीएमके नेता ओ पन्नीरसेल्वम, जो निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, अम्मा मक्कल मुनेत्रा शामिल हैं। टीटीवी दिनाकरन के नेतृत्व वाली कज़गम

(एएमएमयू) दो सीटों पर और भारतीय जननायगा काची, पुथिया नीधि काची और तमिझागा मक्कल मुनेत्र कड़गम एक-एक सीट पर हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत में सबसे पहले यहां के लोगों से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मैं क्षमा मांगता हूं मैं तमिल में बोल नहीं पाता हूं। दिल्ली में बैठे लोगों को पता नहीं है कि तमिलनाडु की जनता नया इतिहास बनाने जा रही है। बीजेपी-एनडीए को तमिलनाडु में अपार जन समर्थन मिल रहा है। पूरा तमिलनाडु कह रहा एक बार फिर मोदी सरकार। पीएम ने कहा कि 2014 से पहले भारत को कैसी नजर से देखा जाता था। भारत के बारे में कहा जाता था कि भारत आर्थिक रूप से टूट जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 14 अप्रैल को हमारा नववर्ष आरंभ हो रहा है। मैं आप सब को नववर्ष की अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं और मुझे पक्का विश्वास है कि आने वाला वर्ष तमिलनाडु के विकास की यात्रा को और मजबूत बनाएगा और ये चुनाव, उसमें आपका उत्साह उमंग, नई ताकत भर देगा। पीएम मोदी ने कहा कि हमें मिलकर विकसित तमिलनाडु और विकसित भारत बनाना होगा। पिछले 10 वर्षों में एनडीए की केंद्र सरकार ने विकसित भारत की नींव तैयार की है। 2014 से पहले, भारत घोटालों के लिए प्रसिद्ध था, और उसकी अर्थव्यवस्था एक जर्जर स्थिति के अलावा कुछ नहीं थी। लेकिन आज भारत एक इमर्जिंग ग्लोबल पावर बन चुका है। मैं यह कहते हुए बहुत खुश हो रहा हूं कि इसमें तमिलनाडु की जनता का अहम योगदान है।

ममता दीदी सीएए पर लोगों को कर रही हैं गुमराह : शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा और उन पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि ममता दीदी, आप तो महिला मुख्यमंत्री हैं, फिर भी संदेशखाली जैसी शर्मनाक घटना पर आप राजनीति कर रही हैं। वर्षों तक, आपकी नाक के नीचे अत्याचार होता रहा और जब टीएमसी के गुंडों को ईडी पकड़ने गई तब उन पर पथराव किया गया। तुष्टिकरण कर कुछ वोट लेने के लिए आप संदेशखाली के गुनहगारों को बचा रही हैं। अमित शाह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मोदी जी ने गरीबों के कल्याण के लिए अथक प्रयास किये। मोदी जी के नेतृत्व में लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले। 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन मिला, लगभग 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया और लगभग 10 करोड़ लोगों को उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी कनेक्शन मिले। हमने सीएए कानून पारित किया है। ममता दीदी बंगाल की जनता को गुमराह कर रही हैं। वह कह रही है कि अगर सीएए के लिए आवेदन करोगे तो नागरिकता चली जायेगी। शाह ने पश्चिम बंगाल के बालुरघाट में एक रैली में कहा कि मैं शरणार्थियों से सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने का अनुरोध करता हूं, मैं आश्वासन देता हूं कि कोई समस्या नहीं होगी। ममता दीदी, आप सीएए का कितना भी विरोध करें, हम सभी शरणार्थियों को नागरिकता देंगे। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख पर अपना हमला जारी रखते हुए शाह ने कहा कि सशक्त भारत बनाने के लिए, हमें सशक्त बंगाल बनाना होगा। लेकिन आप पश्चिम बंगाल में घुसपैठ की सीमा देख रहे हैं! अगर ऐसी स्थिति बनी रही, तो राज्य प्रगति नहीं कर सकते और कभी सशक्त नहीं बन सकते।

संजय सिंह को केजरीवाल से मिलने की नहीं मिली इजाजत

पूछा- तिहाड़ जेल है या हिटलर का गैस चैंबर?

नईदिल्ली। आप सांसद संजय सिंह ने बुधवार को दावा किया कि भाजपा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भावनात्मक रूप से तोड़ना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि तिहाड़ के अधिकारियों ने अपने वकीलों के माध्यम से आप विधायकों को संदेश भेजने पर उनके परिवार की यात्राओं को रोकने की धमकी दी थी। उन्होंने पूछा कि क्या भाजपा तिहाड़ को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एडॉल्फ हिटलर के कुख्यात गैस चैंबर में बदलना चाहती है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार दिल्ली के एक चुने हुए मुख्यमंत्री को जेल में रखना चाहती है।

संजय सिंह ने दावा किया कि दो दिन पहले अरविंद केजरीवाल ने अपने वकील से मुलाकात की थी और उस मुलाकात के दौरान उन्होंने संदेश दिया था कि चुने हुए विधायकों को अपने क्षेत्रों में जाकर लोगों की समस्याएं सुननी चाहिए। और बस इसी मैसेज के आधार पर उनके खिलाफ जांच बिठा दी गई है और धमकी दी जा रही है कि तुम्हें अपने परिवार और वकीलों से मिलने से रोक दिया जाएगा। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कई महीने जेल में बिताने के बाद हाल ही में बाहर आए संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल यातना के आगे नहीं झुकेंगे।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि क्या आप (भाजपा) दिल्ली की तिहाड़ जेल को हिटलर का गैस चैंबर बनाना चाहते हैं? एक मुख्यमंत्री अपने विधायकों को संदेश भेजकर दिल्ली के लोगों की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने के लिए क्यों नहीं कह सकता? आप अरविन्द केजरीवाल को भावनात्मक रूप से तोड़ना चाहते हैं, आप अरविन्द केजरीवाल को प्रताड़ित करके झुकाना चाहते हैं। हालाँकि, ये कोशिशें सफल नहीं होंगी और केजरीवाल टूटेंगे नहीं। बताया जा रहा है कि आप नेता संजय सिंह आज मिलने जाने वाले थे लेकिन जेल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए केजरीवाल से मुलाकात को खारिज कर दिया।

भाजपा मांग कर रही है कि अरविंद केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें। हालाँकि, आम आदमी पार्टी का कहना है कि वह जेल से ही रहेंगे क्योंकि उन्हें किसी भी अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया गया है। संजय सिंह ने कहा कि अगर अरविंद केजरीवाल इस्तीफा देते हैं तो जल्द ही अन्य गैर-भाजपा मुख्यमंत्रियों को भी जेल भेजा जाएगा। इस बीच, भाजपा कार्यकर्ताओं ने अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शन किया।

दिल्ली भाजपा ने केजरीवाल पर जारी किया पोस्टर

दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक नया पोस्टर जारी किया है जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भ्रष्टाचार का पोस्टर बॉय बताया गया है। उच्च न्यायालय द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज किए जाने के बाद आप सुप्रीमो पर निशाना साधते हुए भाजपा ने कहा कि इंडियन अगेंस्ट करप्शन आंदोलन से शुरू हुआ आंदोलन अब केजरी भ्रष्टाचार क्रांति में बदल गया है और पूछा कि क्या अब उनके पास कोई नैतिक अधिकार बचा है? जब तक वह गिरफ़्तार रहेगा जारी रहेगा। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, आप दावा कर रही है कि पैसे का कोई लेन-देन नहीं मिला है, जबकि अदालत ने स्पष्ट किया है कि पैसे के लेन-देन का पता चला है और इसे चुनाव की तैयारियों में खर्च किया गया है. अब, एकमात्र सवाल यह उठता है कि क्या अरविंद केजरीवाल का तिहाड़ जेल से सरकार चलाना नैतिक रूप से सही है?

खेल
प्रमुख समाचार

आरसीबी और मुंबई इंडियंस आज होंगे आमने सामने

नईदिल्ली। खराब फॉर्म से जूझ रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में बृहस्पतिवार को मुंबई इंडियंस से खेलेगी जिस पर खुद अच्छे प्रदर्शन का भारी दबाव है । पांच में से चार मैच हार चुकी आरसीबी ने टीम चुनने में गलतियां की और मैदान पर भी प्रदर्शन से उसकी भरपाई नहीं कर सकी। अंकतालिका में वह मुंबई से एक ही पायदान नीचे है। मुंबई चार में से एक मैच जीतकर नौवे स्थान पर है । उसने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हराया था । विराट कोहली के शानदार प्रदर्शन के बावजूद आरसीबी के अभियान की बेहद खराब शुरूआत हुई है।

अब आईपीएल के आधे मैच जल्दी ही खत्म होने को है और ऐसे में आरसीबी के विदेशी खिलाड़ियों को लय तलाशनी होगी जिनमें कप्तान फाफ डु प्लेसी (109 रन), ग्लेन मैक्सवेल (32) और कैमरन ग्रीन (68 रन) शामिल हैं । कोहली अभी तक एक शतक और दो अर्धशतक समेत 316 रन बना चुके हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिल सका। पांच महीने पहले विश्व कप सेमीफाइनल में वानखेड़े स्टेडियम पर शतक जमाने वाले कोहली एक बार फिर उसी मैदान पर अपने बल्ले का जलवा बिखेरना चाहेंगे। गेंदबाजी में मैक्सवेल चार विकेट ले चुके हैं लेकिन मुख्य गेंदबाज प्रभावहीन रहे हैं। मुंबई के खिलाफ उन्होंने हालांकि पिछले पांच में से चार मैच जीते हैं। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 32 मुकाबलों में से 18 मुंबई ने और 14 आरसीबी ने जीते हैं । आम तौर पर आईपीएल में धीमी शुरूआत करने वाली मुंबई टीम को पता है कि अब देर करने से परिणाम प्रतिकूल हो सकते हैं। आरसीबी को हराकर उसका इरादा लगातार दूसरी जीत दर्ज करने का होगा ताकि टीम का मनोबल बढ सके चूंकि अगले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से खेलना है। शीर्षक्रम पर ईशान किशन और रोहित शर्मा ने रन बनाये हैं लेकिन मध्यक्रम नाकाम रहा है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

354 अंक चढ़कर 75 हजारी हुआ सेंसेक्स

नईदिल्ली। आईटीसी, कोटक बैंक, एसबीआई, टेक महिंद्रा और भारती एयरटेल के शेयरों में तेजी के दम पर हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को देसी शेयर बाजार 75 हजार के स्तर को पार कर हरे निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 354 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 111 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप 0.89 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.46 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 354.45 अंक यानी 0.47 फीसदी की बढ़त के साथ 75,038.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 74,807.55 और 75,105.14 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 111.05 अंक यानी 0.49 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,753.80 अंक पर बंद हुआ।

हार्टेक पावर को 474 करोड़ रुपये का मिला सोलर प्रोजेक्ट

जयपुर। हार्टेक पावर को राजस्थान में 300 मेगावाट की सौर परियोजना के विकास के लिए 474 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने बयान में कहा, एक प्रमुख वैश्विक नवीकरणीय स्वतंत्र बिजली उत्पादक से यह ठेका मिला है। परियोजना में राजस्थान में 1,209 एकड़ में फैले 300 मेगावाट के 'ग्राउंड-माउंट' सौर पीवी बिजली संयंत्र का विकास शामिल है। कंपनी हार्टेक समूह की बिजली प्रणाली व नवीकरणीय ढांचा शाखा है। हार्टेक समूह की स्थापना 1991 में की गई थी। यह भारत में सबसे तेजी से बढ़ती कंपनियों में से एक है जो इंजीनियरिंग, निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, ईंधन और विनिर्माण क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करती हैं।

10 सालों में दोगुने से भी अधिक हुई भारत में पेट्रोल की खपत

नईदिल्ली। देश में पेट्रोल की खपत तेजी से बढ़ रही है। जैसे-जैसे वाहनों की संख्या में बढ़त हो रही है देश कमें पेट्रोल की खपत भी बढ़ रही है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के हिसाब से पेट्रोल की खपत बीते 10 सालों में दोगुनी से भी अधिक हुई है। वहीं डीजल की खपत लगभग एक तिहाई बढ़ गई है जबकि तेल की कुल मांग आधी हो गई है। आंकड़ों से पता चलता है कि ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) और रिन्यूएबल एनर्जी के लिए नीतिगत दबाव के बावजूद जीवाश्म ईंधन की मांग बनी हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2013-14 और 2023-24 के बीच पेट्रोल की वार्षिक खपत 117%, डीजल की 31%, विमानन टरबाइन ईंधन की 50% और एलपीजी की 82% बढ़ी है। इस अवधि के दौरान मिट्टी के तेल की खपत में 93% की गिरावट आई है।

सोभा लिमिटेड की 2023-24 में बिक्री बुकिंग 28% बढ़ी

नईदिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सोभा लिमिटेड की वित्त वर्ष 2023-24 में बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 6,644.1 करोड़ रुपये हो गई। आवासीय संपत्तियों की मजबूत उपभोक्ता मांग इसकी प्रमुख वजह रही। बेंगलुरु स्थित सोभा लिमिटेड की बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2022-23 में 5,197.8 करोड़ रुपये थी। कंपनी के अनुसार, बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2023-24 में आठ प्रतिशत बढ़कर 60.8 लाख फुट रही जो वित्त वर्ष 2022-23 में 56.5 लाख वर्ग फुट थी। बेंगलुरु के अलावा, अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर की केरल, तमिलनाडु, पुणे, हैदराबाद, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और गुजरात में अच्छी उपस्थिति है।

चुनावी अर्थशास्त्र की चुनौतियां, क्या सार्वजनिक खर्च वास्तव में है कोई मुद्दा

पिनाकी चक्रवर्ती

अक्सर चुनाव के दिनों में चुनावी खर्च की चिंता जताई जाती है और बढ़ते चुनावी खर्च का तर्क देकर 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' पर भी विचार किया जाने लगा है। जहां तक चुनावों में होने वाले खर्च की बात है, तो वैश्विक स्तर पर चुनाव कराने की प्रत्यक्ष सार्वजनिक वित्तीय लागत काफी भिन्न होती है और विभिन्न देशों के बीच और देश के भीतर भी चुनावी लागत अलग-अलग होती है। सामान्य अर्थों में देखें तो, अपने देश में केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न चुनावों पर सार्वजनिक खर्च में प्रति वर्ष 19.98 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हुई है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2017-18 में चुनाव पर केंद्र सरकार के सार्वजनिक व्यय की लागत 1322.22 करोड़ रुपये थी, जो वर्ष 2024-25 के बजट आवंटन में बढ़कर 2724.26 करोड़ रुपये हो गई है। अब तक चुनावों पर सार्वजनिक लागत का सबसे उच्चतम स्तर वर्ष 2022-23 में दर्ज किया गया है, जो 3775.42 करोड़ रुपये था।

इस चुनावी खर्च में छह प्रमुख मदें शामिल हैं, जो इस प्रकार हैं -निर्वाचन अधिकारियों पर किया जाने वाला खर्च, मतदाता सूची तैयार करने और उसकी छपाई पर खर्च, लोकसभा और राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों की विधानसभा, विधान परिषद के चुनाव के संचालन के लिए किया जाने वाला खर्च, पंचायतों/स्थानीय निकाय चुनावों के संचालन के लिए किया जाने वाला खर्च, आदि और चुनाव संबंधी अन्य खर्च। जैसा कि सार्वजनिक व्यय की इन व्यापक मदों से स्पष्ट है, ये मुख्य रूप से केंद्र सरकार द्वारा चुनाव कराने के लिए किए जाने वाले प्रशासनिक खर्च हैं।

भारत सरकार के कुल व्यय बजट, जो

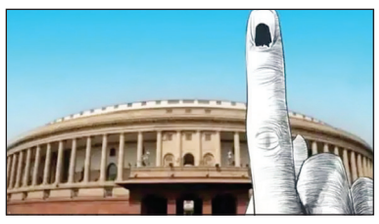

लगभग 45 लाख करोड़ रुपये है, में चुनावी खर्च बहुत छोटी-सी रकम है। लिहाजा, इस बात पर विचार करना जरूरी है कि क्या चुनाव पर सार्वजनिक खर्च वास्तव में कोई मुद्दा है।

आइए, अब जरा चुनावों के अर्थशास्त्र पर भी विचार कर लेते हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावों की घोषणा से लेकर चुनाव के बाद नई सरकार के गठन तक, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के खर्च में अप्रत्याशित बढ़ोतरी होती है। उम्मीदवारों द्वारा चुनाव संबंधी खर्च में बढ़ोतरी को अक्सर अल्पावधि में उपभोग खर्च को बढ़ावा देने वाला माना जाता है। अल्पावधि में उपभोक्ता बाजार पर चुनावी खर्च के लाभ अलग-अलग होते हैं और इसका आर्थिक प्रभाव विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा की चुनावी प्रकृति समेत कई कारकों पर निर्भर करता है। हालांकि चुनावी प्रतिस्पर्धा की प्रकृति का सार्वजनिक वित्त पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। चुनाव के बाद जो राजनीतिक दल जीत हासिल कर सरकार का गठन करता है, उस सरकार द्वारा शुरू की गई सार्वजनिक नीतियों का सार्वजनिक खर्च पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। ऐसे खर्चों का विकास, राजकोषीय संतुलन और मानव विकास पर दीर्घकालीन असर पड़ता है।

हाल के वर्षों में चुनाव पूर्व किए गए वादे के बड़े सार्वजनिक खर्च प्रतिबद्धता में तब्दील होने का एक बेहद दिलचस्प उदाहरण महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) अधिनियम है। हमें चुनाव पूर्व किए गए इस तरह के वादे के ऐसे कई उदाहरण मिलेंगे, जिन्होंने सार्वजनिक खर्च को बढ़ाने के साथ नई सार्वजनिक नीतियों का भी निर्माण किया है। भारतीय संविधान के पहले अनुच्छेद के अनुसार, विभिन्न राज्यों का एक संघ है।

लिहाजा, एक संघीय देश में राष्ट्रीय निर्वाचन और राज्यों के निर्वाचन की चुनावी प्रतिस्पर्धा अलग-अलग होनी चाहिए, खासकर तब, जब राष्ट्रीय सरकार की भूमिका राज्यों की सरकारों से बहुत अलग हो। हालांकि हमारे अपने देश भारत में राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले वादे यह अंतर करने में विफल रहते हैं। राजनीतिक वादों से इस अंतर को समझना भी मुश्किल होता है। केंद्र और राज्यों, दोनों के चुनाव में किए जाने वाले वादे बड़े पैमाने पर परिवारों को लाभ पहुंचाने के लिए पुनर्वितरण खर्च पर केंद्रित होते हैं।

कुम्हारी हादसे में मृत और घायलों के परिजनों को हर संभव सहायता दी जाएगी: विजय शर्मा

घायलों के लिए कंपनी प्रबंधन से सबसे बेहतर मुआवजा व उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित

ग्रुप इंश्योरेंस और दावा बीमा का भी मिलेगा लाभ

रायपुर। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा है कुम्हारी के पास हुए सड़क हादसे में मृतक और घायल प्रत्येक कर्मचारियों के परिजनों को भाजपा सरकार हर संभव मदद करेगी। घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए श्री शर्मा ने कहा कि मृतक हो या घायल सभी के साथ सरकार खड़ी हुई है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा घटना के तत्काल बाद हादसे में घायल हुए कर्मचारियों को देखने एम्स हॉस्पिटल पहुंचे थे। मौजूद परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा की सभी उनके भाई है। इलाज में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा जाएगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में रायपुर-दुर्ग रोड पर मंगलवार रात कर्मचारियों से भरी बस 50 फीट गहरी खाई में गिर गई। ये सभी केडिया डिस्टलरी के कर्मचारी थे। आज सुबह उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा कुम्हारी के पास घटना स्थल देखने पहुंचे थे। इंटर डिपार्टमेंट लिड एजेंसी रोड सेफ्टी के अधिकारी एआईजी संजय शर्मा भी उनके साथ थे। घटना स्थल पर दुर्ग की कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी, एसपी आईपीएस जितेंद्र शुक्ला सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल और रेस्क्यू टीम मौजूद थी। श्री शर्मा ने घटनास्थल का मुआयना किया और भविष्य में ऐसी घटना ना हो इसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मीडिया से चर्चा के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि घटना में 12 लोगों की मौत हो गई जबकि दो कर्मचारी गंभीर रूप से घायल है। चुनाव का समय है इसलिए उनके हाथ बंधे हैं। राज्य निर्वाचन पदाधिकारी से इस संबंध में चर्चा करके मृतकों के परजनो व घायलों की हर संभव की जाएगी। सभी केडिया डिस्टलरी के कर्मचारी हैं। मृतकों के परिजनों 10 लाख रुपए मुआवजा कंपनी की ओर से तय कराया जाएगा । इसके अलावा कंपनी में इनका ग्रुप इंश्योरेंस हुआ है, जिससे बीमा की राशि भी मिलेगी वहीं वाहन चालक गाड़ी इंश्योरेंस जीवित है , इसका फायदा भी हादसे के शिकार लोगों को मिलेगा।

राजनीति का इतना नीचा स्तर केवल कांग्रेस में ही संभव

मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए कहा कांग्रेसी नेताओं के बयान विचित्र है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा की मुझे बड़ा आश्चर्य है कि मोदी जी देश से भ्रष्टाचार हटाना चाहते हैं , मोदी जी देश को बढ़ाना चाहते है। राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं परंतु कांग्रेस मन भेद की बातें करती है। वह प्रधानमंत्री के बारे में अपशब्द कहती है, उसके सर फोड़ने की बात करती है, राजनीति का इतना नीचा स्तर केवल कांग्रेस में ही संभव है।

लोस का विकास तभी होगा जब जिम्मेदार प्रतिनिधि जनता से सीधे संवाद करेंगे: बृजमोहन अग्रवाल

बृजमोहन ने जारी किया मोबाइल नंबर, रायपुर लोकसभा की जनता से मांगे सुझाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के उच्च शिक्षा, संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रायपुर लोकसभा का विकास तभी होगा जब जिम्मेदार प्रतिनिधि जनता से सीधे संवाद करेंगे। उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे।

इसी मंशा के चलते उन्होंने जनता से सतत संवाद बनाए रखने एक अभिनव प्रयोग लोकसभा चुनाव के दौरान किया है। उन्होंने मोबाइल नंबर 9238727200 साझा कर उसमें रायपुर लोकसभा क्षेत्र की तरक्की और समृद्धि के लिए जनता से सुझाव मांगा है। उसके अनुरूप आगे की रणनीति बनाई जाएगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि कल से हम रायपुर लोकसभा की ग्रामीण जनता के बीच जा रहे हैं। 15 अप्रैल को एकात्म परिसर से प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव के सानिध्य में नामांकन रैली निकाली जाएगी जो घड़ी चौक तक जाएगी। यहां से पैदल कलेक्ट्रेट में नामांकन दाखिल करेंगे।

मातृशक्ति कांग्रेस की नस-नस से वाकिफ है और कांग्रेस के बहकावे में नहीं आने वाली

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा पिछले 35 सालों में लगातार रायपुर लोकसभा की जनता ने 8 बार विधायक चुना और पांच बार कैबिनेट मंत्री रहा और जब भी जो विभाग की जिम्मेदारी मुझे मिली उसे पूरी शिद्दत के साथ निभाया। इस बार भाजपा संगठन ने रायपुर लोकसभा का प्रत्याशी बनाया है। भाजपा सरकार ने 15 साल तक छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य एवं रायपुर को विकसित करते हुए राजधानी बनाई है।

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में दिख रही प्रत्यक्ष हार से बुरी तरह से घबराई हुई है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का छत्तीसगढ़ के नेताओं पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चरण दास महंत और कवासी लखमा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का सिर फोड़ने, मारने की बात कहकर अपने मानसिक दिवालियापन, बौखलाहट का परिचय दे रहे हैं । यही नहीं प्रधानमंत्री के लिए असंसदीय भाषा का प्रयोग चुनावी सभा में करने लगे हैं। यह सब उनकी हार की बौखलाहट का परिचायक है।

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस कह रही है कि अगर हम सत्ता में आए तो कश्मीर से धारा 370 को फिर से लागू करेंगे। मातृशक्ति को हर साल एक लाख रुपये देने की बात कह कर गुमराह कर रहे हैं। सवाल यह है कि 50 लाख करोड़ रुपये तो देश का बजट है तो कहां से वो इतना पैसा लाएंगे। मातृशक्ति कांग्रेस की नस-नस से वाकिफ है और कांग्रेस के बहकावे में नहीं आने वाली। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश में 'एक विधान, एक प्रधान और एक निशान' का नारा दिया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारे को पूरा किया और कश्मीर से धारा 370 को हटाया है।

इस दौरान पत्रकार वार्ता में सांसद सुनील सोनी, प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता छगन लाल मूंदड़ा, रायपुर जिला मीडिया सह प्रभारी वंदना राठोर भी उपस्थित रहे।

मंत्री वर्मा ने कुम्हारी बस दुर्घटना में दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

रायपुर। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कुम्हारी में मंगलवार को हुए भीषण बस हादसे पर शोक जताया है। श्री वर्मा ने कहा है कि दुर्ग के कुम्हारी के पास निजी कंपनी के कर्मचारियों से भरी बस के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना अत्यंत गंभीर और दु:खद है। इस दुर्घटना में 13 कर्मचारियों के निधन की पीड़ादायक सूचना प्राप्त हुई है।

रायपुर लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय धरसींवा ब्लॉक में कल रात से कर रहे धुंआधार चुनाव प्रचार

रायपुर। रायपुर लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय का धुआंधार चुनावी प्रचार जारी है। अपने न्याय रथ में सवार होकर वह धरसीवा विधानसभा पहुंचे। मंगलवार रात में ही वह धरसीवा विधानसभा के ग्राम टेकारी पहुंचे जहां ग्राम वासियों को सभा के माध्यम से संबोधित किया एवं कांग्रेस की न्याय गारंटी के बारे में जानकारी दी तत्पश्चात रात में ही टेकारी मे ग्राम वासियों द्वारा मंदिर में किए जा रहे हैं जस गीत में शामिल हुए। गांव में ही रात्रि विश्राम के बाद सुबह फिर से अपनी चुनावी दौरे पर निकल पड़े। टेकारी गांव में सुबह प्रभात फेरी के साथ यात्रा की शुरुआत की गई। धरसीवा विधानसभा के ग्राम पथरी में डॉक्टर खूबचंद बघेल के गृहग्राम पहुंचे जहां उन्होंने उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया साथ ही उनके परिवार जनों से मुलाकात कर उनके निवास पर स्वल्पाहार भी किया। इस दौरान उनके साथ डॉक्टर खूबचंद बघेल के नाती शेषनारायण बघेल उपस्थित थे। कार्यक्रम के पश्चात ग्राम बरबंदा पहुंचे जहां स्वामी आत्मानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया। साथ ही तिल्दा में सिंधी समाज द्वारा आयोजित झूलेलाल जयंती समारोह में पहुंचे एवं समाज द्वारा आयोजित भंडारे में भी शामिल हुए विकास उपाध्याय ने समाज के लोगों को चेट्री चंड्र जयंती की बधाई दी।

धरसीवा विधानसभा के चुनावी दौरे पर निकले विकास उपाध्याय ने धरसींवा ब्लॉक अंतर्गत टेकारी गिरौद बर्बन्दा मटिया तर्रा पथरी सिलतरा मांढर धनेली सांकरा निमोरा सोंडरा कन्हेरा गुमा तेंदुआ में प्रचार के दौरान मनरेगा मज़दूरों किसानों महिलाओं और युवा साथियो से मिलकर कांग्रेस की गारंटी का लाभ बताते हुये कांग्रेस के पक्ष में वोट की अपील की।

रायपुर लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने कहां की चुनावी दौरे में उनको आम जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। गाँव शहर गली गली में कांग्रेस के न्याय गारंटी के प्रति जनता का उत्साह बता रहा है कि इस बार परिवर्तन तय है।

इस दौरा कार्यक्रम के दौरान लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्र के वरिष्ठ नेतागण जिलाध्यक्ष ग्रामीण उधोराम वर्मा पूर्व विधायक अनिता शर्मा पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा नारायण कुर्रे भावेश बघेल दुर्गेश वर्मा डोमेश्वरी वर्मा हरिशंकर निषाद रूपेश बघेल उपस्थित थे।

भाजपा द्वारा जबरिया दलबदल करा कर प्रजातांत्रिक मूल्यों को नष्ट किया जा रहा है - धनेंद

रायपुर। प्रजातंत्र में दलबदल को कभी भी सम्मानजनक दृष्टिकोण से नहीं देखा जाता इसीलिये देश के संविधान में दलबदल कानून बनाया गया है परंतु वर्तमान में केंद्र और प्रदेश में शासक पार्टी के रूप में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा कांग्रेसियों को भय, प्रलोभन एवं डरा धमका कर विशेष अभियान चलाकर दलबदल कराये जा रहे है जो कि अत्यंत ही गैर प्रजातांत्रिक और निंदनीय है। उक्त बातें प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष धनेंद्र साहू ने कहीं। उन्होंने कहा कि पूरे देश एवं प्रदेश में हजारों मामले ऐसे आये है जिसमें सरकार की संवैधानिक संस्थाओं ईडी, सीबीआई, आईटी आदि के माध्यम से विभिन्न राजनीतिक दलों के बड़े नेताओं के ऊपर झूठे मुकदमें एवं झूठे आरोप में फंसाने या विभिन्न पदों का प्रलोभन देकर बड़े पैमाने पर दलबदल कराये जा रहा है जो कभी भी देश के इतिहास में इतने बड़े पैमाने पर दलबदल नहीं हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा बड़े पद पर आसीन राजनेताओं से लेकर पंचायत स्तर एवं बूथ स्तर तक के लोगों को डरा धमका कर उन्हें पार्टी छोड़ने और भाजपा प्रवेश करने पर मजबूर किया जा रहा है। अपने आपको सिद्धांतों एवं आदर्श पर चलने वाले पार्टी के रूप में प्रचारित करते नहीं थकते और सत्ता हासिल करने के लिये स्तरहीन राजनीति करने पर उतारू हो गये है.

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

दूसरी बार टली सौम्या चौरसिया की जमानत याचिका पर सुनवाई

रायपुर। बहुचर्चित कोयला घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पिछले साल ईडी के द्वारा गिरफ्तार की गई और फिर जेल में बंद सीएमओ की पूर्व उप सचिव सौम्या चौरसिया के बेल पिटीशन पर तकनीकी वजहों से सुनवाई नहीं हो सकी और इस तरह उन्हें जमानत भी नहीं मिली। सौम्या ने अपने वकील के माध्यम से जमानत याचिका दाखिल की थी लेकिन इस याचिका पर सुनवाई नहीं हो पाई। बीते 6 अप्रैल को भी उनके याचिका पर सुनवाई टल गई थी। अब 12 अप्रैल को इस मामले सुनवाई की जाएगी। गौरतलब हैं कि चौरसिया को ईडी ने पिछले साल दो दिसंबर 2022 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 15 दिसंबर को उन्हें सेवा से निलंबित कर दिया गया था। बता दें कि कोयला लेवी केस में गिरफ्तार सौम्या चौरसिया की जमानत याचिका इससे पहले बिलासपुर हाईकोर्ट खारिज कर चुका है। (जबकि सुप्रीम कोर्ट ने तो याचिका ख़ारिज करते हुए उनपर जुर्माना भी लगाया था। सुनवाई टलने के बाद नई तारीख का ऐलान नहीं हुआ हैं।

साय सरकार बताये 18 लाख में से कितने आवास केंद्र स्वीकृत किया

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार ने छत्तीसगढ़ सरकार के प्रधानमंत्री आवास के मकानों की संख्या को स्वीकृति ही नही दिया है। राज्य सरकार खुद ही संख्या की घोषणा कर अपनी पीठ थपथपा रही है। कांग्रेस मांग करती है कि सरकार के दावों में सच्चाई है तो स्वीकृत आवास हीनों के नाम सार्वजनिक किया जाये। मोदी सरकार बताये 18 आवासों में से कितने आवास केंद्र स्वीकृत किया? मोदी सरकार ने राज्य के 18 लाख आवासों में से 1 मकान की भी स्वीकृति नहीं दिया। 18 लाख प्रधानमंत्री आवास का दावा करने वाली भाजपा सरकार ने अभी तक एक भी हितग्राही के खाते में एक रू. भी नहीं डाला है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार के प्रधानमंत्री आवास केवल सरकारी विज्ञापनों और होर्डिंग में ही दिखते रहे है, हकीकत में भाजपा सरकार के आने के बाद एक भी हितग्राही के लिये आवास स्वीकृत नहीं हुआ है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश सरकार ने आवासहीनों के खाते में पहली किश्त डाली थी। उसके बाद भाजपा सरकार ने एक भी रू. नहीं भेजा है।

नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के जनता को मूर्ख कहा

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने केंद्र सरकार पर महंगाई को लेकर जमकर साधा निशाना और कहा की छत्तीसगढ़ मैं आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी कहते हैं की महंगाई लोगों को समझ में नहीं आ रही है इसका तात्पर्य है यह है कि बस्तर के जो भोली भाली आदिवासी है वह नासमझ है। नरेंद्र मोदी जी अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए जनता को मूर्ख कह रहे है 100 दिन में महंगाई कम करने के वादे के साथ सत्ता में काबिज हुए और जब से सत्ता में भाजपा की सरकार आई है तब से लगातार दैनिक जीवन की वस्तुओं के दामों में बेतहाशा वृद्धि हुई है बेलगाम महंगाई ने जनता की रीड की हड्डी तोड़ रखी है । बेलगाम महंगाई से आज रसोई में संकट छाया हुआ है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने आरोप लगाया कि बेरोज़गारी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है और महंगाई आसमान छू रही है तथा ग्रामीण भारत के गंभीर संकट से जूझने के साथ ही असमानता चरम पर पहुंच चुकी है. वंदना राजपूत ने दावा किया कि केंद्र की गलत नीतियों के चलते यह स्थिति पैदा हुई है. ''भारतीय अर्थव्यवस्था में जितनी भी खतरे की घंटियां बज रही हैं, वे केवल प्रधानमंत्री मोदी को ही नहीं सुनाई दे रही हैं.

भाजपा नेता अब विपक्षी नेताओं के लिए अनिष्ट की कामना कर रहे

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने मंत्री केदार कश्यप के बयान की निंदा करते हुए कहा मोदी की सभा फैल होने और बस्तर लोकसभा सीट में भाजपा की करारी हार के स्पष्ट संकेत को देखते हुए भाजपा नेता बौरा गये हैं। केदार कश्यप के बयान 4 जून को कांग्रेस का अंतिम संस्कार से मोदी परिवार का संस्कार व सोच सामने आया है. क्या मोदी परिवार का यही संस्कार है कि विपक्षी दल के नेताओं के लिए अनिष्ट की कामना करना? भाजपा राजनीतिक तौर पर कांग्रेस और कवासी लखमा का मुकाबला नहीं कर पा रही है। इसलिए इस प्रकार से अनिष्टकारी बयान देकर विपक्षी दल के प्रति अपनी दुर्भावना को प्रदर्शित कर रहे हैं। यह बेहद आपत्तिजनक है। केदार कश्यप की इस बयान की कांग्रेस पार्टी कड़े शब्दों में निंदा करती है. केदार कश्यप के इस बयान के लिए भाजपा को माफी मांगना चाहिये। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा नेता मोदी सरकार के 10 साल की उपलब्धि बताने में नाकाम है। मोदी सरकार के कारण देश का हर वर्ग हताश और परेशान है। ऐसे में भाजपा नेताओं के द्वारा फैलाई जा रही रायता झूठ और जुमला को जनता समझ चुकी है।

चल संगी मतदान कर आबे गाने का लोकार्पण

रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने आज कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मतदाता जागरूकता के चल संगी मतदान कर आबे का लोकार्पण किया। यह गौरला-पेंड्रा-मरवाही की शिक्षक श्रीमती मीनाक्षी केशरवानी द्वारा रचित है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने अधिकारियों, कर्मचारियों समेत उपस्थित नागरिकों को मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाई। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री नीलेश क्षीरसागर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह, एसएसपी संतोष सिंह, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप उपस्थित थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने कहा कि रायपुर जिले में मतदाता जागरूकता के बेहतर कार्य किए जा रहे है। पिछले दिनों रायपुर के कला केंद्र में बच्चों के द्वारा मतदान के महत्व को समझाने बेहतर प्रस्तुति दी गई थी, वह भी सराहानीय थी। इन सब के प्रयासों से निश्चित ही शहरी क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा।

रायपुर जिला प्रशासन द्वारा मतदाता जागरूकता के लिए की गई शुरूआत

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने स्वीप एक्सप्रेस का किया शुभारंभ

रायपुर. जिला प्रशासन रायपुर द्वारा लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए आज स्वीप एक्सप्रेस की शुरूआत की गई। इसका शुभारंभ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले द्वारा फीता काटकर किया गया। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन रायपुर को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री निलेश क्षीरसागर, कलेक्टर

एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह, एसएसपी संतोष सिंह, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ. सिंह ने बताया कि स्वीप एक्सप्रेस के माध्यम से लोक कलाकार रायपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर मतदाताओं को लोक गीतों, नुक्कड़ नाटक इत्यादि के माध्यम से मतदान के लिए जागरूक करेंगे। गौरतलब है कि मिनी बस और मेटाडोर को स्वीप एक्सप्रेस के रूप में परिवर्तित किया गया है। इसके चारो तरफ मतदाता जागरूकता के पोस्टर, स्टीकर लगाये गये है। साथ ही इसके बाहर स्पीकर लगाये गये है।

जिसमें मतदान जागरूकता से संबंधित गीत बजाए जाएंगे। यह एक्सप्रेस जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जाएगी और एक्सप्रेस में सवार लोक कला दल जगह-जगह गीतों और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करते हुए अधिक से अधिक मतदान के लिए आग्रह करेगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना कंगाले ने मतदाता जागरूकता के हेलमेट स्टीकर का किया विमोचन

रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में आज हेलमेट स्टीकर का विमोचन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नीलेश क्षीरसागर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह, एसएसपी संतोष सिंह, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने कहा कि स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता के अभिनव कार्य किए जा रहे है। इसी कड़ी में दोपहिया वाहन चालकों के हेलमेट में मतदाता जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। लोकसभा निर्वाचन में अधिक से अधिक नागरिक मतदान का हिस्सा बने। कलेक्टर ने कहा कि मतदाता जागरूकता के लिए अधिकारी व कर्मचारी के हेलमेट में स्टीकर लगायेंगे। जिसे लोग मतदान के प्रति जागरूक होंगे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.